राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण गुरुवार 13 मार्च 2025 वर्ष-8,अंक-24 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मॉरीशस संसद का नई इमारत के निर्माण में भारत करेगा सहयोग: पीएम मोदी

पोर्ट लुईस/नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत एवं मॉरीशस ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को 'विस्तारित रणनीतिक साझीदारी' का दर्जा देने के साथ स्थानीय मुद्राओं में कारोबार करने एवं आर्थिक अपराधियों को पकड़ने सहित आठ क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के करारों पर आज हस्ताक्षर किये और भारत ने उपहार के रूप में मॉरीशस की संसद के नये भवन का निर्माण कराने की घोषणा की।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम के बीच प्रतिनिधिमंडल स्तर की द्विपक्षीय बैठक के बाद दोनों प्रधानमंत्रियों की उपस्थिति में दोनों देशों के बीच इन समझौतों पर हस्ताक्षर के बाद आदान-प्रदान किया गया। दोनों नेताओं ने अटल बिहारी वाजपेयी लोकसेवा एवं नवान्वेषण संस्थान, केप मल्हेरो में मॉरीशस क्षेत्रीय स्वास्थ्य केन्द्र तथा 20 अन्य सामुदायिक परियोजनाओं का संयुक्त रूप से उद्घाटन किया जिन पर कुल 35.2 करोड़ मौरिशियन रुपए (6.63 करोड़ भारतीय रुपए) की लागत आयी है। इसके अलावा भारत ने मॉरीशस को सैंट ब्रेंडन द्वीप के नौवहन चार्ट को सौंपा जिसे भारतीय नौसेनिक पोत ने हाइड्रोग्राफी सर्वेक्षण के बाद तैयार किया है।

भारत और मॉरीशस ने आज जिन आठ सहमति पत्रों पर हस्ताक्षर किए हैं, उनमें स्थानीय मुद्रा निपटान प्रणाली पर मॉरीशस के केंद्रीय बैंक और भारतीय रिजर्व बैंक के बीच सहमति पत्र, पाइप प्रतिस्थापन कार्यक्रम के तहत केंद्रीय जल प्राधिकरण द्वारा कार्यान्वित की जा रही परियोजनाओं को वित्तपोषित करने के लिए मॉरीशस सरकार और भारतीय स्टेट बैंक के बीच ऋण सुविधा समझौते पर सहमति पत्र, राजनयिकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम पर भारतीय विदेश सेवा संस्थान और मॉरीशस के विदेश मामलों, क्षेत्रीय एकीकरण और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मंत्रालय के बीच सहमति पत्र, भारतीय नौसेना और मॉरीशस पुलिस बल के बीच व्हाइट शिपिंग सूचना के आदान-प्रदान पर तकनीकी समझौता, मॉरीशस के वित्तीय अपराध आयोग और भारत के प्रवर्तन निदेशालय के बीच समझौता ज्ञापन, मॉरीशस के उद्योग एसएमई और सहकारिता मंत्रालय और भारत के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के बीच सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम के क्षेत्र में सहयोग पर समझौता ज्ञापन, मॉरीशस के लोक सेवा और प्रशासनिक सुधार मंत्रालय और भारत के प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग के राष्ट्रीय सुशासन केंद्र के बीच लोक अधिकारियों के प्रशिक्षण पर समझौता ज्ञापन तथा भारत के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र और मॉरीशस के प्रधान मंत्री कार्यालय के महाद्वीपीय शेल्फ, समुद्री क्षेत्र प्रशासन और अन्वेषण विभाग के बीच समझौता ज्ञापन शामिल हैं।

समझौता ज्ञापनों के आदान प्रदान के बाद संयुक्त प्रेस वक्तव्य में श्री मोदी ने अपने संबोधन में 140 करोड़ भारतीयों की ओर से मॉरीशस के सभी नागरिकों को उनके राष्ट्रीय दिवस की शुभकामनाएं प्रेषित की और कहा, 'ये मेरे लिए बहुत सौभाग्य की बात है कि मुझे दोबारा मॉरीशस के राष्ट्रीय दिवस पर आने का अवसर मिल रहा है। भारत और मॉरीशस का संबंध केवल हिंद महासागर से ही नहीं, बल्कि हमारी साझी सांस्कृतिक परंपराओं और मूल्यों से भी जुड़ा है।हम आर्थिक और सामाजिक प्रगति की राह पर एक दूसरे के साथी हैं।'

प्रधानमंत्री ने कहा कि प्राकृतिक आपदा हो या कोविड की विपदा, हमने हमेशा एक दूसरे का साथ दिया है। रक्षा हो या शिक्षा, स्वास्थ्य हो या अंतरिक्ष, हम हर क्षेत्र में कंधे से कंधा मिलाकर चल रहे हैं। पिछले 10 वर्षों में हमने अपने संबंधों में

कई नए आयाम जोड़े हैं। विकास सहयोग और क्षमता निर्माण में नए कीर्तिमान स्थापित किए गए हैं।

उन्होंने कहा, 'आज, प्रधानमंत्री नवीन चंद्र रामगुलाम और मैंने भारत-मॉरीशस साझीदारी को 'विस्तारित रणनीतिक साझीदारी' का दर्जा देने का निर्णय लिया है। हमने निर्णय लिया कि मॉरीशस में संसद का भवन बनाने में भारत सहयोग करेगा। यह लोकतंत्र की जननी की ओर से मॉरीशस को भेंट होगी।'

भारत और मॉरीशस ने 8 एमओयू पर किए हस्ताक्षर, रणनीतिक, आर्थिक संबंधों को मजबूत करने पर जोर

पोर्ट लुईस/नई दिल्ली।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके मॉरीशस के समकक्ष नवीनचंद्र रामगुलाम की उपस्थिति में बुधवार को आठ समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। ये अपराध जांच, समुद्री यातायात निगरानी, बुनियादी ढांचा कूटनीति, वाणिज्य, क्षमता निर्माण, वित्त और महासागर अर्थव्यवस्था सहित कई क्षेत्रों से संबंधित हैं।संयुक्त प्रेस वार्ता के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने दोनों देशों के बीच गहरे संबंधों पर प्रकाश डाला। पीएम मोदी ने कहा, 'भारत-मॉरीशस का सबंध, केवल हिंद महासागर से नहीं बल्कि हमारी साझी सांस्कृतिक परंपराओं और मूल्यों से भी जुड़ा है, हम आर्थिक और सामाजिक प्रगति की राह पर एक दूसरे के साथी हैं, प्राकृतिक आपदा हो या कोविड विपदा हमने हमेशा एक दूसरे का साथ दिया है, रक्षा हो या शिक्षा, स्वास्थ्य हो या स्पेस हम हर क्षेत्र में कंधे से कंधा मिलाकर चल रहे हैं। पिछले दस वर्षों में हमने अपने संबंधों में कई नए आयाम जोड़े हैं।' प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को ऐलान किया कि भारत मॉरीशस में संसद की नई बिल्डिंग बनाने में सहयोग करेगा। उन्होंने कहा कि यह 'मदर ऑफ डेमोक्रेसी' की ओर से मॉरीशस को भेंट होगी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 卐अगले पांच वर्षों में भारत में मॉरीशस के 500 सिविल सर्वेंट को को ट्रेनिंग दी जाएगी। हमारे बीच लोकल करेंसी में आपसी व्यापार का सेटलमेंट करने पर भी सहमति बनी है।' पीएम मोदी ने मॉरीशस के सभी नागरिकों को राष्ट्रीय दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, 'यह मेरे लिए बहुत सौभाग्य की बात है कि मुझे दोबारा मॉरीशस के नेशनल डे पर आने का अवसर मिल रहा है। इसके लिए मैं प्रधान मंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम जी और मॉरीशस सरकार का आभार व्यक्त करता हूं। बता दें प्रधानमंत्री मोदी 11-12 मार्च तक मॉरीशस की दो दिवसीय यात्रा पर हैं।

हरियाणा नगर निगम चुनाव

10 में से 9 निगमों में भाजपा की जीत, मानेसर में निर्दलीय ने मारी बाजी

चंडीगढ़। हरियाणा के 10 नगर निगमों के मेयर चुनाव के नतीजे आने शुरू हो गए हैं। मानेसर निगम में निर्दलीय उम्मीदवार डॉ. इंद्रजीत यादव ने जीत दर्ज की। उन्होंने भाजपा उम्मीदवार सुंदर लाल को हराया। इंद्रजीत यादव ने खुद को केंद्रीय राज्यमंत्री व गुरुग्राम से भाजपा सांसद राव इंद्रजीत की करीबी बताकर प्रचार किया था। वहीं, भाजपा रोहतक, हिसार, करनाल, अंबाला, सोनीपत और फरीदाबाद नगर निगम में मेयर का चुनाव जीत गई है। कांग्रेस सभी निगमों में पीछे है। कांग्रेस विधायक विनेश फोगाट के विधानसभा क्षेत्र जुलाना की नगर पालिका में चेयरमैन पद के लिए भाजपा के डॉ. संजय जांगड़ा ने जीत दर्ज की है। फतेहाबाद जिले की जाखल मंडी नगर पालिका में निर्दलीय उम्मीदवार विकास कुमार चेयरमैन बन गए हैं।

रोहतक में भाजपा ने दी कांग्रेस को मात

नगर निगम मेयर के चुनाव में भाजपा ने कांग्रेस को करारी शिकस्त दी है। तीन बार कलानौर हलके से विधानसभा चुनाव हार चुके पार्टी के मेयर प्रत्याशी रामअवतार वाल्मीकि ने कांग्रेस प्रत्याशी सूरजमल किलोई को 45 हजार 191 हजार वोटों के अंतर से मात दी। खास बात यह रही कि लोकसभा व विधानसभा चुनाव में जाट बाहुल्य वार्डों में जहां कांग्रेस ने जीत हासिल की थी, वहां भाजपा मेयर चुनाव में भारी पड़ी। नॉन जाट बाहुल्य वार्डों में तो कांग्रेस को करारी हार मिली है। 13 राउंड चली मतगणना में कांग्रेस भाजपा को एक भी राउंड में नहीं हरा सकी।

हाईकोर्ट ने एनआईए से मांगा जवाब- आखिर सांसद राशिद को बजट सत्र में शामिल होने क्यों नहीं दी जाए पैरोल

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को एनआईए से जेल में बंद जम्मू-कश्मीर के सांसद इंजीनियर राशिद की कस्टडी पैरोल याचिका पर जवाब मांगा। राशिद ने संसद के चल रहे बजट सत्र में भाग लेने के लिए पैरोल मांगी है। बता दें कि सत्र का दूसरा चरण सोमवार से शुरू हो चुका है और 4 अप्रैल तक जारी रहेगा। न्यायमूर्ति प्रतिभा एम सिंह और रजनीश कुमार गुप्ता की युगलपीठ ने नोटिस जारी करते हुए 18 मार्च को अगली सुनवाई की तारीख तय की। कोर्ट ने कहा कि नोटिस जारी करें। अगर कोई आपत्ति हो तो एनआईए सोमवार तक जवाब पेश करें। मंगलवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करें।

तेलंगाना विधान परिषद चुनाव में कांग्रेस ने अभिनेत्री विजयशांति को मैदान में उतारा

हैदराबाद । तेलंगाना विधान परिषद चुनाव बेहद दिलचस्प होने वाला है। नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख से ठीक पहले कांग्रेस और सीपीआई ने अपने चार उम्मीदवारों के नामों का ऐलान किया है। खास बात है कि कांग्रेस ने लेडी अमिताभ के नाम से मशहूर अभिनेत्री विजयशांति को मैदान में उतारा है। एमएसएल कोटे के तहत पांच एमएलसी सीटों के लिए 20 मार्च को चुनाव होने हैं। एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने तीन एमएलसी सीटों के लिए अड्डंकी दयाकर, केथावत शंकर नायक और विजयशांति के नामों पर मुहर लगा दी। साथ ही, उन्होंने सहयोगी पार्टी सीपीआई को एक सीट आवंटित की। कुछ ही घंटों बाद, सीपीआई ने राज्य कार्यकारी सदस्य एन सत्यम को अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया।

नौसेना के लिए भारत 26 नए राफेल विमान की खरीदी करेगा

-दसॉ एविएशन भारत में असेंबली लाइन लगाने की तैयारी में

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना फ्रांस की राफेल से अपने पुराने मिग 29 लड़ाकू विमानों को बदलने की तैयारी में है। नौसेना के लिए भारत 26 नए राफेल विमान की खरीदी करेगा। इस सौदे की आधिकारिक घोषणा अप्रैल 2025 में होने की उम्मीद है, जब फ्रांसिसी रक्षा मंत्री भारत आएंगे। पूरे सौदे की कीमत करीब 7.6 अरब डॉलर होगी। ये नए राफेल एम विमान, पुराने एमआईजी-29के और एमआईजी-29 केयूबी विमानों की जगह लेने वाले है। ये पुराने विमान अभी नौसेना के 300 स्क्वाड्रन व्हाइट टाइगर्स और 303 स्क्वाड्रन ब्लैक पैंथर्स में इस्तेमाल हो रहे हैं। नए राफेल जेट आईएनएस विक्रांत और आईएनएस विक्रमादित्य नाम के एयरक्राफ्ट कैरियर से उड़ान भर सकते है। ये विशाल जहाज समुद्र में तैरते हुए हवाई अड्डे की तरह होते हैं। इन 26 राफेल विमानों में से 22 राफेल एम विमान है। ये खासतौर पर एयरक्राफ्ट कैरियर से उड़ान भरने के लिए डिजाइन किए गए हैं। बाकी के चार विमान राफेल बी ट्रेनर विमान है। ये दो सीट वाले विमान होते हैं, जिनका इस्तेमाल पायलटों को प्रशिक्षण देने के लिए होता है। ट्रेनर विमान एयरक्राफ्ट कैरियर से नहीं उड़ सकते। इन नए विमानों की डिलीवरी 2029 में शुरू होगी। राफेल विमान बनाने वाली कंपनी दसॉ एविएशन भारत में अपनी एक असेंबली लाइन लगाने पर भी काम कर रही है। इसका मतलब है कि कुछ राफेल विमान भारत में ही बनाए जाएंगे।

बीएसएफ जवानों का वाहन खाई में गिरा, 3 की मौत, 13 घायल

-मणिपुर में बेस कैंप लौट रहा वाहन हुआ हादसे का शिकार

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के सेनापति जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ है, जहां बीएसएफ जवानों को ले जा रहा एक वाहन गहरी खाई में गिर गया। इस दुर्घटना में 03 जवानों की मौत हो गई, जबकि 13 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

जानकारी अनुसार मणिपुर के सेनापति जिले में बीएसएफ जवानों को ले जा रही गाड़ी अचानक खाई में जा गिरी। इस हादसे में 03 जवानों की मौत हो गई, जबकि 13 जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। यह दर्दनाक हादसा इंफाल-दीमापुर नेशनल हाईवे पर चांगौबंग गांव के करीब शाम 4 बजे हुआ। हादसे का शिकार हुए सभी जवान एक ही बटालियन के बताए गए हैं। इनकी तैनाती नगालैंड के झादिमा में रही जबकि मणिपुर के हालात बिगड़ने के बाद इन्हें राज्य में तैनात किया गया था। बताया जा रहा है कि हादसा तब हुआ जबकि जवान अपनी क्यूआरटी ड्यूटी पूरी करने के बाद कांगपोकपी से

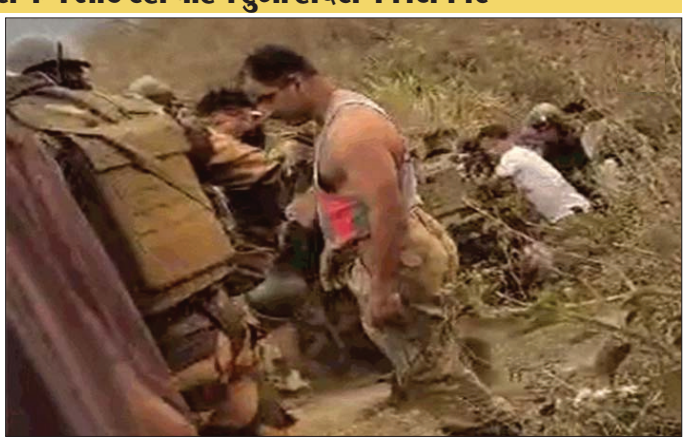

आईआईआईटी, मयांगखांग स्थित बेस कैंप में वापस लौट रहे थे। सूत्रों की मानें तो गाड़ी ओवरलोडेड थी, और चालक का संतुलन बिगड़ जाने के बाद वाहन गहरी खाई में गिर गया।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और सुरक्षाबल मौके पर पहुंचे। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। प्रशासन ने हादसे के कारणों की जांच के आदेश दे दिए हैं।

कांग्रेस का पीएम मोदी से सीधा सवाल, मॉरीशष के बाद मणिपुर कब जाएंगे?

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली(ईएमएस)। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मॉरीशस यात्रा को लेकर उन पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उनके पास बार-बार विदेश यात्रा का समय है, जबकि मणिपुर के लोग अब भी उनकी यात्रा का इंतजार कर रहे हैं। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह दावा भी किया कि प्रधानमंत्री का लगभग दो साल से मणिपुर का दौरा नहीं करना वास्तव में राज्य के लोगों का अपमान है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा, प्रधानमंत्री अभी मॉरीशस के लिए रवाना हुए हैं। लेकिन मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद भी स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है।

उन्होंने कहा कि मणिपुर के लोग प्रधानमंत्री की यात्रा का इंतजार कर रहे हैं। रमेश ने दावा किया कि प्रधानमंत्री का मणिपुर नहीं जाना राज्य के लोगों का अपमान है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार को दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर मॉरीशस पहुंचे। इस दौरान वह देश के राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे और

शीर्ष नेतृत्व के साथ बैठक करेंगे। मोदी की यह यात्रा मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीन रामगुलाम के निमंत्रण पर हो रही है। यात्रा के दौरान दोनों देश दक्षता विकास, व्यापार और सीमा पार वित्तीय अपराधों से निपटने के क्षेत्रों में सहयोग के लिए कई समझौतों पर हस्ताक्षर करेंगे। उधर, कांग्रेस पार्टी की तेजतर्रार प्रवक्ता अलका लांबा ने आस्ट्रेलिया में रहने वाले बलात्कार आरोपी बालेश धनखड के साथ प्रधानमंत्री के फोटो का मामला उठाया। बालेश को स्थानीय कोर्ट ने बलात्कार संबंधित आरोपों की सुनवाई करते हुए 40 साल की सजा सुनाई है। अल्का लांबा ने फोटो के आधार पर बालेश धनखड जैसे अपराधी मानसिकता वाले लोगों के साथ भाजपा के सर्वोच्च नेताओं के साथ तस्वीरों पर सवाल उठाते हुए सफाई मांगी। उससे पहले अलका लांबा ने दिल्ली पुलिस पर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्हें संसद के समीप विजय चौक पर मीडिया से बात करने पर मना किया गया। उन्हें घंटों रोका गया। कहा गया कि विजय चौक से सिर्फ सांसद बात कर सकते हैं मीडिया के साथ। अलका ने कहा कि दिल्ली पुलिस के जवान मुझसे लगातार सवाल कर रहे थे कि वो मीडिया से क्या बात करने जा रही हैं? उन्होंने सवाल उठाये ऐसा आखिर किसके इशारे पर किया जा रहा है? क्यों किया जा रहा है? ये कैसा लोकतंत्र है?

अलका लांबा ने कहा कि भाजपा के पूर्व सांसद प्रज्जवल रेवन्ना बलात्कार के आरोप में जेल की सलाखों के पीछे हैं। पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ दिल्ली पुलिस सालभर बीत जाने के बाद भी पूछताछ करने की हिम्मत नहीं दिखा रही हे।

अंतरराष्ट्रीय सोना तस्करी नेटवर्क में एक छोटा मोहरा अभिनेत्री रान्या राव, बड़े नामों की तलाश में जांच एजेंसी

तुमकुर । कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव का नाम अंतरराष्ट्रीय सोने की तस्करी नेटवर्क में सामने आ रहा है। जांच में पता चला है कि वे दुबई से बेंगलुरू तक सोना लाने के लिए भारी कमीशन लेती थीं और एक अंतरराष्ट्रीय गिरोह से जुड़ी थीं। अधिकारियों के अनुसार, रान्या सरगनाओं के इशारे पर काम कर रही थीं और संगठित अपराध का नेटवर्क काफी गहरा था। जांच एजेंसी सूत्रों के अनुसार, रान्या राव के पास 17.29 करोड़ रुपये का सोना खरीदने की क्षमता नहीं थी, इससे शक और गहरा हो गया। जांच से सामने आया कि उन्हें प्रति किलोग्राम सोने की तस्करी पर 4 से 5 लाख रुपये का कमीशन दिया जाता था। गिरोह ने रान्या को इसलिए चुना, क्योंकि वे एक आईपीएस अधिकारी की बेटी थीं, जिससे उन्हें कानून से बचने में आसानी हो सकती थी। जांच अधिकारियों को संदेह है कि सोने की तस्करी में बेंगलुरु अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के कुछ कर्मचारी भी शामिल हो सकते हैं। जांच में यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि रान्या ने सोने को किसे सौंपा। उनके बैंक खातों की बीते दो वर्षों की जांच की जा रही है और उनका मोबाइल फोन जब्त किया गया है, ताकि नेटवर्क से जुड़े और लोगों की पहचान हो सके।

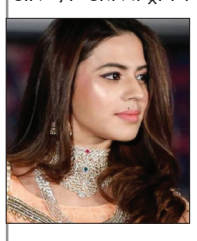

मध्य प्रदेश की मोहन सरकार ने पेश किया 4 लाख 21 हजार करोड़ का बजट

-कोई नया टैक्स नहीं लगाया

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश की डॉ.मोहन यादव सरकार के वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 4 लाख 21 हजार 32 करोड़ रुपए का बजट पेश किया। बजट में कोई भी नया कर नहीं लगाया गया और न ही किसी भी कर की दर बढ़ाना प्रस्तावित किया गया है। वर्ष 2025-26 में कुल राजस्व प्राप्तियों का बजट अनुमान रुपए 2 लाख 90 हज़ार 879 करोड़ है। राजस्व प्राप्तियों में राज्य करों से प्राप्तियां, रुपए 1 लाख 9 हज़ार 157 करोड़ तथा केन्द्रीय करों में प्रदेश के हिस्से के अंतर्गत प्राप्तियां, रुपए 1 लाख 11 हजार 662 करोड़ अनुमानित हैं। कर भिन्न राजस्व प्राप्तियां, रुपए 21 हजार 399 करोड़ तथा केन्द्र सरकार से सहायक अनुदान अंतर्गत प्राप्तियां, रुपए 48 हज़ार 661 करोड़ अनुमानित हैं।वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए प्रदेश के स्वयं के कर राजस्व एवं गैर कर राजस्व में, वर्ष 2024-25 के बजट अनुमान की तुलना में लगभग 6.4 प्रतिशत अधिक होने का अनुमान है।राजस्व प्राप्तियों का वर्ष 2024-25 का बजट अनुमान रुपए 2 लाख 63 हज़ार 344 करोड़ रहा है, जिसमें रुपए 27 हज़ार 535 करोड़ की वृ?द्धि कर वर्ष 2025-26 के

लिये रुपए 2 लाख 90 हज़ार 879 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है। वर्ष 2025-26 के लिये कुल विनियोग की राशि रुपए 4 लाख 21 हज़ार 32 करोड़, राजस्व व्यय रुपए 2 लाख 90 हज़ार 261 करोड़ तथा पूंजीगत परिव्यय रुपए 85 हज़ार 76 करोड़ प्रस्तावित है। सामाजिक, आर्थिक उत्थान की योजनाओं के लिये वर्ष 2025-26 के लिये समग्र रूप से बजट अनुमान रुपए 2 लाख 01 हज़ार 282 करोड़ है। मुख्य शीर्षवार बजट अनुमान खण्ड-1 में उपलब्ध है। वर्ष 2024-25 का कुल व्यय बजट अनुमान रुपए 3 लाख 26 हज़ार 383 करोड़ का है, जिसमें रुपए 48 हज़ार 954 करोड़ की वृद्धि कर वर्ष 2025-26 के लिये रुपए 3 लाख 75 हज़ार 337 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है।

ब्लास्ट, फायरिंग और... ट्रेन से भागे पाकिस्तानियों ने बलूचों पर किया तगड़ा खुलासा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। बलूच विद्रोहियों ने बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा से खैबर पख्तूनवा के पेशावर जा रही एक ट्रेन को हाईजैक कर लिया। ये ट्रेन अभी भी बलूच लिबरेशन आर्मी के कब्जे में है। हाईजैक हुई जाफर एक्सप्रेस में अभी भी 100 से ज्यादा बंधक हैं। जिनमें से सभी लगभग पाकिस्तानी सेना, पुलिस और आईएसआई के अधिकारी हैं। बलूच लिबरेशन आर्मी ने इस ट्रेन को राजधानी क्वेटा से 160 किलोमीटर दूर सिबी शहर के पहाड़ी इलाके में खड़ा कर रखा है। ये बलूचिस्तान का दुर्गम पहाड़ी इलाका है। यहां तक नेटवर्क तक नहीं आता, जिसकी वजह से पाकिस्तान की वायु सेना भी कुछ नहीं कर पा रही। बताया जा रहा है कि बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी के लड़ाकों ने ट्रेन में

कुछ ऐसा किया है, जिसकी उम्मीद किसी को नहीं थी। बलूच विद्रोहियों ने बताया है कि उन्होंने पाकिस्तान के 30 सैनिकों को मार दिया है, लेकिन 104 नागरिकों को रिहा कर दिया है। जिनमें महिला, बच्चें और पुरुष शामिल हैं। बलूच विद्रोहियों ने जिन पाकिस्तानियों को रिहा किया है। उनके बयान अब सामने आए हैं।

यूक्रेन 30 दिन के युद्ध विराम पर राजी, अब ट्रंप-पुतिन के बीच फोन कॉल पर होगी बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा यूक्रेन के साथ सैन्य सहायता और खुफिया जानकारी साझा करने को फिर से शुरू करने के एक दिन बाद, रूस ने कहा कि यदि आवश्यक हो तो राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बीच एक फोन कॉल पर जल्द ही बात हो सकती है। राज्य द्वारा संचालित टीएएसएस समाचार एजेंसी के अनुसार, क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि अमेरिका-यूक्रेन वार्ता के बाद उच्च-स्तरीय बातचीत का विचार सामने आ सकता है और मॉस्को और वाशिंगटन के बीच बातचीत के मौजूदा चैनल कम समय में इस तरह की बातचीत की सुविधा प्रदान कर सकते हैं। पेसकोव ने कहा कि हम इस बात से इंकार नहीं करते हैं कि उच्चतम स्तर पर कॉल का विषय उठ सकता है। यदि ऐसी आवश्यकता उभरती है, तो इसे बहुत जल्दी व्यवस्थित किया जाएगा।

30 दिन के युद्ध विराम के लिए अमेरिकी प्रस्ताव का समर्थन

यह बयान कीव द्वारा मॉस्को की स्वीकृति के इंतजार में चल रहे संघर्ष में 30 दिन के युद्ध विराम के लिए अमेरिकी प्रस्ताव का समर्थन करने के बाद नए कूटनीतिक गति के बीच आया है। यह घटनाक्रम सऊदी अरब में महत्वपूर्ण वार्ता के बाद हुआ, जहां दोनों पक्षों ने अस्थायी रूप से तनाव कम करने के लिए सतर्क खुलेपन का संकेत दिया। ट्रम्प प्रशासन ने मंगलवार को यूक्रेन के साथ सैन्य सहायता और खुफिया सहयोग पर निलंबन हटा दिया, इस कदम को व्यापक युद्ध विराम चर्चाओं से पहले संभावित विश्वास-निर्माण संकेत के रूप में देखा गया।

जनवरी से अब तक ट्रंप और पुतिन ने एक बार बात की

पेसकोव ने यह भी याद दिलाया कि 20 जनवरी को नए अमेरिकी प्रशासन के सत्ता में आने के बाद से ट्रंप और पुतिन ने सिर्फ़ एक बार बात की है। 12 फ़रवरी को हुई उस बातचीत में यूक्रेन संघर्ष, द्विपक्षीय संबंधों और संभावित आमने-सामने की शिखर वार्ता पर चर्चा हुई थी। हालाँकि, नई कॉल के संभावित समय या एजेंडे के बारे में कोई और जानकारी नहीं दी गई, लेकिन क्रेमलिन की तत्परता इस बात का संकेत है कि मॉस्को युद्ध के मैदान और अंतरराष्ट्रीय वार्ता में बदलती स्थितियों के बीच कूटनीतिक बैकचैनल को खुला रख रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रंग बिरंगी होती है राजस्थान में होली

(लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा)

(13-14 मार्च होली पर विशेष)

होली का त्यौहार हर साल पूरे भारत में बड़े ही उत्साह के साथ मनाया जाता है। राजस्थान में भी ठीक उसी तरह होली मनाई जाती है। होली जिसे मूल रूप से 'होलिका' के नाम से जाना जाता है। केवल एक आधुनिक उत्सव नहीं है बल्कि भारतीय संस्कृति में गहराई से अंतर्निहित एक सदियों पुरानी परंपरा है। इसके शुरुआती संदर्भ जैमिनी के पूर्वमीमांसा-सूत्र और कथक-गृह्य-सूत्र जैसे प्राचीन धार्मिक कार्यों में पाए जा सकते हैं। ऐसा माना जाता है कि होली आर्य सभ्यता में मनाई जाती थी।

होली वसंत ऋतु की शुरुआत को चिह्नित करने के लिए मनाया जाता है। होली महोत्सव की विशिष्ट तिथि हर साल अलग-अलग हो सकती है, क्योंकि यह हिंदू कैलेंडर में फागुन महीने की पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है। होली के अवसर पर राजस्थान के विभिन्न शहरों में कई तरह के आयोजन किए जाते हैं। राजस्थान में होली के विविध रंग देखने में आते हैं। होली के दिनों में जयपुर के इष्टदेव गोविंद देव मंदिर में नजारा देखने लायक होता है। राजस्थान के मंदिरों में होली पर रंग-गुलाल के साथ फाग उत्सव का आयोजन किया जाता है।

बीकानेरी होली का सबसे आकर्षण का केन्द्र होता है पुष्करणा समाज के हर्ष व व्यास जाति के बीच खेला जाने वाला डोलची। पानी का खेल डोलची चमड़े से बना एक ऐसा पात्र है जिसमे पानी भरा जाता है व जोरदार प्रहार के साथ सामने बाले की पीठ पर इस पानी को मारा जाता है। बाड़मेर में पत्थर मार होली खेली जाती है तो अजमेर में कोड़ा अथवा सांतमार होली लोग बहुत धूम-धाम से मनाते हैं। हाड़ोती क्षेत्र के सांगोद कस्बे में होली के अवसर पर नए हिजड़ों को हिजड़ों की जमात में शामिल किया जाता है। इस अवसर पर बाजार का न्हाण और खाड़े का न्हाण नामक लोकोत्सवों का आयोजन होता है। खाडे के न्हाण में जम कर अश्लील भाषा का प्रयोग किया जाता है।

भरतपुर के ब्रजांचल में फाल्गुन का आगमन कोई साधारण बात नहीं है। ब्रज के गांव की चौपालों पर ब्रजवासी ग्रामीण अपने लोकवाद्य बम के साथ अपने ढप, ढोल और झांझ बजाते हुए रसिया गाते हैं। डीग क्षेत्र की ग्रामीण महिलाएं अपने सिर पर भारी भरकम चरकुला रखकर उस पर जलते दीपकों के साथ नृत्य करती हैं। संपूर्ण ब्रज में इस तरह आनंद की अमृत वर्षा होती है। यह परम्परा ब्रज की धरोहर है। बरसाने, नंदगांव, कामां, डीग आदि स्थानों पर ब्रज की लठमार होली की परम्परा आज भी यहां की संस्कृति को पुष्ट करती है। चैत्र कृष्ण द्वितीया को दाऊजी का हुरंगा भी प्रसिद्ध है। ब्रह्मानगरी पुष्कर की कपड़ा फाड़ होली ने देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी अपनी धाक जमा ली है। यहां विदेशी सैलानियों के साथ स्थानीय और देशी पर्यटक बड़ी धूमधाम के साथ होली खेलते हैं और एक दूसरे के कपड़े भी फाड़ते हैं। मेवाड अंचल के भीलवाड़ा जिले के बरून्दनी गांव में होली के सात दिन बाद शीतला सप्तमी पर खेली जाने वाली लठमार होली का अपना एक अलग ही मजा रहा है। माहेश्वरी समाज के स्त्री-पुरूष यह होली खेलते हैं। डोलचियों में पानी भरकर पुरूष महिलाओं पर डालते हैं और महिलाएं लाठियों से उन्हें पीटती हैं। यहां होली के बाद बादशाह की सवारी निकाली जातीहैं।वहीं शीतला सप्तमी पर चित्तौड़गढ़ वालों की हवेली से मुर्दे की सवारी निकाली जाती है। इसमें लकड़ी की सीढी बनाई जाती है और जिंदा व्यक्ति को उस पर लिटाकर अर्थी पूरे बाजार में निकालते हैं। इस दौरान युवा इस अर्थी को लेकर पूरे शहर में घूमते हैं। लोग इन्हें रंगों से नहला देते हैं।

राज्य के डूंगरपुर जिले की होली सबसे अनोखी मानी जाती है।यहां वांगड़वासी होली के एक महीने पहले ही तैयारियों में जुट जाते हैं और होली के खुमार में मस्त हो जाते है। होली के दिन जिले के कोकापुर गांव में लोग होलिका के दहकते अंगारों पर नंगे पांव चलने की परंपरा आज भी निभाते है। लोगों का मानना है कि होलिका दहन के अंगारों पर चलने से घर में कोई भी विपदा नहीं आती है। डूंगरपुर के भीलूड़ा में पिछले 200 साल से धुलंडी पर लोग पत्थरमार होली खेल रहे है। लोग रंगों के स्थान पर पत्थर बरसा कर खून बहाने को होली के दिन शगुन मानते है। इस दिन भारी संख्या में लोग रघुनाथ मंदिर परिसर में दो टोलियों बनाकर एक दूसरे पर पत्थर बरसाना शुरू कर देते है। इस खेल में घायल लोगों को तुरंत अस्पताल में भर्ती करवाया जाता है। इसके अलावा मथुरा के लगता जिला होने के चलते भरतपुर और करौली के नंदगाव में लोग आज भी लट्ठमार होली खेलते है।

शेखावाटी की होली पूरे देश में प्रसिद्ध है। फाल्गुन में सांझ ढलते ही धमाल सुनाई देने लगे हैं। चंग की थाप पर पांव थिरकने लगे हैं और बांसुरी की सुरीली आवाज कानों में मिश्री घोलने लगी है। होली नजदीक आने पर शेखावाटी में अंचल के गांव-गांव और ढाणी-ढाणी में ऐसा माहौल देखने को मिल रहा है। उमंग व मस्ती भरे पर्व होली की शुरुआत तब होती है, जबकि बसन्त अपने पूर्ण यौवन पर होता है और बांसुरी की मदहोश करती धुनें और चंग की थाप पर मानव का मन-मयूर नाचने लगता है। होली नजदीक आने पर शेखावाटी में अंचल के गांव-गांव और ढाणी-ढाणी में ऐसा माहौल देखने को मिल रहा है।

शेखावाटी में होली के अवसर पर बजाया जाने वाला चंग भी इसी क्षेत्र में ही विशेष रूप से बनाया जाता है। चंग की आवाज तो ढोलक की माफिक ही होती है, मगर बनावट ढोलक से सर्वथा भिन्न। चंग ढोलक से काफी बड़ा व गोल घेरे नुमा होता है। होली के प्रारम्भ होते ही गांवों में लोग अपने-अपने चंग (ढप) संभालने लगते हैं। होली चूंकि बसंत ऋतु का प्रमुख पर्व है तथा बसंत पंचमी बसंत ऋतु प्रारम्भ होने की द्योतक है। इसलिए इस अंचल में बसंत पंचमी के दिन से चंग (ढप) बजाकर होली के पर्व की विधिवत शुरुआत कर दी जाती है। क्षेत्र में होली के पर्व पर चंग की धुन पर गाई जाने वाली धमालों में यहां की लोक संस्कृति का ही वर्णन होता है।

शेखावाटी अंचल में होली पर कस्वों में विशेष रूप से गींदड़ नृत्य किया जाता है। गुजराती नृत्य गरवा से मिलता-जुलता गींदड़ नृत्य में काफी लोग विभिन्न प्रकार की चिताकर्षक वेशभूषा में नंगाड़े की आवाज पर एक गोल घेरे में हाथ में डंडे लिए घूमते हुए नाचते हैं तथा आपस में डंडे टकराते हैं। प्रारम्भ में धीरे-धीरे शुरू हुआ यह नृत्य धीरे-धीरे रफ्तार पकड़ता जाता है। इसी रफ्तार में डंडों की आवाज भी टकरा कर काफी तेज गति से आती है तथा नृत्य व आवाज का एक अद्भुत दृश्य उत्पन्न हो जाता है।

लोगों का कहना है कि अगर होली के त्यौहार से लोक वाद्य चंग और धमाल को निकाल दिया जाये तो होली का त्यौहार बेजान हो जायेगा। ग्रामीण चंग और धमाल को होली पर्व की आत्मा मानते है। आज ये परम्परा धीरे धीरे लुप्त होती जा रही है। पहले यहां होली का त्योहार प्यार के साथ मनाया जाता था, सब साथ मिलकर चंग पर धमाल गाते थे लेकिन आजकल वो सब खत्म सा हो गया है। क्षेत्र में बढ़ते शराब के प्रचलन के कारण लोग रात्रि में घरों से बाहर निकलने से डरने लगे हैं तथा गांवों में भी पहले की तरह सामंजस्य नहीं रहा। इसके अलावा ऑडियो कैसेटों के बढ़ते प्रचलन से भी इस लोक पर्व को कृत्रिम सा बना दिया है। कैसेटों की वजह से पर्व की मौलिकता ही समाप्त होने जा रही है। यदि समय रहते होली पर व्याप्त हो रही कुरीतियों व शराब के चलन की समाप्ति का प्रयास नहीं किया गया तो यह पर्व अपना मूल रूप खो बैठेगा।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार है।)

बीकानेरी होली का सबसे आकर्षण का केन्द्र होता है पुष्करणा समाज के हर्ष व व्यास जाति के बीच खेला जाने वाला डोलची। पानी का खेल डोलची चमड़े से बना एक ऐसा पात्र है जिसमे पानी भरा जाता है व जोरदार प्रहार के साथ सामने बाले की पीठ पर इस पानी को मारा जाता है। बाड़मेर में पत्थर मार होली खेली जाती है तो अजमेर में कोड़ा अथवा सांतमार होली लोग बहुत धूम-धाम से मनाते हैं। हाड़ोती क्षेत्र के सांगोद कस्बे में होली के अवसर पर नए हिजड़ों को हिजड़ों की जमात में शामिल किया जाता है। इस अवसर पर बाजार का न्हाण और खाड़े का न्हाण नामक लोकोत्सवों का आयोजन होता है।

संपादकीय

नफरती मंसूबे

अलगाववादियों के एजेंडे को लेकर पश्चिमी देशों की सरकारों के प्रश्रय से मुखर हुए कुछ अराजक तत्वों द्वारा अमेरिका में कैलिफोर्निया स्थित स्वामी नारायण मंदिर पर हमला करना दुर्भाग्यपूर्ण ही है। वहां आपत्तिजनक संदेश लिखकर मंदिर को क्षति पहुंचायी गई। इससे पहले भी आतंक फैलाने की मंशा से मंदिरों पर हमले होते रहे हैं। जाहिर है ऐसे आपराधिक तत्वों की मंशा आतंक फैलाना ही है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने इस तरह की कुत्सित कोशिशों की निंदा की है, लेकिन अमेरिकी सरकार द्वारा ऐसे मामलों की अनदेखी और दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई न करना दुर्भाग्यपूर्ण ही है। दरअसल, पृथकतावादी तत्व हिंदुओं के खिलाफ विष वमन करके अपनी राजनीति चमकाना चाहते हैं। भारतीय संस्कृति के अंग-संग रहने वाले समाज को विभाजित करके घृणा का कारोबार करने वाले तत्वों को बेनकाब करने की जरूरत है। विडंबना यह है कि अमेरिका, ब्रिटेन व कनाडा में सक्रिय ऐसे तत्वों को इन देशों की सरकारों द्वारा अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर प्रश्रय दिया जाता है। सवाल यह उठता है कि जब ऐसी आजादी किसी सभ्य समाज के अहसासों से खिलवाड़ करे और दूसरों की धार्मिक आजादी का अतिक्रमण करने लगे तो क्या उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं करनी चाहिए? दरअसल,ये घटनाक्रम इन देशों के दोगले मापदंड उजागर करते हैं। दूसरे देशों में सांप्रदायिक असहिष्णुता और कथित भेदभाव के आंकड़े जारी करके दबाव बनाने वाले तथाकथित सभ्य देश अपने क्रियाकलापों से बेनकाब हो रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका में करीब एक दर्जन मंदिरों को अपवित्र करने की कुत्सित कोशिश हुई, लेकिन ऐसे तत्वों के खिलाफ दिखावे के लिये भी कार्रवाई नहीं की गई। किसी हमले की जांच भी नहीं हुई। जबकि प्रत्येक संप्रदाय की धार्मिक आजादी की रक्षा करना अमेरिकी सरकार का नैतिक दायित्व है। आखिर मंदिरों को सुरक्षा क्यों नहीं मुहैया करायी जाती। बीते साल भी कनाडा में हिंदू महासभा के मंदिर में हमला करके बच्चों व महिलाओं तक को पीटा गया था। लेकिन ट्रूडो सरकार खामोश रही। विडंबना यह है कि अमेरिका,ब्रिटेन व कनाडा की सरकारें ऐसे हमलों व मंदिरों को अपवित्र करने की घटनाओं को अभिव्यक्ति की आजादी के दायरे में रखकर आंखें मूंद लेती हैं। लेकिन जब दूसरे देशों में उनके धर्म के लोगों के पूजा स्थलों पर हमले होते हैं तो उसे धार्मिक आजादी व मानवाधिकारों का संकट बताने लगते हैं। निश्चित रूप से ऐसे ही रवैये से भारत के साथ इन देशों के संबंधों में खटास ही आएगी। ऐसे ही अलगाववादियों के कृत्यों व कनाडा सरकार के अलगाववादियों को संरक्षण देने के चलते ही दोनों देशों के संबंध सबसे खराब दौर में पहुंचे हैं। पिछले साल हिंदू महासभा के मंदिर परिसर में मंदिर प्रशासन व भारतीय उच्चायोग द्वारा लगाए गए वीजा शिविर को निशाना बनाया गया था। अभी हाल ही में ब्रिटेन में विदेश मंत्री जयशंकर के काफिले को खालिस्तान समर्थकों ने निशाना बनाया था। इससे पहले दो वर्ष पूर्व भी पृथकतावादियों ने भारतीय उच्चायोग परिसर में घुसकर तिरंगा निकाल दिया था। तब भी भारत सरकार ने ब्रिटेन की सरकार से कड़ा प्रतिवाद किया था।

रासायनिक रंगों से बचें, प्राकृतिक रंगों को अपनाएं

(लेखक- योगेश कुमार गोयल)

(होली पर विशेष)

रंगों के त्यौहार होली पर भला कौन ऐसा व्यक्ति होगा, जो आपसी द्वेषभाव भुलाकर रंग-बिरंगे रंगों में रंग जाना नहीं चाहेगा। लोग एक-दूसरे पर रंग डालकर, गुलाल लगाकर अपनी खुशी का इजहार करते हैं लेकिन होली के दिन प्राकृतिक रंगों के बजाय चटकीले रासायनिक रंगों का बढ़ता उपयोग चिंता का सबब बनने लगा है। ज्यादातर रंग अम्लीय अथवा क्षारीय होते हैं, जो व्यावसायिक उद्देश्य से ही तैयार किए जाते हैं और थोड़ी सी मात्रा में पानी में मिलाने पर भी बहुत चटक रंग देते हैं, जिससे होली पर इनका उपयोग अंधाधुंध होता है। ऐसे रंगों का त्वचा पर बहुत हानिकारक प्रभाव पड़ता है। शुष्क त्वचा वाले लोगों और खासकर महिलाओं व बच्चों की कोमल त्वचा पर तो इन रंगों का सर्वाधिक दुष्प्रभाव पड़ता है। अम्ल तथा क्षार के प्रभाव से त्वचा पर खुजलाहट होने लगती है और कुछ समय बाद छोटे-छोटे सफेद रंग के दाने त्वचा पर उभरने शुरू हो जाते हैं, जिनमें मवाद भरा होता है। यदि तुरंत इसका सही उपचार कर लिया जाए तो ठीक, अन्यथा त्वचा संबंधी गंभीर बीमारियां भी पनप सकती हैं। घटिया क्वालिटी के बाजारू रंगों से एलर्जी, चर्म रोग, जलन, आंखों को नुकसान, सिरदर्द इत्यादि विभिन्न हानियां हो सकती हैं। कई बार होली पर बरती जाने वाली छोटी-छोटी असावधानियां भी जिंदगी भर का दर्द दे जाती हैं। इसलिए अगर आप अपनी होली को खुशनुमा और यादगार बनाना चाहते हैं तो इन बातों पर अवश्य ध्यान दें--

- रासायनिक रंगों के स्थान पर प्राकृतिक रंगों का ही इस्तेमाल करें। ज्यादातर बाजारू रंगों में इंजन ऑयल तथा विभिन्न घातक केमिकल मिले होते हैं, जिनका त्वचा पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ता है।
- होली खेलने से पहले चेहरे तथा पूरे शरीर पर सरसों अथवा नारियल का तेल या कोल्ड क्रीम अथवा सनस्क्रीन क्रीम लगा लें ताकि रोमछिद्र बंद हो जाएं और रंग त्वचा के ऊपरी हिस्से पर ही रह जाएं। इससे होली खेलने के बाद त्वचा से रंग छुड़ाने में भी आसानी होगी।
- होली खेलने से पहले बालों में अच्छी तरह तेल लगा लें और नाखूनों पर कैस्टर ऑयल लगाएं ताकि बाद में रंग आसानी से छुड़ाया जा सके।
- होली खेलने जाने से पूर्व आंखों में गुलाब जल डालें और जहां तक संभव हो, आंखों पर चश्मा लगाकर होली खेलें ताकि रंगों का असर आंखों पर न पड़ सके।
- महिलाएं होली खेलते समय मोटे तथा ढ़ीले-ढ़ाले सूती तथा गहरे रंग के वस्त्र पहनें। सफेद अथवा हल्के रंग के वस्त्र पानी में भीगकर शरीर से चिपक जाते हैं, जिससे

सार्वजनिक रूप से महिला को शर्मिन्दगी का सामना करना पड़ सकता है।
- आप ऐसा व्यवहार हरगिज न करें, जिससे आपके रिश्तेदारों, पति के मित्रों अथवा अन्य पुरूषों को आपसे छेड़छाड़ करने का अनुचित अवसर मिल सके। अपना व्यवहार पूर्णतः संयमित, शालीन और मर्यादित रखें और सामने वाले की कोई गलत हरकत देखने के बाद भी उस पर मौन साधकर उसे और आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित न करें।
- होली खेलने के तुरंत बाद स्नान अवश्य करें लेकिन त्वचा से रंग छुड़ाने के लिए कपड़े धोने के साबुन, मिट्टी के तेल, चूने के पानी, दही, हल्दी इत्यादि का प्रयोग हानिकारक है। चेहरे पर लगे गुलाल को सूखे कपड़े से अच्छी तरह पोंछ लें और रंग लगा हो तो नारियल तेल में रूई डुबोकर अथवा क्लींजिंग मिल्क से हल्के हाथ से त्वचा पर लगा रंग साफ करें। रंग छुड़ाने के लिए नहाने के पानी में थोड़ी सी फिटकरी डाल लें और ठंडे पानी से ही स्नान करें। गर्म पानी से रंग और भी पक्के हो जाते हैं। डिटर्जेंट सोप के बजाय नहाने के अच्छी क्वालिटी के साबुन का उपयोग किया जा सकता है।
- स्नान के बाद भी त्वचा पर खुजली या जलन महसूस हो तो गुलाब जल में ग्लिसरीन मिलाकर लगाएं।
- बालों से रंग छुड़ाने के लिए बालों को शैम्पू करें।
- स्नान के बाद आंखों में गुलाब जल डालें। होली खेलते समय यदि आंखों में रंग चला जाए अथवा आंखों में जलन महसूस हो तो आंखों को मलें नहीं बल्कि तुरंत नेत्र विशेषज्ञ से मिलें।

(लेखक 35 वर्षों से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

(चिंतन-मनन)

जीव परमेश्वर की परा शक्ति

जीव परमेश्वर की परा प्रकृति (शक्ति) है। अपरा शक्ति तो पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश, मन, बुद्धि तथा अहंकार जैसे विभिन्न तत्वों के रूप में प्रकट होती है। भौतिक प्रकृति के ये दोनों रूप-स्थूल (पृथ्वी आदि) तथा सूक्ष्म (मन आदि) अपरा शक्ति के ही प्रतिफल हैं। जीव जो अपने विभिन्न कार्य के लिए अपरा शक्तियों का विदोहन करता रहता है, स्वयं परमेश्वर की परा शक्ति है और यह वही शक्ति है जिसके कारण सारा संसार कार्यशील है। इस दृश्य जगत में कार्य करने की तब तक शक्ति नहीं आती, जब तक परा शक्ति अर्थात जीव द्वारा यह गतिशील नहीं बनाया जाता। शक्ति का नियंत्रण सदैव शक्तिमान करता है, अतः जीव सदैव भगवान द्वारा नियंत्रित होते हैं। जीवों का अपना कोई स्वतंत्र अस्तित्व नहीं है।

वे कभी भी सम शक्तिमान नहीं, जैसा कि बुद्धिहीन मनुष्य सोचते हैं। श्रीमद्भागवत में जीव तथा भगवान के अन्तर को इस प्रकार बताया गया है- 'ऽ'परम शात! यदि सारे देहधारी जीव आप ही की तरह शात एवं सर्वव्यापी होते तो वे आपके नियंत्रण में न होते। किन्तु यदि जीवों को आपकी सूक्ष्म शक्ति के रूप में मान लिया जाए, तब वे सभी आपके परम नियंत्रण में आ जाते हैं। अतः वास्तविक मुक्ति आपकी शरण में जाना है और इस शरणागति से वे सुखी होंगे।

परमेश्वर कृष्ण एकमात्र नियन्ता हैं और सारे जीव उन्हीं के द्वारा नियंत्रित हैं। सारे जीव उनकी पराशक्ति हैं, क्योंकि उनके गुण परमेश्वर के समान हैं, किन्तु वे शक्ति की मात्रा के विषय में समान नहीं हैं। स्थूल व सूक्ष्म अपरा शक्ति का उपभोग करते हुए परा शक्ति (जीव) को अपने वास्तविक मन तथा बुद्धि की विस्मृति हो जाती है। इसका कारण जीव पर जड़ प्रकृति का प्रभाव है। माया के प्रभाव में अहंकार सोचता है, मैं ही पदार्थ हूं और सारी भौतिक उपलब्धि मेरी है किंतु जब वह सारे भौतिक विचारों से मुक्त हो जाता है, तो उसे वास्तविक स्थिति प्राप्त होती है। गीता जीव को कृष्ण की अनेक शक्तियों में से एक मानती है और जब यह शक्ति भौतिक कल्मष से मुक्त हो जाती है, तो पूर्णतया कृष्णभावनाभावित या बंधनमुक्त हो जाती है।

विचार मंथन

80000 करोड़पतियों ने छोड़ी भारत की नागरिकता

(लेखक-सनत जैन)

भारतीय धन को विदेश में निवेश करने की होड़

भारत सरकार की गलत नीतियों के कारण पिछले कुछ वर्षों में 80000 से अधिक कारोबारी और पूंजीपति भारत छोड़कर विदेश की नागरिकता ले चुके हैं। भारत से गए लोग विदेशी नागरिकता के साथ-साथ भारतीय धन को विदेशी मुद्रा के रूप में विदेश में निवेश कर रहे हैं। 2023 में भारतीय निवेशकों ने दुनिया के देशों में 7.07 बिलियन डॉलर का निवेश किया था। 2024 में बढ़कर यह 11.05 बिलियन डॉलर हो गया है। भारतीय कारोबारी और पूंजीपति भारत छोड़कर विदेश में बस रहे हैं। इस पर सरकार का कोई ध्यान नहीं है। भारत में लगभग 2.50 लाख अरबपति थे। इनमें से 80000 भारत से बाल - बच्चों के साथ पलायन कर चुके हैं। इसके बाद भी सरकार ने अपनी तरफ से कोई चिंता नहीं की। इतने बड़े पैमाने में लोग भारत छोड़कर क्यों जा रहे हैं। अमेरिका में एच 1 वीजा लेने की हमेशा होड़ लगी रहती है। हाल ही में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 200 करोड रुपए निवेश करने वाले अरबपतियों को अमेरिका का गोल्ड कार्ड जारी करने की बात कही है। गोल्ड कार्ड से अमेरिका की स्थाई नागरिकता मिलेगी। एक और अमेरिका भारत के अरबपतियों को नागरिकता देने के लिए तैयार है। वहीं भारत से जो गरीब नौकरी और रोजगार के लिए वहां पर गए हुए हैं। उनके वीजा को निरस्त करके उन्हें भारत वापस भेजने की तैयारी कर रहा है। ऐसे लोगो की संख्या 7.50 लाख से ज्यादा है। रोजगार और नौकरी की तलाश में जो भारतीय गैर कानूनी तरीके से वहां गए थे। अमेरिका की सरकार उन्हें हथकड़ी लगाकर उन्हें भारत वापस भेज रहा है। ऐसा क्यों हो रहा है, भारत सरकार इसको जानने की जहमत भी नहीं उठा रही है भारत की पूंजी विदेश में निवेश हो रही है। विदेशी निवेशकों ने भारत में जो निवेश किया था, वह मुनाफा वसूली के साथ भारतीय बाजार से कमाई करके विदेश ले जा रहे हैं। जिसके कारण भारत का शेयर बाजार और अर्थव्यवस्था बुरी तरह से गड़बड़ा गई है। भारत में अडानी - अंबानी और कुछ चुनिंदा उद्योगपतियों के लिए भारत में अलग कानून हैं। सरकार उनके ऊपर हर तरह से मेहरबान है। पिछले 10 वर्षों में मध्य - उच्च वर्ग के लोग भारत से अपना कारोबार बंद करके विदेश की नागरिकता ले रहे हैं। वहॉ पर करोणों - अरबों रुपया निवेश कर कारोबार कर रहें हैं। 2014 के बाद से भारतीय न्यायपालिका में जो निर्णय आ रहे हैं। वह सरकार के पक्ष में आ रहे हैं। अडानी-अंबानी के पक्ष में सारे निर्णय होते हुए दिख रहे हैं। सरकार की कार्यवाही के विरोध में जो भी लोग न्यायपालिका की शरण में गये, उन्हें न्यायपालिका से राहत नहीं मिली। जिस तरह से ईडी, सीबीआई, आयकर विभाग, जीएसटी और संवैधानिक संस्थाओं के प्रति न्यायपालिका का जो रुख रहा है। उससे भारतीय कारोबारियों एवं नागरिकों में निराशा फैली। जिस तरह से जांच एजेंसियों ने डर और भय का माहौल बनाया है। मीडिया को जिस तरह से रौंदा गया। एनडीटीवी जैसा चैनल सरकार और न्यायपालिका से न्याय की आस में गुहार लगाता रहा, न्याय तो मिला नहीं, उल्टे शेयर बाजार की नियामक संस्था सेबी ने एनडीटीवी के खिलाफ कार्यवाही कर अडानी के पक्ष में फैसला कर दिया। इस कार्यवाही से यह संदेश गया, भारत में मीडिया स्वतंत्र नहीं है। इसके बाद भारत में डर और भय का बड़ी तेजी के साथ माहौल बना। रही - सही कसर चुनाव आयोग ने पूरी कर दी है। जिसके कारण भारतीय उद्योगपति और कारोबारी भारत छोड़कर विदेश की नागरिकता लेने लगे। इससे भारत को दोहरा नुकसान हो रहा है। भारत की पूंजी विदेश में निवेश हो रही है। भारतीय अरबपति नागरिक विदेश में शरण ले रहे हैं। गरीब और मध्यम वर्ग के रोजगार समाप्त होतें जा रहे हैं। देश में बेरोजगारी बड़ी तेजी के साथ फैल रही है। रही - सही कसर कर्ज ने पूरी कर दी है। आम आदमियों के सिर पर इतना कर्जा हो गया है, वह किस्त नहीं चुका पा रहा है। अपने घर का खर्च और बच्चों की पढ़ाई का खर्च भी पूरी नहीं कर पा रहे हैं। इससे ज्यादा भयानक स्थिति क्या हो सकती है। रूस और यूक्रेन के बीच में युद्ध चल रहा है। इजराइल और फिलीस्तीन के बीच युद्ध चल रहा है। युद्ध के बीच भारत के लोग मजदूरी करने के लिए रूस यूक्रेन इजराइल इत्यादि देशों में जा रहे हैं। केंद्र सरकार मनी बिल के रूप में मनचाहे नियम बना रही है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आयात में नहीं हुई बढ़ोत्तरी....खाने के तेल के बढ़ सकते हैं दाम

नई दिल्ली । भारत में खाने के तेल का आयात फरवरी में चार साल के निचले स्तर पर पहुंच गया है। रिपोर्ट के मुताबिक सोयाबीन और सूरजमुखी तेल के आयात में कमी की वजह से ऐसा हुआ है। इंडस्ट्री के एक प्रमुख संगठन सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) ने इसकी जानकारी दी। इससे देश में खाने के तेल का स्टॉक तीन साल के सबसे कम स्तर पर पहुंच गया है। भारत दुनिया में खाने के तेल का सबसे बड़ा खरीदार है। लगातार दूसरे महीने कम आयात होने से देश में इसका स्टॉक कम हुआ है। इससे भारत को आने वाले महीनों में और ज्यादा तेल खरीदना पड़ सकता है। इससे मलेशियाई पाम तेल और अमेरिकी सोया तेल की कीमतों में बढ़ोतरी हो सकती है। एसईए के मुताबिक फरवरी में भारत का पाम तेल आयात जनवरी की तुलना में 35.7 प्रतिशत बढ़कर 373,549 मीट्रिक टन हो गया। अक्टूबर 2024 में खत्म हुए मार्केटिंग वर्ष में भारत ने हर महीने औसतन 750,000 टन से ज्यादा पाम तेल आयात किया। फरवरी में सोया तेल का आयात 36 प्रतिशत घटकर 283,737 टन और सूरजमुखी तेल का आयात 20.8 प्रतिशत घटकर 228,275 टन रह गया। सोया और सूरजमुखी तेल की कम खेप की वजह से पिछले महीने देश का कुल खाने के तेल का इंपोर्ट 12 प्रतिशत घटकर 899,565 टन रह गया। यह फरवरी 2021 के बाद से सबसे कम है। भारत में खाने के तेल का स्टॉक एक महीने पहले की तुलना में 14 प्रतिशत घटकर 1 मार्च को 1.87 मिलियन टन रह गया जो तीन साल से भी ज्यादा समय में सबसे कम है। अगर आयात में बढ़ोतरी नहीं होने पर आने वाले दिनों में खाने के तेल की कीमत में तेजी आ सकती है। भारत ज्यादातर पाम तेल इंडोनेशिया, मलेशिया और थाईलैंड से खरीदता है। वहीं सोया और सूरजमुखी तेल अर्जेंटीना, ब्राजील, रूस और यूक्रेन से आता है।

वारी रिन्यूएबल टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को मिला बड़ा प्रोजेक्ट, कंपनी जल्द शुरु करेगी काम

-लागत 740 करोड़ रुपए, प्रोजेक्ट 18 महीनों के अंदर करना होगा पूरा

नई दिल्ली। वारी रिन्यूएबल टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने बड़ी सफलता हासिल की है। मंगलवार को कंपनी ने बताया कि उसे एक 125 एमडब्ल्यूएसी (181.3 एमडब्ल्ध्यूवी डीसी) सोलर पावर प्रोजेक्ट के इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन (ईपीसी) कॉन्ट्रैक्ट के लिए लेटर ऑफ अवार्ड (एलओए) मिला है। यह परियोजना तीन कंपनियों के एक संयुक्त समूह को सौंपी गई है, जिसमें वारी रिन्यूएबल टेक्नोलॉजीज भी शामिल है। कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंज को दी फाइलिंग में बताया कि यह प्रोजेक्ट टर्नकी बेसिस पर तैयार किया जाएगा, जिसका मतलब है कि इसे पूरी तरह से तैयार करके सौंपा जाएगा। इसके साथ ही ऑपरेशन और मेंटेनेंस का काम भी कॉन्ट्रैक्ट का हिस्सा होगी। कंपनी को यह ठेका एक प्रमुख पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी की ओर से मिला है। इस परियोजना की कुल लागत करीब 740.06 करोड़ रुपए होगी, जिसमें टैक्स भी शामिल है। यह प्रोजेक्ट संविदा साइन होने के 18 महीनों के अंदर पूरा करना होगा। कंपनी ने यह भी बताया कि समूह में शामिल कंपनियों के बीच जिम्मेदारियों का विस्तृत बंटवारा आगे तय किया जाएगा। फिलहाल वारी रिन्यूएबल इस प्रोजेक्ट को जल्द से जल्द शुरू करने की तैयारी कर रही है। यह पहली बार नहीं है जब वारी रिन्यूएबल टेक्नोलॉजीज को इतना बड़ा ऑर्डर मिला है। पिछले साल भी कंपनी को 2012.47 एमडब्ल्यूपी डीसी क्षमता के ग्राउंड माउंट सोलर पीवी प्रोजेक्ट के ईपीसी ठेके के लिए एक 'टर्म शीट' मिली थी। इस परियोजना की अनुमानित लागत करीब 12,333.5 करोड़ रुपए टैक्स को छोड़कर थी। यह ऑर्डर एक बड़े नवीकरणीय ऊर्जा प्रोजेक्ट के विकास और क्रियान्वयन के लिए दिया गया था। उस समय कंपनी ने बताया था कि इस परियोजना की समय-सीमा दोनों पक्षों के आपसी सहमति से तय की जाएगी। इस घोषणा के बाद भी मंगलवार को वारी रिन्यूएबल टेक्नोलॉजीज के शेयरों में गिरावट देखने को मिली। बीएसई पर कंपनी का शेयर 27 रुपए की गिरावट के साथ 802.85 पर बंद हुआ।

बिजनेसवुमैन के तौर पर सुपरहिट साबित हो रही लेडी सिंघम काजोल

मुंबई।

अभिनेत्री काजोल अब भले ही फिल्मों में उतना नहीं आती, लेकिन एक समय में काजोल ने बॉलीवुड पर राज किया था, उसी तरह अब वे बिजनेसवुमैन के तौर पर सुपरहिट निवेश कर रहीं हैं। रिपोर्ट के मुताबिक काजोल ने मुंबई के उपनगरों में एक और कमर्शियल प्रॉपर्टी खरीदी है। दस्तावेजों के अनुसार, काजोल ने 28.78 करोड़ रुपये की खुदरा संपत्ति खरीदी है। दस्तावेजों के मुताबिक काजोल विशाल देवगन ने मुंबई के गोरेगांव वेस्ट के प्रमुख इलाके में 28.78 करोड़ रुपये की कमर्शियल प्रॉपर्टी खरीदी है। यह सौदा 6 मार्च 2025 को अंतिम रूप दिया गया था और यह खरीद भारत एराइज, लिंकिंग रोड, बांगुर नगर, गोरेगांव वेस्ट, मुंबई के ग्राउंड फ्लोर की शॉप नंबर 2 के रूप में दर्ज हुई है।

इस डील को भारत रियल्टी वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ फाइनल किया गया, जिसमें अभिनेत्री ने 4,365 वर्ग फुट का बड़ा कमर्शियल स्पेस हासिल किया। इस प्रॉपर्टी की कुल कीमत 28.78 करोड़ रुपये है, इसमें 1.72 करोड़ रुपये की स्टांप ड्यूटी भी शामिल है। इस संपत्ति की प्रति वर्ग फुट कीमत 65,940 रुपये है, जो इस लोकेशन की प्रीमियम नेचर और हाई डिमांड को दिखाती है।

बात दें कि जुलाई 2023 में, काजोल ने अंधेरी वेस्ट के वीरा देसाई रोड पर स्थित ओशिवारा में 7.64 करोड़ रुपये की ऑफिस स्पेस भी खरीदी थी। दस्तावेजों के अनुसार, यह ऑफिस स्पेस 194.67 वर्ग मीटर में फैली हुई है और इस रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (रेरा) के तहत पंजीकृत किया गया था। इस क्षेत्र में कई बॉलीवुड सितारों और फिल्म निर्माताओं के ऑफिस स्थित हैं।

एसयूवी एलएक्स 500डी का अपडेटेड मॉडल लॉन्च

नई दिल्ली । भारतीय बाजार में कार निर्माता लेक्सस कंपनी ने अपनी फ्लैगशिप एसयूवी एलएक्स 500डी का अपडेटेड मॉडल लॉन्च कर दिया है। नई लेक्सस एलएक्स 500डी में दमदार 3.3-लीटर वी6 डीजल इंजन दिया गया है, जो 8 सेकंड में 0 से 100 किमी/घंटा की रफ्तार पकड़ सकता है। इसकी टॉप स्पीड 210 किमी/घंटा है।इसे दो वैरिएंट्स–अर्बन और ओवरटेल में पेश किया गया है। इसकी शुरुआती कीमत रुपए 3 करोड़ रखी गई है, जबकि ओवरटेल वैरिएंट की कीमत रुपए 3.12 करोड़ तय की गई है। इससे पहले इसकी कीमत रुपए 2.83 करोड़ थी, लेकिन अपडेट के बाद इसमें रुपए 17 लाख की बढ़ोतरी हो गई है। अर्बन वैरिएंट को शहरों में बेहतरीन ड्राइविंग अनुभव के लिए डिजाइन किया गया है, जबकि ओवरटेल वैरिएंट को ऑफ-रोडिंग के लिए तैयार किया गया है। ग्रिल, अलॉय व्हील्स और टायर डिजाइन में हल्के बदलाव किए गए हैं, जिससे एसयूवी को नया लुक मिलता है। सेफ्टी फीचर्स की बात करें तो इसमें अत्याधुनिक सेफ्टी सिस्टम 3.0 दिया गया है, जिसमें प्री-कोलिजन सिस्टम, अडेप्टिव क्रूज कंट्रोल, ब्लाइंड स्पॉट मॉनिटरिंग और सेफ्टी एग्जिट असिस्ट शामिल हैं। इसके अलावा, लंबी यात्राओं को और आरामदायक बनाने के लिए सीट मसाजर को भी अपग्रेड किया गया है।

रिलायंस ने स्पेसएक्स से किया समझौता, जियो यूजर्स को मिलेगी स्टारलिंक की सुविधा

नई दिल्ली।

देश में स्टारलिंक की सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस के लिए रिलायंस जियो ने एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स से हाथ मिलाया है। रिलायंस जियो ने बुधवार को ऐलान किया है कि कंपनी ने भारत में स्टारलिंक की सैटेलाइट इंटरनेट सेवाएं शुरू करने के लिए एलन मस्क की स्पेसएक्स के साथ साझेदारी के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इससे पहले भारती एयरटेल ने स्पेसएक्स के साथ यह करार किया था। जियो और स्पेसएक्स के बीच यह समझौता, दोनों कंपनियों को सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस प्रदान करने की इजाजत देता है। जियो अपने रिटेल आउटलेट और ऑनलाइन स्टोरफ्रंट दोनों के जरिए से स्टारलिंक सर्विस और सॉल्युशन उपलब्ध कराएगा। कंपनी अपने फिजिकल स्टोर में स्टारलिंक उपकरण पेश करने और कस्टमर केयर स्थापित करने की योजना बना रही है। जियो और स्पेसएक्स इस पार्टनरशिप के जरिए, भारत के ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में भरोसेमंद ब्रॉडबैंड सेवाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है। डेटा ट्रैफिक के मामले में दुनिया में सबसे बड़े मोबाइल ऑपरेटर के रूप में जियो अब स्टारलिंक की बेहतर सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस का फायदा उठाएगी और इसका लाभ जियो के करोड़ों यूजर्स को मिलेगा। स्पेसएक्स के साथ इस समझौते से रिलायंस जियो देशभर में सभी बिजनेस वेंचर, छोटे और मध्यम व्यवसायों व समुदायों को विश्वसनीय इंटरनेट उपलब्ध कराने की दिशा में काम कर रही है। स्टारलिंक सबसे चुनौतीपूर्ण स्थानों पर भी तेज और किफायती इंटरनेट उपलब्ध कराकर जियो एयरफाइबर और जियोफाइबर का पूरक बनेगा।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले-जुले संकेतों के साथ ही आईटी शेयरों में बिकवाली हावी रहने से आई हैं हालांकि निजी बैंकिंग शेयरों में बढ़त रही जिससे गिरावट पर कुछ हद तक अंकुश लगा। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 73 अंक करीब 0.1 फीसदी की हल्की गिरावट के साथ ही 74,030 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 27 अंकों की गिरावट के साथ 22,470 पर बंद हुआ। वहीं आज सुबह बाजार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई। सुबह सेंसेक्स 168 अंक की बढ़त लेकर 74,270.81 पर खुला। वहींनिफ्टी 39 अंक की चढ़कर 22,536 पर खुला। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीतियों को लेकर जारी अनिश्चितता और विदेशी संस्थागत निवेशकों के पैसा निकालने से भी बाजार पर दबाव आया। वहीं एशियाई बाजारों में आज बढ़त दर्ज की गई, जबकि वॉल स्ट्रीट अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ योजनाओं और संभावित मंदी की चिंताओं के बीच उतार-चढ़ाव भरा रहा।

जापान का निक्की इंडेक्स सपाट रहा पर हल्की गिरावट के संकेत दिखे, जबकि टॉपिक्स इंडेक्स 0.69 फीसदी बढ़ा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 1.18 फीसदी जबकि ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 इंडेक्स 1.6 फीसदी नीचे आया। दूसरी ओर अमेरिकी बाजारों में बिकवाली का दौर जारी है। अमेरिकी की अस्थिर व्यापार नीति का नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। डाउ जोंस लगभग 500 अंक गिरा, जिससे दो दिनों में इसकी कुल गिरावट 1,400 अंकों तक पहुंच गई जबकि एसएंडपी में 0.8 फीसदी की गिरावट आई। नैस्डैक हालांकि बेहतर प्रदर्शन करते हुए सिर्फ 0.2 फीसदी नीचे बंद हुआ।

वहीं गत दिवस बाजार सपाट बंद हुआ था।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया तीन पैसे की हल्की बढ़त के साथ ही 87.20 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह रुपया 87.23 पर खुला। वहीं गत दिवस रुपया 10 पैसे की बढ़त के साथ ही 87.21 रुपये पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि अमेरिका में मंदी के डर और व्यापार संबंधी अनिश्चितताओं के बीच अस्थिर घरेलू शेयर बाजारों ने निवेशकों की धारणा को प्रतिकूल रूप से प्रभावित किया। वहीं गत दिवस अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 87.37 पर खुला और फिर शुरुआती सौदों में डॉलर के मुकाबले थोड़ा मजबूत होकर 87.30 पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से एक पैसे की बढ़त है। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 36 पैसे गिरकर 87.31 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.20 प्रतिशत की गिरावट के साथ 103.75 पर था। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड का भाव वायदा कारोबार में 0.01 प्रतिशत बढ़कर 69.29 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

अंबानी देखते रह गए... एयरटेल और स्पेसएक्स ने कर ली साझेदारी

लो-अर्थ ऑर्बिट सैटेलाइट लेने की तैयारी में स्टारलिंक और अमेजॉन

मुंबई ।

एयरटेल ने एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स के साथ एक समझौता किया है, जिसके तहत स्टारलिंक सैटेलाइट इंटरनेट को भारत में लाने की योजना है, हालांकि यह डील तभी लागू होगी जब स्पेसएक्स को भारतीय सरकार से स्टारलिंक सेवाएं बेचने की अनुमति मिलेगी।

एयरटेल और स्पेसएक्स की साझेदारी के मुख्य बिंदुओं के अनुसार एयरटेल, अपने स्टोर्स में स्टारलिंक उपकरण बेच सकता है और इसे बिजनेस ग्राहकों को ऑफर कर सकता है। यह साझेदारी ग्रामीण स्कूलों, स्वास्थ्य केंद्रों और दूरदराज के इलाकों में इंटरनेट सेवा पहुंचाने का काम करेगी। स्टारलिंक, एयरटेल के नेटवर्क को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है, और स्पेसएक्स, भारत में एयरटेल के बुनियादी ढांचे का उपयोग कर सकता है।

एयरटेल पहले से ही सैटेलाइट इंटरनेट दे रहा

एयरटेल पहले से ही यूटेलसैट वनवेब के साथ मिलकर सैटेलाइट इंटरनेट सेवाएं प्रदान कर रहा है। स्टारलिंक के जुड़ने से दूरदराज के क्षेत्रों में इंटरनेट कवरेज बढ़ेगा और बिजनेस व ग्रामीण समुदायों को तेज गति वाली कनेक्टिविटी के अधिक विकल्प मिलेंगे। भारती एयरटेल के प्रबंध निदेशक और उपाध्यक्ष गोपाल विट्टल ने कहा कि स्पेसएक्स के साथ मिलकर भारत में एयरटेल ग्राहकों के लिए स्टारलिंक सेवाएं प्रदान करना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह एयरटेल की अगली पीढ़ी की सैटेलाइट कनेक्टिविटी के प्रति प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है।

स्टारलिंक अब तक करीब 100 देशों में अपनी सेवाएं शुरू कर चुका है। हाल में उसने भूटान में सैटेलाइट के जरिए इंटरनेट सर्विस शुरू की थी और अब बांग्लादेश में भी इसकी तैयारी की जा रही है। लेकिन भारत अब तक इससे अछूता रहा था। अमेरिका में हाल में हुए

राष्ट्रपति चुनावों में डोनाल्ड ट्रंप की जीत के बाद माना जा रहा था कि स्टारलिंक को भारत में बैकडोर एंट्री मिल सकती है। इसकी वजह यह है कि मस्क को ट्रंप का करीबी माना जाता है। लेकिन संचारमंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने साफ किया था कि स्टारलिंक को भारत में लाइसेंस हासिल करने के लिए सभी नियमों का पालन करना होगा। इतना ही नहीं स्टारलिंक और अमेजॉन भारत में सैटेलाइट से ब्रॉडबैंड सेवाएं लाने के लिए अपने लो-अर्थ ऑर्बिट सैटेलाइट का उपयोग करने की योजना बना रहे हैं। भारत में सैटेलाइट ब्रॉडबैंड सेवाएं अभी तक शुरू नहीं हुई हैं।

अल्ट्रावायलेट टेसरेक्ट स्कूटर को मिली 20 हजार बुकिंग

नई दिल्ली । अल्ट्रावायलेट टेसरेक्ट कंपनी के इलेक्ट्रिक स्कूटर को लॉन्च के महज 48 घंटों में इसे 20,000 से अधिक बुकिंग मिल चुकी हैं। यह इलेक्ट्रिक स्कूटर एक बार फुल चार्ज करने पर 261 किलोमीटर तक चल सकता है। इसमें 20 एचपी की इलेक्ट्रिक मोटर दी गई है, जो इसे सिर्फ 2.9 सेकंड में 0 से 60 केएमपीएच की रफ्तार तक पहुंचाने में सक्षम बनाती है। स्कूटर की टॉप स्पीड 125 केएमपीएच है और कंपनी का दावा है कि यह केवल रुपए100 में 500 किलोमीटर तक चल सकता है। टेसरेक्ट में 7-इंच टीएफटी टचस्क्रीन, 34 लीटर अंडरसीट स्टोरेज, फ्रंट और रियर रडार तकनीक, ब्लाइंड स्पॉट मॉनिटरिंग, ओवरटेक अलर्ट, लेन चेंज असिस्ट और 14 इंच के बड़े व्हील्स जैसे एडवांस फीचर्स दिए गए हैं। इससे पहले कंपनी ने अपनी इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल एफ 77 लॉन्च की थी, जिसे भी शानदार प्रतिक्रिया मिली थी। अल्ट्रावायलेट के इस नए स्कूटर से इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बाजार में बड़ा बदलाव आने की उम्मीद है।स्कूटर की शुरुआती कीमत रुपए1.20 लाख रखी गई है, जो पहले 10,000 ग्राहकों के लिए लागू होगी। भारी डिमांड को देखते हुए कंपनी ने इस ऑफर को 50,000 बुकिंग तक बढ़ाने का फैसला किया है। इसके बाद एक्स-शोरूम कीमत रुपए1.45 लाख से शुरू होगी।

दुनिया भर के अमीरों के लिए पनौती बने ट्रंप

नई दिल्ली ।

डोनाल्ड ट्रंप का नाम राजनीति और विवादों में वैश्विक स्तर पर जुड़ा रहा है। वह दुनिया भर के अमीरों और गरीबों के लिए भी पनौती साबित हो रहे हैं। हाल ही में अमेरिकी शेयर बाजार में आए भारी उतार-चढ़ाव, कानूनी मामलों में बढ़ती परेशानियां और उनके बयानों से उपजे आर्थिक संकट ने कई अरबपतियों को बड़ा नुकसान पहुंचाया है।

कई देशों की अर्थव्यवस्था गड़बड़ा गई है। ट्रंप के खिलाफ चल रहे कानूनी मुकदमों ने न केवल उनके निजी साम्राज्य को प्रभावित किया है, बल्कि दुनियाभर के निवेशकों का भरोसा भी डगमगाया है। विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिकी बाजारों में वित्तीय अस्थिरता और बढ़ेगी। कई बिजनेस लीडर्स ने इस स्थिति से निपटने के लिए अपनी निवेश रणनीतियों में बदलाव किया है।

ट्रंप के विवादास्पद बयानों और नीतियों का असर अमेरिका तक सीमित नहीं है।

हाल ही में उनकी कुछ टिप्पणियों के चलते यूरोप और एशिया के कई देशों और अरबपतियों को बड़ा झटका लगा। वैश्विक व्यापारिक रिश्तों पर उनके बयान कई देशों की अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव डाल चुके हैं। उदाहरण के तौर पर, चीन और अमेरिका के बीच व्यापार युद्ध में कई बड़े उद्योगपतियों को अरबों डॉलर का नुकसान उठाना पड़ा। विश्लेषकों का कहना है कि ट्रंप की अनिश्चित नीतियां और विवादास्पद फैसले बाजार की स्थिरता के लिए लगातार खतरा बने हुए हैं। निवेशकों के लिए यह समझना मुश्किल हो रहा है। ट्रंप के कारण उन्हें लाभ होगा या भारी नुकसान उठाना पड़ेगा। यही कारण है कि कई वैश्विक निवेशक अब अमेरिकी बाजारों में सतर्कता बरत रहे हैं। बड़े निवेशक अपने निवेश कहीं और स्थानांतरित करने पर विचार कर रहे हैं।

अमेरिकी डॉलर, स्टॉक मार्केट और अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक रिश्तों पर ट्रंप की खराब नीतियों का असर पहले कार्यकाल में भी देखा गया था। उनके नेतृत्व में अमेरिका की 'अमेरिका फर्स्ट' नीति ने कई अंतरराष्ट्रीय कंपनियों और अरबपतियों की संपत्ति को बुरी तरह से प्रभावित किया है। ट्रंप की बढ़ती कानूनी और राजनीतिक चुनौतियों के बीच कारोबारियों के लिए यह समय काफी मुश्किल भरा हो गया है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि आने वाले महीनों में आर्थिक मंदी, मंहगाई, बेरोजगारी एवं वित्तीय चुनौतियों की स्थिति क्या मोड़ लेती हैं। क्या वह सच में दुनिया भर की अर्थव्यवस्था एवं वैश्विक युद्ध के लिए 'पनौती' बनने जा रही है।

अमेरिका ने कनाडा से आयात स्टील और एल्युमिनियम पर शुल्क किया दोगुना

-ट्रंप का दावा टैरिफ से अमेरिकी कंपनियों को होगा फायदा

नई दिल्ली।

अमेरिका और कनाडा के बीच व्यापारिक तनाव बढ़ गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऐलान किया है कि कनाडा से आयातित स्टील और एल्युमिनियम पर शुल्क दोगुना यानी 50 फीसदी कर दिया जाएगा। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब कनाडा ने अमेरिका से बिजली आयात पर लेवी लगा दी है। यह नया शुल्क बुधवार से लागू हो गया है। ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा- मैंने अपने वाणिज्य सचिव को निर्देश दिया है कि कनाडा से अमेरिका में आने वाले सभी स्टील और एल्युमिनियम पर अतिरिक्त 25 फीसदी शुल्क लगाया जाए, जिससे कुल शुल्क 50 फीसदी हो जाएगा। संभव है कि इससे अमेरिका में स्टील के दाम में उछाल आएगा।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ट्रंप की इस घोषणा के बाद शेयर बाजार में भारी गिरावट देखने को मिली। इससे ट्रंप पर यह दबाव बढ़ गया है कि वह अपनी आर्थिक विकास योजनाओं को स्पष्ट करें। बता दें ट्रंप ने चुनाव प्रचार के दौरान घरेलू निर्माताओं के लिए कम कॉर्पोरेट टैक्स का वादा किया था। हालांकि, ट्रंप के कनाडा, मैक्सिको, चीन, यूरोप, ब्राजील, दक्षिण कोरिया समेत कई देशों पर लगने वाले शुल्कों की योजना को एक बड़ी टैक्स वृद्धि के रूप में देखा जा रहा है। इन शुल्कों का असर स्टील, एल्युमिनियम, दवाइयों, तांबे, लकड़ी और कंप्यूटर चिप्स पर भी पड़ सकता है। इन फैसलों के चलते गोल्डमैन सैक्स ने अमेरिका की विकास दर का पूर्वानुमान 2.2 फीसदी से घटाकर 1.7 फीसदी कर दी है और मंदी की संभावना को 20 फीसदी तक बढ़ा दिया है। हालांकि, व्हाइट हाउस को उम्मीद है कि अगर हालात बिगड़ते हैं तो नीतियों में बदलाव किया जा सकता है।

इंडसइंड बैंक का शेयर 27 फीसदी गिरा, निवेशकों के पैसे डूबने की चिंता

मुंबई । डेरिवेटिव पोर्टफोलियो में विसंगतियां के कारण इंडसइंड बैंक का शेयर 27 फीसदी नीचे आ गया। इससे बैंक ने 1,577 करोड़ या अपनी कुल नेटवर्थ का करीब 2.35 फीसदी नुकसान होने की आशंका जताई है। इंडसइंड बैंक शेयर के गिरने का असर हिन्दुजा ग्रुप के दूसरे शेयरों पर पड़ा और समूह के 6 में से 5 स्टॉक्स मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुए। इससे समूह का बाजार पूंजीकरण में 21000 करोड़ की गिरावट आई। हिंदुजा ने समस्या को ÷रूटीन÷ बताकर माना कि निवेशकों की चिंता सही है कि उन्हें पहले क्यों नहीं बताया गया। इंडसइंड बैंक में 27 फीसदी गिरावट के बाद अशोक हिंदुजा ने कहा था कि शेयरधारकों से घबराने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि बैंक के डेरिवेटिव पोर्टफोलियो में विसंगतियां को न ऑडिटर और न ही रेगुलेटर ने पकड़ा है, बल्कि खुद इंडसइंड बैंक प्रबंधन ने इस उजागर किया है। उन्होंने कहा कि प्रमोटर आरबीआई से अपनी हिस्सेदारी 15 फीसदी से बढ़ाकर 26 फीसदी करने की मंजूरी का इंतजार कर रहे हैं और जैसे ही आरबीआई मंजूरी देगा, बैंक में तुरंत पूंजी निवेश किया जाएगा।

इंडसइंड बैंक शेयर मंगलवार को 27.02 फीसदी की गिरावट के साथ बीएसई पर 657.25 पर बंद हुए। इससे पहले ऐसे ही इंडसइंड बैंक नवंबर 2020 की शुरुआत में कारोबार कर रहा था। अशोक लीलैंड 200 पर बंद हुआ, जो 3.24 फीसदी नीचे था। हिंदुजा ग्लोबल सॉल्यूशंस लिमिटेड 3.68 फीसदी गिरकर 500 पर बंद हुआ। गोओसीएल कॉर्पोरेशन लिमिटेड 3.48 फीसदी गिरकर 281.10 पर आ गया। केवल गल्फ ऑयल लुब्रिकेंट्स इंडिया लिमिटेड ही समूह का एकमात्र स्टॉक था जिसने बढ़त दर्ज की। यह 2.29 फीसदी बढ़कर 1216 पर बंद हुआ।

इंडसइंड बैंक के शेयरों में आई भारी गिरावट से म्यूचुअल फंड निवेशकों को 6 हजार करोड़ से ज्यादा का नुकसान हुआ है। फरवरी तक 35 म्यूचुअल फंड्स के पास इंडसइंड बैंक के 20.88 करोड़ शेयर थे। इनकी कुल वैल्यू 20,670 करोड़ थी, लेकिन हालिया गिरावट के बाद यह घटकर 14,600 करोड़ रुपए रह गई। इंडसइंड बैंक में सबसे बड़ी हिस्सेदारी आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड की है, जिसका मूल्य फरवरी के अंत 3,778.55 करोड़ रुपए था जो अब घटकर 2671.54 करोड़ रुपए रह गया है।

स्मॉलकैप और मिडकैप इक्विटी म्युचुअल फंड्स पर कायम है निवेशकों का भरोसा

इन फंड्स में एसआईपी के द्वारा निवेश आ रहा

मुंबई।

बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद, स्मॉलकैप और मिडकैप इक्विटी म्युचुअल फंड्स खुदरा निवेशकों की पहली पसंद बनाकर उभरे हैं। इन फंड्स में सिस्टमैटिक इंवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के द्वारा सबसे अधिक निवेश आ रहा है। हाल ही में जारी रिपोर्ट के अनुसार, स्मॉलकैप फंड्स के कुल एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) में एसआईपी निवेश की हिस्सेदारी 50 प्रतिशत से ज्यादा हो चुकी है, जबकि मिडकैप फंड्स भी ट्रेंड के करीब हैं। मार्च 2024 तक, स्मॉलकैप फंड्स में एसआईपी की हिस्सेदारी बढ़कर 53 प्रतिशत हो गई, जो मार्च 2019 में 43 प्रतिशत थी। मिडकैप फंड्स में एसआईपी का योगदान 46 प्रतिशत तक पहुंच गया, जबकि लार्जकैप फंड्स में यह 43 प्रतिशत और फ्लेक्सीकैप फंड्स में 38 प्रतिशत दर्ज हुआ। ये आंकड़े दिखाते हैं कि मिडकैप और स्मॉलकैप स्कीम खुदरा निवेशकों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रही हैं। पिछले तीन कैलेंडर वर्षों में, इन फंड्स ने एक्टिव इक्विटी स्कीम्स में 30 प्रतिशत से ज्यादा नेट फोलियो एडिशन का योगदान दिया है।

म्युचुअल फंड अधिकारियों और निवेश विशेषज्ञों का मानना है कि स्मॉलकैप और मिडकैप फंड्स में निवेश के लिए एसआईपी सबसे बेहतर तरीका है, क्योंकि यह फंड्स हाई वोलैटिलिटी के कारण जोखिम से भरे हो सकते हैं। बाजार जानकार ने कहा, 'एसआईपी निवेशकों को उनके खरीद मूल्य को औसत करने में मदद करता है, इससे गलत समय पर निवेश करने का जोखिम कम हो जाता है। स्मॉलकैप और मिडकैप फंड्स के मजबूत प्रदर्शन ने भी एसआईपी में भारी निवेश को बढ़ावा दिया है। हाल के समय में स्मॉलकैप फंड्स में एसआईपी एसेट्स की हिस्सेदारी और बढ़ी है, क्योंकि कई बड़ी स्कीम्स अब लंपसम इनफ्लो (एकमुश्त निवेश) स्वीकार नहीं कर रही हैं। मार्च 2024 में भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने स्मॉलकैप वैल्यूएशन को लेकर चिंता जाहिर की थी, जिसके बाद फंड हाउस ने निवेशकों को सुरक्षित रखने के लिए जरूरी कदम उठाए। इन चिंताओं के बावजूद, स्मॉलकैप और मिडकैप फंड्स खुदरा निवेशकों के लिए पहली पसंद बने हुए हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संन्यास लेने से पहले रोहित की नजर वनडे विश्व कप खिताब पर होगी : दिग्गज ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर

दुबई (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज खिलाड़ी रिकी पोंटिंग का मानना है कि रोहित शर्मा अब भी दमदार खिलाड़ी हैं तथा वह 2027 में दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की संयुक्त मेजबानी में होने वाले वनडे विश्व कप तक भारतीय टीम का नेतृत्व करना जारी रख सकते हैं। रोहित की कप्तानी में भारत ने वनडे विश्व कप को छोड़कर आईसीसी के बाकी टूर्नामेंट जीते हैं। उनकी अगुवाई में भारतीय टीम 2023 में घरेलू धरती पर खेले गए वनडे विश्व कप को जीतने के करीब पहुंची थी लेकिन फाइनल में उसे आस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा था।

पोंटिंग ने आईसीसी रिव्यू में कहा कि रोहित अपने भविष्य के लक्ष्यों को लेकर काफी हद तक स्पष्ट हैं। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान ने कहा, 'जब आप अपने करियर के इस पड़ाव के करीब पहुंचते हैं तो हर कोई आपके संन्यास लेने का इंतजार कर रहा होता है। मैं नहीं जानता कि ऐसा क्यों होता है। वह भी तब जबकि आप अच्छा खेल रहे हो जैसा कि उन्होंने (चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में) अच्छी पारी खेली थी।'

पोंटिंग ने कहा, 'मुझे लगता है कि वह उन सवालों को हमेशा के लिए खत्म करने की कोशिश कर रहे थे और कह रहे थे, नहीं, मैं अब भी काफी अच्छा खेल रहा हूं। मुझे इस टीम में खेलना पसंद है। मुझे इस टीम का नेतृत्व करना पसंद है।' पोंटिंग ने कहा, 'मेरे लिए इसका मतलब यह है कि उनके मन में 2027 में होने वाले अगले वनडे विश्व कप में खेलना लक्ष्य होना चाहिए।'

रोहित ने 2021 में 34 वर्ष की उम्र में भारतीय टीम की कमान संभाली थी। उनके नेतृत्व में भारत ने रविवार को यहां खेले गए फाइनल में न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हराकर चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी। इससे पहले भारत ने पिछले साल रोहित की कप्तानी में ही वेस्टइंडीज में टी20 विश्व कप का खिताब जीता था। भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में 252 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए रोहित की 83 गेंद पर खेली गई 76 रन की पारी की मदद से आसन जीत हासिल की।

रोहित ने संवाददाता सम्मेलन में संन्यास लेने की खबरों को सिरे से खारिज करते हुए कहा था, 'एक और बात, मैं इस प्रारूप से संन्यास नहीं लेने जा रहा हूं, बस यह सुनिश्चित करना चाहता हूं कि कोई और अफवाह न फैले।' पोंटिंग ने कहा कि रोहित के दिमाग में अपने करियर को जारी रखने के पीछे वनडे विश्व कप जीतने की चाहत हो सकती है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि उनके दिमाग में यह बात होगी कि भारत उनकी

कप्तानी में पिछले वनडे विश्व कप के फाइनल में हार गया था। वह वनडे विश्व कप जीतने के लिए एक और कोशिश करना चाहते होंगे। जिस तरह से उन्होंने चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में शानदार पारी खेली उससे आप यह नहीं कह सकते हैं कि वह चुक गए हैं।'

150 वीं सालगिरह पर होगा एमसीजी में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड का मुकाबला

सिडनी (एजेंसी)। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने कहा है कि टेस्ट क्रिकेट के 150 साल पूरे होने पर आज से ठीक दो साल बाद 11 मार्च 2027 को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में एक महामुकाबला होगा। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड की टीमें इस अवसर पर 11 से 15 मार्च 2027 तक एमसीजी में दिन-रात का एक टेस्ट मैच गुलाबी गेंद से खेलेंगी। सीए ने कहा है कि यह ऐतिहासिक मैच एमसीजी में दोनों टीमों के बीच होने वाला पहला दिन-रात का टेस्ट मैच होगा।

इस ऐतिहासिक स्टेडियम में ही साल 1877 में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच पहला टेस्ट मैच खेला गया था। इन दोनों टीमों के बीच 1977 में शताब्दी टेस्ट मैच भी एमसीजी पर ही हुआ था। तब ऑस्ट्रेलिया ने इन दोनों मैच में 45 रन से जीत हासिल की थी। सीए के मुख्य कार्यकारी टॉड ग्रीनबर्ग ने कहा, ''एमसीजी में टेस्ट क्रिकेट की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर एक बड़े मैच का आयोजन किया जाएगा। इसका आयोजन कृत्रिम रोशनी में होगा जो खेल की समृद्ध विरासत और टेस्ट क्रिकेट के आधुनिक विकास दोनों का जश्न मनाने का एक शानदार तरीका होगा।'' उन्होंने आगे कहा, ''इससे अधिक से अधिक दर्शकों की उपस्थिति तय करने में भी मदद मिलेगी साथ ही इस मैच का आनंद लेना भी एक अच्छा अनुभव होगा।'' ऑस्ट्रेलियाई टीम नवंबर में इंग्लैंड के खिलाफ शुरू होने वाली 2025-26 एशेज सीरीज की मेजबानी करेगी। इसी सीरीज का अंतिम टेस्ट मैच दिन-रात का टेस्ट होगा, जो टेस्ट क्रिकेट की 150वीं सालगिरह पर खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया ने अभी तक 13 दिन-रात के टेस्ट मैच खेले हैं, जिसमें से 12 मैचों में उसने जीत हासिल की थी। इनमें से आठ मैचों का आयोजन एडिलेड में किया गया था।

शुभमन गिल फरवरी महीने के लिए आईसीसी के सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी चुने गए

दुबई (एजेंसी)। भारत के स्टार सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल को फरवरी महीने के लिए आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) का महीने का सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी चुना गया। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी और इंग्लैंड के खिलाफ सीमित ओवरों की घरेलू श्रृंखला के मैचों में बल्ले से यादगार प्रदर्शन करने वाले गिल ने ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ और न्यूजीलैंड के ग्लेन फिलिप्स को पछाड़ते हुए बुधवार को यह पुरस्कार जीता।

गिल ने फरवरी में पांच वनडे मैचों में 101.50 की औसत और 94.19 के स्ट्राइक रेट से 406 रन बनाए। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे श्रृंखला में दो अर्धशतक और एक शतक जड़कर भारत को 3-0 से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने नागपुर में खेले गये पहले एकदिवसीय में 87, कटक में खेले गये दूसरे एकदिवसीय में 60 और फिर अहमदाबाद में खेले गये तीसरे वनडे में 112 रन बनाए।

अहमदाबाद में 102 गेंद की पारी में 14 चौके और तीन छक्के जड़कर वह प्लेयर ऑफ द मैच के साथ श्रृंखला के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार जीतने में सफल रहे। उन्होंने इस शानदार लय को चैंपियंस ट्रॉफी में भी जारी रखा। दुबई में भारत के पहले मैच में बांग्लादेश के खिलाफ 101 रन की पारी खेलने के बाद उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ 46 रन बनाए। भारत यह दोनों मैच आसानी से जीतने में सफल रहा। गिल के लिए यह तीसरा आईसीसी महीने का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का सम्मान है। उन्होंने इससे पहले 2023 में दो बार (जनवरी और सितंबर) में इसे जीता था।

अगर मेरे पास पावर होती तो आईपीएल का यह नियम बदल देता : संजू सैमसन

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 सीजन से पहले राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन ने कहा कि अपने करीबी दोस्त विकेटकीपर-ओपनर जोस बटलर को जाने देना उनके लिए सबसे मुश्किल काम था और अगर उनके पास आईपीएल में कोई नियम बदलने की शक्ति होती तो वह खिलाड़ियों को कभी रिलीज न करने का होता।

राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी से पहले सैमसन, रियान पराग, ध्रुव जुरेल, यशस्वी जायसवाल और शिमरोन हेटमायर को रिटेन किया जिसका मतलब था कि उनके पास बटलर को रिटेन करने के लिए कोई स्लॉट नहीं था, जो अब 22 मार्च से शुरू होने वाले आगामी सीजन में गुजरात टाइटन्स के लिए खेलेंगे।

सैमसन ने कहा, 'आईपीएल आपको एक टीम का नेतृत्व करने और उच्चतम स्तर पर खेलने का अवसर देता है, लेकिन यह आपको घनिष्ठ मित्रता बनाने की भी अनुमति देता है। जोस बटलर मेरे सबसे करीबी दोस्तों में से एक हैं। हमने सात साल तक एक साथ खेला, एक लंबी बल्लेबाजी साझेदारी बनाई। हम एक-दूसरे को बहुत अच्छी तरह से जानते थे और हमेशा संपर्क में रहते थे। वह मेरे लिए बड़े भाई की तरह थे।'

उन्होंने कहा, 'जब मैं कप्तान बना, तो वह मेरे उप-कप्तान थे और उन्होंने टीम का नेतृत्व करने में मेरी बहुत

बड़ी भूमिका निभाई। उन्हें जाने देना मेरे लिए सबसे चुनौतीपूर्ण चीजों में से एक रहा है। यहां तक कि इंग्लैंड श्रृंखला के दौरान मैंने उन्हें रात के खाने पर बताया कि मैं अभी भी इससे उबर नहीं पाया हूं। अगर मैं आईपीएल में एक चीज बदल सकता, तो मैं खिलाड़ियों को रिलीज करने का नियम बदलूंगा।'

सैमसन ने कहा, 'हालांकि इसके अपने सकारात्मक पहलू हैं, व्यक्तिगत स्तर पर आप वर्षों से बनाए गए कनेक्शन और रिश्ते खो देते हैं। यह मेरे लिए पूरी फ्रैंचाइजी, मालिकों, कोचों और राजस्थान से जुड़े सभी लोगों के लिए कठिन रहा है। जोस हमारे लिए परिवार था।'

साथ ही, सैमसन ने जुरेल, पराग और हेटमायर जैसे प्रमुख खिलाड़ियों को बनाए रखने के प्रभाव पर भी बात की। उन्होंने कहा, 'बेशक, यह एक बड़ी भूमिका निभाता है। पहले से ही टीम का हिस्सा रहे खिलाड़ियों का होना एक बेहतरीन कनेक्शन बनाता है। यह मेरा काम आसान बनाता है क्योंकि हम मैदान पर और बाहर दोनों जगह एक-दूसरे को अच्छी तरह से जानते हैं और इससे टीम के बेहतर समन्वय में मदद मिलती है।'

आईपीए की तैयारियों के लिए कोलकाता पहुंची केकेआर

कोलकाता ।कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) टीम 22 मार्च से शुरु हो रहे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की तैयारियों के लिए कोलकाता पहुंच गयी है। टीम को यहां 12 मार्च से ईडन गार्डन्स में एक अभ्यास सत्र में भाग लेना है। इस कैंप से टीम को तैयारी का अंतिम अवसर मिलेगा। इस प्री-सीजन कैंप में नए कप्तान और मजबूत कोचिंग स्टाफ के नेतृत्व में रणनीति को बेहतर बनाने और टीम के तालमेल को मजबूत करने पर ध्यान दिया जाएगा। इस बार मुख्य कोच चंद्रकांत पंडित, सहायक कोच ओटिस गिब्सन और टीम मेंटर डवेन ब्रावो के मार्गदर्शन में टीम आईपीएल नये उत्साह से उतरेगी। गत विजेता टीम 22 मार्च को ईडन गार्डन्स में टूर्नामेंट के उद्घाटन मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का मुकाबला करेगी। केकेआर ने आईपीएल फाइनल में चार बार भाग लिया है, जिसमें से तीन बार (2012, 2014, 2024) चैंपियनशिप जीती है। वह 2021 सत्र में उपविजेता रही थी। केकेआर ने इस सत्र के जिए जहां अजिंक्य रहाणे को कप्तान बनाया है। वहीं आरसीबी ने रजत पाटीदार को कप्तानी सौंपी है।

आईसीसी रैंकिंग में रोहित तीसरे नंबर पर पहुंचे

दुबई ।अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं जबकि भारत के ही शुभमन गिल शीर्ष पर बने हुए हैं। रोहित ने न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में 76 रन की पारी खेली थी इससे उन्हें दो स्थानों का लाभ मिला है। वहीं टूर्नामेंट में 218 रन बनाने वाले अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली पांचवें स्थान पर हैं। वहीं उपन्यूजीलैंड के बल्लेबाजों को भी रैंकिंग में लाभ मिला है। डेरिल मिशेल एक स्थान के लाभ के साथ ही छठे स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि रचिन रविंद्र 14 पायदान की छलांग लागाकर 14वें स्थान पर पहुंच गए हैं। ग्लेन फिलिप्स भी छह पायदान ऊपर चढ़कर 24वें स्थान पर पहुंच गए हैं। कप्तान मिशेल सेंटनर को टूर्नामेंट में नौ विकेट लेने के कारण छह स्थान का लाभ मिला है वह चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। वह गेंदबाजी रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं माइकल ब्रेसवेल 10 पायदान ऊपर चढ़कर 18वें स्थान पर पहुंच गए हैं। भारतीय स्पिनरों कुलदीप यादव और रवींद्र जडेजा की रैंकिंग भी बेहतर हुई है। किया है। कुलदीप तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि जडेजा पांच विकेट लेने के बाद 10वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

स्टोक्स को सीमित ओवरों के लिए भी कप्तान बना सकता है ईसीसी

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) टेस्ट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स को एकदिवसीय और टी20 टीम की कप्तानी भी दे सकता है। चैम्पियंस ट्रॉफी में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद जोस बटलर ने इंग्लैंड की टीम की सीमित ओवरों की टीम की कप्तानी छोड़ दी थी। ऐसे में अब बोर्ड नए विकल्पों पर विचार कर रहा है। वहीं ब्रेंडन मैकुलम टीम के कोच बने रहेंगे। मैकुलम टेस्ट के साथ ही सीमित ओवरों प्रारुप में भी कोच हैं और स्टोक्स से उनका अच्छा समन्वय है। ऐसे में माना जा रहा है कि ये जोड़ी इंग्लैंड क्रिकेट को आगे ले जाने का प्रयास करेगी।

इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड के मैनेजिंग डायरेक्टर रॉब की के अनुसार, स्टोक्स ने संकेत दिया है कि वह इंग्लैंड की सीमित ओवरों के प्रारुप की भी कप्तानी संभाल सकते

हैं। ईसीबी के अधिकारी ने हालांकि कहा कि इस बारे में कोई भी फैसला जल्दबाजी में नहीं लिया जाना चाहिए। पिछले 11 में से 10 मैच हारने के बाद बटलर को कप्तानी छोड़नी पड़ी। ऐसे में माना जा रहा था कि यदि अगली पीढ़ी को कमान मिलती है तो हैरी ब्रूक टीम के उपकप्तान होने के कारण सबसे बड़े दावेदार रहेंगे। रॉब की अभी सभी विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। स्टोक्स ने जो रूट से टेस्ट टीम की कमान संभालने के बाद से ही एक अच्छे कप्तान के तौर पर अपने को साबित किया है पर बढ़ती उम्र और खराब फिटनेस उनका कमजोर पक्ष है। अभी भी वह हैमस्ट्रिंग समस्या से परेशान हैं। कुछ ही समय पहले घुटने की बड़ी सर्जरी भी उनको करानी पड़ी थी। स्टोक्स को लेकर रॉब की ने कहा है कि ये मूर्खतापूर्ण बात होगी अगर हम टेस्ट कप्तान पर विचार नहीं करते। वहीं जब स्टोक्स को लेकर पूछा गया कि इस प्रस्ताव पर उनकी क्या प्रतिक्रिया होगी, तो इस रॉब की ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो मैंने उनसे इस बारे में बात नहीं की है। मैंने उनसे दूसरे दिन कहा था कि आप व्हाइट-बॉल कप्तानी के लिए विचाराधीन हैं। इस पर उनका रुख संकेतों में सकारात्मक दिखा।

ऋषभ की बहन की शादी में पहुंचे धोनी, रैना सहित कई क्रिकेटर

मसूरी ।भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की बहन साक्षी पंत की शादी में यहां पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी सहित कई क्रिकेट खिलाड़ी पहुंचे। इस दौरान धोनी और सुरेश रैना ने जमकर डांस किया। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया में आया है। ऋषभ की बहन की पिछले साल सगाई हुई थी। ऋषभ चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का फाइनल जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे और वह सोमवार को ही भारत पहुंचे थे। इसके बाद वह परिवार के सदस्यों के साथ शादी समारोह में शामिल हुए। वहीं धोनी भी ऋषभ को काफी पसंद करते हैं। इसी कारण वह अपनी पत्नी के साथ मंगलवार को ही देहरादून पहुंचे थे। धोनी इससे पहले जनवरी 2024 में लंदन में हुए सगाई समारोह में भी शामिल हुए थे। इसके अलावा भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा और बल्लेबाजी सुपरस्टार विराट कोहली के भी शादी समारोह में शामिल होने की संभावना है। ऋषभ की बहन साक्षी की शादी कारोबारी अंकित चौधरी से हो रही है। शादी समारोह में देहरादून जाने से पहले धोनी ने चेन्नई में सीएसके कैंप में हिस्सा लिया और आईपीएल 2025 के लिए अपनी तैयारियां शुरू कीं। वहीं ऋषभ आईपीएल 2025 में लखनऊ सुपर जायंट्स की कप्तानी करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्हें जनवरी में लखनऊ स्थित फ्रेंचाइजी का नया कप्तान बनाया गया था।

टीम इंडिया को आगे का सत्र है बेहद व्यस्त आईपीएल के बाद इंग्लैंड से खेलेगी टीम

मुम्बई ।आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद अब भारतीय टीम का आगे का कार्यक्रम बेहद व्यस्त है। कुछ दिनों के आराम के बाद टीम के अधिकतर खिलाड़ी 22 मार्च से शुरू होने वाले आईपीएल के 18 वें सत्र में खेलते दिखेंगे। वहीं इसके बाद टीम को इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। इसेस 2025-27 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की शुरुआत होगी। भारतीय टीम इस बार विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में नहीं पहुंच पाई है इसलिए उसका लक्ष्य नये सत्र की अच्छी शुरुआत करना रहेगा। भारत 18 साल के अंतराल के बाद पटौदी ट्रॉफी जीतना भी चाहेगा क्योंकि 2021-22 में वे इसे बहुत कम अंतर से हार गए थे। यह सीरीज रेड-बॉल क्रिकेट में देश के लिए नई शुरुआत भी कर सकती है क्योंकि 2024-25 सीजन में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद इसमें एक नया कप्तान टीम की कमान संभाल सकता है। वहीं सफेद गेंद क्रिकेट में ध्यान टी20आई क्रिकेट पर रहेगा क्योंकि 2026 टी20 विश्व कप अगला आईसीसी टूर्नामेंट है। भारत का लक्ष्य इसमें अपने घरेलू मैदान पर अपने खिताब की रक्षा करना होगा। इस प्रतियोगिता की सहमेजबानी श्रीलंका भी करेगा। अगले 12 महीनों में, भारत नौ टेस्ट मैच और 12 वनडे मैच खेलेगा। सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली टीम एशिया कप और टी20 विश्व कप के मैचों के अलावा 18 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच भी खेलेगी। भारतीय टीम इंग्लैंड दौरे पर 21 जून से 4 अगस्त 2025 के बीच 5 टेस्ट मैच खेलेगी। अगस्त में ही भारत को बांग्लादेश के दौरे पर 3 वनडे और इतने ही मुकाबलों की टी20 सीरीज खेलनी है। वहीं सितंबर 2025 में एशिया कप का आयोजन किया जाना है। वेस्टइंडीज की टीम 2 टेस्ट मैच खेलने अक्टूबर में भारत दौरा करेगी।

शेन बॉन्ड की जसप्रीत बुमराह को चेतावनी, यह करियर खत्म करने वाला हो सकता है

नई दिल्ली (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज और मुंबई इंडियंस (एमआई) के पूर्व गेंदबाजी कोच शेन बॉन्ड ने कहा कि भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की सर्जरी जिस जगह हुई थी, उसी जगह पर एक और चोट लगने से उनका करियर खत्म हो सकता है और उन्होंने कहा कि भविष्य में वह उन्हें एक बार में दो से ज़्यादा टेस्ट मैच खेलते हुए नहीं देखना चाहेंगे।

बुमराह पीठ के निचले हिस्से में चोट से जूझ रहे हैं, जिसकी वजह से वह रविवार को चैंपियंस ट्रॉफी में भारत की जीत के लिए मशहूर अभियान से बाहर हो गए। स्टार बल्लेबाज विराट कोहली द्वारा 'राष्ट्रीय खजाना' कहे जाने वाले इस गेंदबाज ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 के दौरान भारत के लिए अकेले संघर्ष किया, जिसमें उन्होंने पांच मैचों में 32 विकेट लिए, इससे पहले इस साल जनवरी में सिडनी में अंतिम टेस्ट मैच में वह तनाव से संबंधित चोट से पीड़ित हो गए थे। उन्होंने तब से कोई प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है और भारत के विजयी ICC चैंपियंस ट्रॉफी अभियान को भी मिस किया है।

बुमराह बेंगलुरु में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपना रिहैब पूरा कर रहे हैं और 22 मार्च से शुरू होने वाले आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) के दौरान मुंबई इंडियंस (MI) के लिए उनकी उपलब्धता पर कोई स्पष्टता नहीं है। बुमराह को पहली बार पीठ में चोट नहीं लगी है, क्योंकि मार्च 2023 में उनकी इसके लिए सर्जरी हुई थी। शेन बॉन्ड ने पहले MI के साथ गेंदबाजी कोच के रूप में काम किया था और वर्तमान में राजस्थान रॉयल्स के गेंदबाजी कोच हैं। उन्होंने कहा कि बुमराह के कार्यभार को एक और चोट से बचने के लिए सावधानीपूर्वक प्रबंधन की आवश्यकता है।

बुमराह के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, 'जब वह स्कैन के लिए सिडनी गए थे, तो कुछ संदेश आ रहे थे कि उन्हें मोच और इस तरह की अन्य चीजें हैं। मुझे चिंता थी कि यह मोच नहीं होगी, यह उस क्षेत्र (पीठ) के आसपास की हड्डी की चोट हो सकती है। मुझे लगा कि अगर ऐसा था तो वह चैंपियंस ट्रॉफी में जगह बनाने के लिए संघर्ष कर सकते हैं।'

बॉन्ड ने इस बात पर प्रकाश डाला कि टी20 से टेस्ट क्रिकेट में तेजी से बदलाव में खतरे का क्षेत्र है। पूर्व तेज गेंदबाज ने इसे एक चुनौती के रूप में उजागर किया क्योंकि भारत 25 मई को आईपीएल समाप्त होने के बमुश्किल एक महीने बाद पांच टेस्ट मैचों के लिए इंग्लैंड दौरे की तैयारी कर रहा है। बॉन्ड ने कहा, 'देखिए, मुझे लगता है कि बूम ठीक हो जाएंगे, लेकिन यह सिर्फ (कार्यभार) प्रबंधन (मायने रखता है)। दौरों और आगे के कार्यक्रम को देखते हुए उन्हें आराम देने के अवसर कहां हैं, लेकिन वास्तव में खतरे की अवधि कहां है? और अक्सर ऐसा होता है कि आईपीएल से टेस्ट चैंपियनशिप में बदलाव एक जोखिम होगा।'

उन्होंने अपनी बात समाप्त करते हुए कहा, 'आप जहां भी जाते हैं, खासकर टी20 से टेस्ट मैच में, यह चुनौतीपूर्ण होता है। अगर आप एकदिवसीय श्रृंखला खेल रहे हैं, तो यह आम तौर पर बहुत बुरा नहीं होता है। आप सप्ताह में तीन मैच खेलेंगे, आपको अभ्यास करना होगा, आप लगभग 40 ओवर (रेंज) में होंगे, यह वैसे भी टेस्ट मैच के सप्ताह के काफी करीब है। लेकिन टी20 में खासकर आईपीएल में जब आप सप्ताह में तीन मैच खेल रहे होते हैं, तो दो दिन की यात्रा

होती है, आपको एक प्रशिक्षण सत्र मिल सकता है, अगर आप भाग्यशाली हैं तो आप 20 ओवर गेंदबाजी कर सकते हैं। यह टेस्ट मैच के आधे या आधे से भी कम लोड के बराबर है, जो तब एक बड़ी छलांग है और आप लगातार दो दिन गेंदबाजी नहीं कर रहे हैं। जब आप इससे बाहर निकलते हैं तो यह एक बड़ी छलांग है।'

भारत का इंग्लैंड दौरा काफी कड़ा होगा जिसमें 28 जून से 3 अगस्त के बीच पांच टेस्ट मैच खेले जाएंगे। बॉन्ड ने कहा कि भारत को बुमराह पर उतना काम का बोझ नहीं डालना चाहिए, जितना उन्होंने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर डाला था, उन्होंने कुल 151.2 ओवर गेंदबाजी की थी, जिसमें मेलबर्न में बॉक्सिंग डे पर खेले गए चौथे टेस्ट के दौरान 52 ओवर शामिल हैं, जो टेस्ट मैच में उनका सबसे अधिक ओवर था।

चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद पाकिस्तानी क्रिकेटरों को झटका, मैच फीस में भारी कटौती, सुविधाओं में भी कमी

स्पोर्ट्स डेस्क ।पाकिस्तान ने चैम्पियंस ट्रॉफी को सफल बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी और हाईब्रिड मॉडल के तहत (भारत के सभी मैचों सहित फाइनल दुबई में) टूर्नामेंट सफल भी रहा। लेकिन अब घरेलू क्रिकेटरों पर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने गाज गिराई है और खिलाड़ियों की मैच फीस में भारी कटौती व सुविधाओं में कटौती कर रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार पीसीबी ने आगामी राष्ट्रीय टी20 चैंपियनशिप में भाग लेने वाले क्रिकेटरों की मैच फीस 100,000 पाकिस्तानी रुपए प्रति मैच से घटाकर 10,000 प्रति मैच कर दी है जबकि रिजर्व खिलाड़ियों को प्रति मैच 5000 रुपए मिलेंगे। टूर्नामेंट 14 मार्च से शुरू हो रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक पीसीबी में घरेलू क्रिकेट के प्रमुख अब्दुल्ला खुर्रम नियाज़ी पिछले कुछ महीनों में घरेलू खिलाड़ियों के लिए 'सुविधाओं में कटौती' कर रहे हैं। एक सूत्र के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है, 'जिन खिलाड़ियों को पहले पांच और चार सितारा होटलों में रहने की सुविधा दी जा रही थी, उन्हें अब सस्ते आवास की सुविधा दी जा रही है। फीस के अलावा उनके लिए हवाई यात्रा भी कम कर दी गई है।' इतना ही नहीं खिलाड़ियों और अंपायरों को पिछले सीजन का बकाया भुगतान अभी तक नहीं मिला है। बोर्ड ने बोर्ड की नीति के अनुसार पूर्व टेस्ट क्रिकेटरों के लिए वार्षिक पेंशन वृद्धि भी लागू नहीं की है। हालांकि बोर्ड के भीतर प्रशासक उच्च वेतन प्राप्त करना जारी है। राष्ट्रीय चयनकर्ताओं और यहां तक कि हाल ही में संपन्न चैंपियंस कप के लिए 5 टीमों के साथ नियुक्त किए गए मेंटरों मिस्बाह उल हक, वकार यूनिस, शोएब मलिक, सरफराज अहमद और सकलैन मुश्ताक को प्रति माह लगभग 5 मिलियन रुपये का भुगतान किया जा रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राग-रंग का लोकप्रिय पर्व होली

होली भारत का प्रमुख त्योहार है। होली जहाँ एक ओर सामाजिक एवं धार्मिक त्योहार है, वहीं रंगों का भी त्योहार है। बाल-वृद्ध, नर-नारी सभी इसे बड़े उत्साह से मनाते हैं। इसमें जातिभेद-वर्णभेद का कोई स्थान नहीं होता। इस अवसर पर लकड़ियों तथा कंडों आदि का ढेर लगाकर होलिकापूजन किया जाता है फिर उसमें आग लगायी जाती है। पूजन के समय मंत्र उच्चारण किया जाता है।

होली वसंत ऋतु में मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण भारतीय और नेपाली लोगों का त्योहार है। यह पर्व हिंदू पंचांग के अनुसार फाल्गुन मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है। रंगों का त्योहार कहा जाने वाला यह पर्व पारंपरिक रूप से दो दिन मनाया जाता है। यह प्रमुखता से भारत तथा नेपाल में मनाया जाता हैं। यह त्यौहार कई अन्य देशों जिनमें अल्पसंख्यक हिन्दू लोग रहते हैं वहां भी धूम-धाम के साथ मनाया जाता हैं। पहले दिन को होलिका जलायी जाती है, जिसे होलिका दहन भी कहते है। दूसरे दिन, जिसे प्रमुखत : धुलेंडी व धुरड्डी, धुरखेल या धूलिवंदन इसके अन्य नाम हैं, लोग एक दूसरे पर रंग, अबीर-गुलाल इत्यादि फेंकते हैं, ढोल बजा कर होली के गीत गाये जाते हैं और घर-घर जा कर लोगों को रंग लगाया जाता है। ऐसा माना जाता है कि होली के दिन लोग पुरानी कटुता को भूल कर गले मिलते हैं और फिर से दोस्त बन जाते हैं। एक दूसरे को रंगने और गाने-बजाने का दौर दोपहर तक चलता है। इसके बाद स्नान कर के विश्राम करने के बाद नए कपड़े पहन कर शाम को लोग एक दूसरे के घर मिलने जाते हैं, गले मिलते हैं और मिठाइयाँ खिलाते हैं।

राग-रंग का यह लोकप्रिय पर्व वसंत का संदेशवाहक भी है। राग अर्थात संगीत और रंग तो इसके प्रमुख अंग हैं ही पर इनको उत्कर्ष तक पहुँचाने वाली प्रकृति भी इस समय रंग-बिरंगे यौवन के साथ अपनी चरम अवस्था पर होती है। फाल्गुन माह में मनाए जाने के कारण इसे फाल्गुनी भी कहते हैं। होली का त्योहार वसंत पंचमी से ही आरंभ हो जाता है। उसी दिन पहली बार गुलाल उड़ाया जाता है। इस दिन से फाग और धमार का गाना प्रारंभ हो जाता है। खेतों में सरसों खिल उठती है। बाग-बगीचों में फूलों की आकर्षक छटा छा जाती है। पेड़-पौधे, पशु-पक्षी और मनुष्य सब उल्लास से परिपूर्ण हो जाते हैं। खेतों में गेहूँ की बालियाँ इठलाने लगती हैं। बच्चे-बूढ़े सभी व्यक्ति सब कुछ संकोच और रूढ़ियाँ भूलकर ढोलक-झाँझ-मंजीरों की धुन के साथ नृत्य-संगीत व रंगों में डूब जाते हैं। चारों तरफ़ रंगों की फुहार फूट पड़ती है। होली के दिन आम्र मंजरी तथा चंदन को मिलाकर खाने का बड़ा माहात्म्य है।

विशिष्ट उत्सव

भारत में होली का उत्सव अलग-अलग प्रदेशों में भिन्नता के साथ मनाया जाता है। ब्रज की होली आज भी सारे देश के आकर्षण का बिंदु होती है। बरसाने की लठमार होली काफ़ी प्रसिद्ध है। इसमें पुरुष महिलाओं पर रंग डालते हैं और महिलाएँ उन्हें लाठियों तथा कपड़े के बनाए गए कोड़ों से मारती हैं। इसी प्रकार मथुरा और वृंदावन में भी 15 दिनों तक होली का पर्व मनाया जाता है। कुमाऊँ की गीत बैठकी में शास्त्रीय संगीत की गोष्ठियाँ होती हैं। यह सब होली के कई दिनों पहले शुरू हो जाता है। हरियाणा की धुलंडी में भाभी द्वारा देवर को सताए जाने की प्रथा है। बंगाल की दोल जात्रा चैतन्य महाप्रभु के जन्मदिन के रूप में मनाई जाती है। जलूस निकलते हैं और गाना बजाना भी साथ रहता है। इसके अतिरिक्त महाराष्ट्र की रंग पंचमी में सूखा गुलाल खेलने, गोवा के शिमगो में जलूस निकालने के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन तथा पंजाब के होला मोहल्ला में सिक्खों द्वारा शक्ति प्रदर्शन की परंपरा है। तमिलनाडु की कमन पोडिगई मुख्य रूप से कामदेव की कथा पर आधारित वसंतोतसव है जबकि मणिपुर के याओसांग में योंगसांग उस नन्हीं झोंपड़ी का नाम है जो पूर्णिमा के दिन प्रत्येक नगर-ग्राम में नदी अथवा सरोवर के तट पर बनाई जाती है। दक्षिण गुजरात के आदिवासियों के लिए होली सबसे बड़ा पर्व है, छत्तीसगढ़ की होरी में लोक गीतों की अद्भुत परंपरा है और मध्यप्रदेश के मालवा अंचल के आदिवासी इलाकों में बेहद धूमधाम से मनाया जाता है भगोरिया, जो होली का ही एक रूप है। बिहार का फगुआ जम कर मौज मस्ती करने का पर्व है और नेपाल की होली में इस पर धार्मिक व सांस्कृतिक रंग दिखाई देता है। इसी प्रकार विभिन्न देशों में बसे प्रवासियों तथा धार्मिक संस्थाओं जैसे इस्कॉन या वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर में अलग अलग प्रकार से होली के श्रृंगार व उत्सव मनाने की परंपरा है जिसमें अनेक समानताएँ और भिन्नताएँ हैं।

आधुनिकता का रंग

होली रंगों का त्योहार है, हँसी-खुशी का त्योहार है, लेकिन होली के भी अनेक रूप देखने को मिलते है। प्राकृतिक रंगों के स्थान पर रासायनिक रंगों का प्रचलन, भांग-ठंडाई की जगह नशेबाजी और लोक संगीत की जगह फ़िल्मी गानों का प्रचलन इसके कुछ आधुनिक रूप हैं। लेकिन इससे होली पर गाए-बजाए जाने वाले ढोल, मंजीरों, फाग, धमार, चैती और ठुमरी की शान में कमी नहीं आती। अनेक लोग ऐसे हैं जो पारंपरिक संगीत की समझ रखते हैं और पर्यावरण के प्रति सचेत हैं। इस प्रकार के लोग और संस्थाएँ चंदन, गुलाबजल, टेसू के फूलों से बना हुआ रंग तथा प्राकृतिक रंगों से होली खेलने की परंपरा को बनाए हुए हैं, साथ ही इसके विकास में महत्वपूर्ण योगदान भी दे रहे हैं। रासायनिक रंगों के कुप्रभावों की जानकारी होने के बाद बहुत से लोग स्वयं ही प्राकृतिक रंगों की ओर लौट रहे हैं। होली की लोकप्रियता का विकसित होता हुआ अंतर्राष्ट्रीय रूप भी आकार लेने लगा है। बाज़ार में इसकी उपयोगिता का अंदाज़ इस साल होली के अवसर पर एक अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठान केन्ज़ोआमूर द्वारा जारी किए गए नए इत्र होली है से लगाया जा सकता है।

होली खेलने से पहले इन बातों का रखें ध्यान!

रंगों और खुशियों के त्योहार होली के रंग में सराबोर होने के लिए घर से निकलने से पहले आपको त्वचा और बालों की सुरक्षा के संबंध में कुछ बातों का ख्याल जरूर रखना चाहिए, जिससे आपको किसी प्रकार की समस्या का सामना नहीं करना पड़े. त्वचा विशेषज्ञ ने होली खेलने निकलने से पहले त्वचा की देखभाल के संबंध में ये सुझाव दिए हैं -

- कुछ लोग होली खेलने के पहले बाल यह सोचकर नहीं धुलते हैं कि रंग खेलने से बाल गंदे होने ही हैं, लेकिन पहले से गंदे बाल में रंग लगने से आपके बालों को और नुकसान पहुंच सकता है और बाल रुखे हो सकते हैं, इसलिए बाल धुलकर, सुखाने के बाद बालों में अच्छी तरह से तेल लगाकर ही होली खेलने निकलें.
- होली खेलने निकलने से पहले सनस्क्रीन क्रीम लगाना नहीं भूलें, क्योंकि तेज धूप में आपकी त्वचा झुलस सकती हैं और रंग काला पड़ सकता है.
- बाजार में उपलब्ध सिंथेटिक रंगों में हानिकारक केमिकल और शीशा भी हो सकता है, जिससे आपकी त्वचा और आंखों को नुकसान पहुंच सकता है. इसलिए त्वचा और बालों पर अच्छे से तेल लगाएं और हो सके तो प्राकृतिक रंगों या घर पर बने टेसू के फूल वाले रंग से होली खेलें. कानों के पीछे, उंगलियों के बीच में भी तेल अच्छे से लगाएं और नाखूनों पर नेल पॉलिश लगाना नहीं भूलें. बालों में नारियल तेल डालकर अच्छे से मसाज करें, इससे आपके बाल रूखे भी नहीं होंगे.
- शरीर के अधिकांश हिस्सों को रंगों से बचाने के लिए पूरी आस्तीन के कपड़े पहनें, सूती रंग के ही कपड़े पहनें, क्योंकि भीगने पर सिंथेटिक कपड़े शरीर से चिपक जाते हैं और आपको उलझन महसूस हो सकती है.
- फलों और सब्जियों के छिलकों को सुखाकर उसमें टेल्कम पाउडर और संतरे के सूखे छिलकों के पाउडर को मिलाकर होली खेलना एक अच्छा विकल्प है. इसमें हल्दी पाउडर, जिंजर रूट पाउडर व दालचीनी पाउडर भी मिलाए जा सकते हैं, जो आपकी त्वचा के लिए हानिकारक साबित नहीं होंगे, लेकिन इन पाउडर को जोर से त्वचा पर मले नहीं, क्योंकि इससे लालिमा, खरोंच या दानें पड़ सकते हैं और त्वचा में जलन हो सकती है.
- होली खेलने के बाद सौम्य फेसवॉश या साबुन का ही इस्तेमाल करें, क्योंकि हार्श साबुन से त्वचा रूखी हो सकती है, नहाने के बाद मॉइश्चराइजर और बॉडी लोशन जरूर लगाएं.
- बालों को सौम्य हर्बल शैम्पू से अच्छी तरह से धुलें, ताकि अभ्रक युक्त और केमिकल वाले रंग बालों से अच्छी तरह से निकल जाएं, शैम्पू के बाद बालों का रूखापन दूर करने के लिए एक मग पानी में एक नींबू का रस मिलाकर धुलें या फिर बीयर से भी बाल धुला जा सकता है, इससे आपके बाल मुलायम रहेंगे.

होलिका दहन पर भद्रा का साया और होली पर चंद्र ग्रहण, जानिए कब क्या करें?

होलिका दहन के बाद दूसरे दिन होली खेली जाती है जिसे धुलेंडी कहते हैं। धुलेंडी यानी रंगवाली होली। इस बार होलिका दहन और धुलेंडी पर भद्रा के साथ ही चंद्र ग्रहण का योग भी बन रहा है। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि होलिका दहन की पूजा कब करें और कब होली खेलें। हिंदू पंचांग अनुसार 13 मार्च 2025 गुरुवार को होलिका दहन होगा और 14 मार्च शुक्रवार को धुलेंडी रहेगी लेकिन क्या है होलिका दहन का मुहूर्त और कब खेलें होली।

पूर्णिमा तिथि प्रारम्भ- 13 मार्च 2025 को सुबह 10 :35 बजे से प्रारंभ।

पूर्णिमा तिथि समाप्त- 14 मार्च 2025 को दोपहर 12 :23 बजे समाप्त।

भद्रा पूंछ- शाम को 06-57 से रात्रि 08-14 तक।

भद्रा मुख- रात्रि 08-14 से रात्रि 10-22 तक।

दिनांक 14 मार्च 2025 शुक्रवार को सुबह 09 :29 बजे से दोपहर 03 :29 बजे तक यह पूर्ण चंद्र ग्रहण लगेगा। होलिका दहन और होली पर भारत में चंद्र ग्रहण का प्रभाव नहीं रहेगा क्योंकि यह ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा। होली पर चंद्र ग्रहण और सूतक काल का कोई प्रभाव नहीं रहेगा इसलिए धुलेंडी का पर्व मनाया जा सकता है।

13 मार्च 2025 को रात्रि में भद्रा के पूंछ काल में होलिका दहन कर सकते हैं। यदि भद्रा को छोड़ना है तो होलिका दहन श्रेष्ठ मुहूर्त- मध्यरात्रि 11 :26 से 12 :30 के बीच। इसके बाद दूसरे दिन रंग वाली होली खेल सकते हैं।

क्या है होली और राधा-कृष्ण का संबंध

होली के पर्व का जिक्र आते ही मन रंगों से खेलने लगता है और प्रेम के इस पर्व में हर कोई राधा व कृष्ण हो जाना चाहता है। आप सोच रहे होगे कि राधा व कृष्ण का होली से क्या नाता है तो आइये जानते हैं। होली और राधा-कृष्ण का क्या संबंध है।

भगवान विष्णु ने जितने भी अवतार धारण किये हैं चित्रों के माध्यम से उन्हें सांवले रंग का दिखाया जाता है और भगवान श्री कृष्ण का तो नाम ही श्याम लिया जाता है। लेकिन उनका यह श्याम रंग बनने की कहानी है। दरअसल जब श्री कृष्ण के मामा कंस ने राक्षसी पुतना को जन्माष्टमी के दिन जन्मे शीशुओं को स्तन से विषपान करवाकर मरवाने के लिये भेजा तो श्री कृष्ण ने विषपान तो किया लेकिन भगवन का क्या बिगड़ना था, पुतना तो मारी गई लेकिन बाल गोपाल विषपान करने से श्याम वर्ण के हो गये। अब उन्हें यह चिंता सताने लगी कि इस श्याम रंग के साथ प्रिय सखी राधा सहित अन्य गोपियां उन्हें भाव नहीं देंगी। गौर वर्णीय राधा को जब भी वे देखते उन्हें स्वयं का श्याम वर्ण होना अखरने लगता। वे इसकी शिकायत अपनी मैया यशोदा से करते हैं वो गीत तो आपने भी सुना होगा यशोमति मैया से बोले नंदलाला, राधा क्यों गौरी मैं क्यूं काला। तो माता उन्हें प्रसन्न करने के लिये सुझाव देती हैं वह भी राधा के मुख पर वैसा ही रंग लगा दे जैसा वे चाहते हैं। बस माता की शय मिलने की देर थी, नटखट श्याम राधा सहित सभी गोपियों को रंगने लग जाते हैं। धीरे-धीरे उनकी यह शरारत फैलने लगती है और ऋतुराज वसंत के इस प्यार भरे मौसम में एक दूसरे पर रंग डालने की यह लीला एक प्रेममयी परंपरा के रूप में हर साल फाल्गुन के महीने में निभायी जाने लगती है। होली के दिनों में मथुरा वृंदावन का नजारा तो आज भी देखते ही बनता है।

क्या है महत्व

वैसे यह श्री राधा व भगवान श्री कृष्ण की होली पर खेली गई यह प्रेम लीला एक प्रतीक भर है कि यह रंग कोई भौतिक रंग नहीं है बल्कि भक्ति का रंग है। भगवान का रंग है, सद्भावना का रंग है, विश्वास का रंग है जिनसे होली खेली जाती है। और जो होली जलाई जाती है वह संदेह की, अंहकार की, वैरभाव की, ईर्ष्या की होली जलाई जाती है जिसके उपरांत ही निष्काम प्रेम की कामना पूर्ण होती है और अपने आराध्य श्री कृष्ण की अपने ठाकुर जी की कृपा प्राप्त होती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

होली से पहले मुजफ्फरपुर जिले में थाने से गायब हो गई जब्त शराब

मुजफ्फरपुर (एजेंसी)। मुजफ्फरपुर जिले में होली से पहले बड़ा कांड हो गया। बेला थाना में जब्त शराब को गायब करने का मामला सामने आया है। मामले में थाने के निजी मुंशी सहित दो लोगों की गिरफ्तारी हुई है। जांच में थानाध्यक्ष की लापरवाही सामने आने पर उन्हें निलंबित कर दिया है। वहीं अन्य पदाधिकारियों की भूमिका भी जांच के दायरे में है। बता दें कि बेला थाना परिसर में शराब विनिष्टीकरण के दौरान करीब एक दर्जन से अधिक कार्टन शराब गायब कर दी गई। शराब गायब करने के खेल में शामिल थाने के निजी मुंशी सुजीत और इलाके के मो. शहादत को गिरफ्तार किया था। शराब लदी एक कार भी जब्त की गई। गिरफ्तार मो. शहादत थाने के शांति समिति सदस्य बताया गया है। उसके एक राजनीतिक दल से भी जुड़े होने की चर्चा है। विदित हो कि हाल ही में बेला थाना क्षेत्र से भारी मात्रा में शराब जब्त की गई थी। वरीय अधिकारियों के निर्देश पर बेला थाना परिसर में जब्त शराब को विनिष्ट किया जा रहा था। इसी दौरान वहां से शराब के कई कार्टन मजदूरों से गायब करा दिया गया।

दिल्ली पुलिस ने दो दिन में 30 अवैध घुसपैठियों को पकड़कर डिटेंशन सेंटर भेजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में अवैध बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ पुलिस ने पिछले दो दिनों में 30 से ज्यादा अवैध घुसपैठियों को गिरफ्तार किया है। दक्षिणी दिल्ली से 10 से ज्यादा बांग्लादेशी नागरिक पकड़े गए हैं। पुलिस ने बाहरी जिले में अवैध रूप से रह रहे तीन बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार कर डिपोर्ट के लिए भेज दिया है। पकड़े गए इन लोगों की पहचान कुरीग्राम निवासी सफरुद्दीन, इब्राहिम और सोराब के रूप में हुई है। उत्तरी जिला पुलिस ने सदर बाजार इलाके में रहने वाले एक बांग्लादेशी और उसके बेटे को भी गिरफ्तार किया है। उनके पास वोटर कार्ड भी मिला है। इनकी पहचान मोहम्मद बिलाल और बेटे फारूक के रूप में हुई है। पुलिस ने गिरफ्तार बांग्लादेशियों को डिपोर्ट के लिए डिटेंशन सेंटर भेज दिया है। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त ने बताया कि जिले की फॉरेन सेल लगातार दिल्ली में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान के लिए सत्यापन अभियान चला रही है। इसके तहत 10 मार्च को फॉरेन सेल को कुछ संदिग्धों के पीरागढ़ी इलाके में घूमने की सूचना मिली थी। पुलिस ने इलाके में गश्त बढ़ा दी। पुलिस को तीन व्यक्ति पीरागढ़ी कैंप की तरफ जाते दिखाई दिए। तीनों बंगाली में बात कर रहे थे। पुलिसकर्मियों ने तीनों को हिरासत में ले लिया। पहले तो संदिग्धों ने बताया कि वे पश्चिम बंगाल के रहने वाले हैं लेकिन सख्ती से पूछताछ करने पर तीनों ने खुद को बांग्लादेशी नागरिक बताया। तीनों ने अपना नाम सफरुद्दीन, इब्राहिम और सोराब बताया। पकड़े गए लोगों ने बताया कि वह सत्यापन के चलते इस इलाके में छिपने के लिए झुग्गी-झोपड़ी की तलाश कर रहे थे। पुलिस ने तीनों को डिपोर्ट करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

लखनऊ के एक होटल के कमरे में मृत मिली उज़्बेकिस्तान की महिला

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में स्थित एक होटल के कमरे में 43 वर्षीय एक विदेशी महिला का शव बरामद हुआ है। पुलिस ने बताया कि उज़्बेकिस्तान की महिला एगंबरडीवा ज़ेबो पिछले दो मार्च को सतनाम नामक युवक के साथ आई और होटल में ठहरी थी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि सतनाम बाद में वापस चला गया और उसके बाद महिला ही होटल में रुकी थी। पुलिस ने बताया कि आपातकालीन हेल्पलाइन 112 पर एक कॉल प्राप्त हुई, जिसमें बताया गया कि विजयंतखंड में होटल अतिथि इन के कमरा 109 में एक महिला बेहोश पड़ी है। सूचना मिलने पर, पुलिस की एक टीम होटल पहुंची और अचेत महिला को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने महिला को मृत घोषित कर दिया। शुरुवाती जांच में सामने आया हैं कि ज़ेबो दो मार्च को दिल्ली के सतनाम सिंह (26) नामक एक व्यक्ति के साथ होटल में रुकी थी। सतनाम कथित तौर पर पांच मार्च को होटल से चला गया और इसके बाद महिला कमरे में अकेली ही रह रही थी। विदेशी महिला ने जब कोई प्रतिक्रिया नहीं दी, तब होटल के कर्मचारी उसके कमरे में घुसे और महिला को बिस्तर पर बेहोश पाया

मणिपुर में अलग-अलग घटनाओं में 12 उग्रवादी गिरफ्तार, हथियार भी बरामद

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में पिछले 24 घंटों में अलग-अलग घटनाओं में 12 उग्रवादी गिरफ्तार किए गए हैं। पुलिस ने बुधवार को बताया कि गिरफ्तार उग्रवादियों के पास से हथियार भी बरामद हुए हैं। बरामद हथियारों में 7.62 मिमी एसएलआर के साथ मैगजीन, 5.56 मिमी इंसास राइफल, 22 राइफल, 2 बोर डबल बैरल बंदूक, हैंड ग्रेनेड, स्टन ग्रेनेड शामिल हैं। ये हथियार इंफाल पूर्वी जिले के इरिलबुंग-पीएस के अंतर्गत केइराओ वांगखेम से बरामद किए हैं।

पुलिस ने कहा कि मादक पदार्थ के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। उसकी पहचान संदीप देसवाल के रूप में हुई है, जो सेनापति जिले के सेनापति-पीएस के अंतर्गत एनएच-2 के टी खुल्लेन में 17.34 किलोग्राम अफीम ले जा रहा था। सुरक्षा बलों ने इंफाल पश्चिम जिले के लामसांग-पीएस के अंतर्गत तेरा उराक स्थित केसीपी के एक फार्म हाउस अस्थायी शिविर से केसीपी (पीडब्ल्यूजी) के सात सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया है। मणिपुर पुलिस ने बिष्णुपुर जिले से पीआरईपीएके के एक कैडर को गिरफ्तार किया। एक अन्य घटना में सुरक्षा बलों ने केसीपी (ताइबंगनबा) समूह के एक कैडर को गिरफ्तार किया। एक अन्य संयुक्त अभियान में मणिपुर पुलिस और जीआर ने इंफाल पूर्वी जिले से केवाईकेएल के एक सक्रिय सदस्य को गिरफ्तार किया है। मणिपुर पुलिस ने इंफाल पूर्वी जिले के पोरोमपट-पीएस के अंतर्गत डीडीके इंफाल गेट के पास खुराल चिंगंगबाम लेईकाई से केसीपी (पीडब्ल्यूजी) के दो सक्रिय कैडरों गिरफ्तार किया है।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस में बदलाव की आहट के बीच, बैज और मरकाम ने की शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ कांग्रेस में बड़े बदलाव की आहट है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम के दो दिनों के दिल्ली प्रवास में शीर्ष नेताओं से भेंट मुलाकात यूँ ही अचानक इत्तफ़ाक़ नहीं। बात, मुलाकात की भनक किसी को न लगे इसके लिए दीपक बैज ने कमरा तो बुक कराया छत्तीसगढ़ भवन में, लेकिन ठौर बनाया कहीं और। उन्हें संगठन महामंत्री केसी वेणुगोपाल ने बुलाया था। वेणुगोपाल और प्रभारी सचिन पायलट से लंबी लंबी मुलाकात के बाद पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से उनकी मीटिंग हुई। जाहिर है जब मीटिंग वन टू वन अकेले में हो तो खबरें छन कर ही आती हैं। औपचारिक रूप से कोई बात नहीं करता। सीधे सवालों के सीधे जवाब नहीं मिले तो सूत्र एक्टिव हुए। सूत्रों ने तहकीकात कर जानकारी दी कि आलाकमान दीपक बैज को प्रतिष्ठा पूर्ण तरीके से एड्जस्ट कर छत्तीसगढ़ के लिए नये प्रदेश अध्यक्ष को जिम्मेदारी देना चाहता है। जाहिर है पूर्व

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को एआईसीसी का महासचिव बनाने के बाद पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव को पीसीसी की जिम्मेदारी देने पर विचार हुआ था। जैसे ही खबर बाहर आई सूत्रों ने बताया की राज्य के पूर्व कैबिनेट मंत्री शिव डहरिया और अमरजीत भगत ने दिल्ली पहुँच कर नेतृत्व के समक्ष इस बात को रखा कि आदिवासी प्रदेश अध्यक्ष को हटा कर राज घराने के टीएस सिंहदेव को कमान सौंपे जाने पर आदिवासी समाज में अच्छा मैसेज नहीं जायेगा। सूत्रों ने बताया कि दीपक बैज को अभी और समय देने के पक्ष में खुद भूपेश बघेल भी हैं। अब गेंद आलाकमान के पाले में है। सूत्रों ने बताया इसी रीति नीति के तहत छत्तीसगढ़ को लेकर सीरियस विमर्श चल रहा है। पार्टी के आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि दीपक बैज को अगर कंटिन्यू करने पर अंतिम निर्णय होता है तो दो कार्यकारी अध्यक्ष बनाये जाने पर भी विचार चल रहा है। साथ ही सिंहदेव और मरकाम को क्या जिम्मेदारी दी जा सकती है इस पर भी मंथन चल रहा है। ज्यादा उम्मीद है कि मरकाम को एआईसीसी में किसी प्रकोष्ठ की कमान सौंपी जा सकती है। सिंहदेव को पीसीसी की कमान देकर आदिवासी और ओबीसी को कार्यकारी अध्यक्ष बनाये जाने पर भी विचार जारी है। बहरहाल, बात मुलाकात कर दीपक बैज और मोहन मरकाम रायपुर रवाना हो गए हैं।

नीतीश भांग पीकर आते हैं विधानपरिषद में : राबड़ी देवी

पटना। बिहार विधानपरिषद में बुधवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रतिपक्ष की नेता राबड़ी देवी के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। नोकझोंक के बाद अन्य विपक्षी सदस्यों के साथ सदन के मुख्य द्वार पर धरना देने पहुंची पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने आरोप लगाया कि नीतीश कुमार भंगेड़ी हैं और भांग पीकर सदन में आते हैं। वहीं, उनके (राबड़ी देवी के) बेटे और बिहार विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी यादव कुमार को मानसिक रूप से अस्थिर बताते हुए उनके इस्तीफा मांग रहे हैं। विधानपरिषद में यह समस्या तब शुरू हुई जब राजद की सहयोगी भाकपा (माले) की सदस्य शशि यादव सदन के समक्ष यह कहने के लिए अपनी कुर्सी से खड़ी हुईं कि वह अपने प्रश्न का सरकार द्वारा दिये गए उत्तर से संतुष्ट नहीं हैं। विधानपरिषद के सदस्य कुमार ने अपनी सीट बैठे-बैठे ही यह टिप्पणी की कि ''सरकार बहुत कुछ कर रही है। पिछली सरकारों ने कुछ नहीं किया।'' कुमार के जवाब से असंतुष्ट राबड़ी देवी ने हस्तक्षेप करते हुए उनसे कहा कि आप दावा करते हैं कि आपके कार्यभार संभालने से पहले कोई काम नहीं हुआ। उन्होंने कहा, ''कृपया उस अवधि के रिकॉर्ड तलब करें। आप बेहतर तौर पर समझ जाएंगे।

संभल में होली और जुमे की नमाज को लेकर कड़े सुरक्षा इंतजाम

संभल (एजेंसी)। होली और जुमे की नमाज को लेकर संभल में सुरक्षा के कड़े इंतजाम हैं। संभल जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) केके विश्नोई ने बताया कि कुल 49 अतिसंवेदनशील स्थलों को चिन्हित कर लिया गया है। इन सभी स्थानों पर सुरक्षा बलों की तैनाती है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि किसी भी प्रकार की जबरदस्ती को बर्दाश्त नहीं होगी। यदि कोई व्यक्ति जबरन किसी को गुलाल लगाता है या किसी के साथ अभद्रता करता है, तब तुरंत पुलिस चौकी में रिपोर्ट करनी चाहिए। पुलिस इसतरह के मामलों में कड़ी कार्रवाई करेगी और दोषियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।

एसपी विश्नोई ने जनता से अपील करते हुए कहा कि सभी लोग त्यौहार को आपसी भाईचारे और सौहार्द के साथ मनाएं। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि होली का उत्सव दोपहर 2.30 बजे तक मनाया जाए और उसके बाद मुस्लिम समुदाय के लोग जुम्मे की नमाज अदा करें। इससे कोई भी धार्मिक आयोजन प्रभावित नहीं होगा और समाज में शांति व सद्भाव बना रहेगा।

एसपी विश्नाई ने बताया कि सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन की मदद से भीड़भाड़ वाले इलाकों पर नजर रखी जाएगी। इसके अलावा, प्रमुख चौक-चौराहों और बाजारों में पुलिस बल की उपस्थिति सुनिश्चित की गई है ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

एसपी ने जिले के दोनों समुदायों से अपील की कि वे एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करें और किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें। अगर किसी को कोई भी शंका या समस्या होती है, तब वे तुरंत पुलिस से संपर्क करें।

संभल प्रशासन की ओर से सुनिश्चित किया जा रहा है कि त्यौहारों के दौरान सभी आवश्यक कदम उठाए जाए। फायर ब्रिगेड, एंबुलेंस, और अन्य आपातकालीन सेवाओं को भी अलर्ट पर रखा गया है ताकि किसी भी स्थिति में त्वरित सहायता उपलब्ध कर सके। पुलिस अधिकारियों की पेट्रोलिंग लगातार जारी रहेगी और हर छोटी-बड़ी गतिविधि पर नजर रखी जाएगी। एसपी विश्नोई ने सभी नागरिकों से अनुरोध कर कहा कि वे प्रशासन का सहयोग करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें।

वन नेशन वन इलेक्शन कराने के मोदी की सरकार के खिलाफ हुए पूर्व सीजेआई गोगोई

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा सांसद एवं पूर्व सीजेआई रंजन गोगोई वन नेशन वन इलेक्शन कराने के प्रधानमंत्री मोदी की सरकार के रुख के खिलाफ है। दरअसल, वन नेशन वन इलेक्शन को लेकर बनाए जाने वाले कानून से पहले जस्टिस गोगोई ने यह राय दी है। इस प्रस्तावित कानून से संबंधित विधेयक संसद की संयुक्त संसदीय समिति के पास है। इसको लेकर हुई संसदीय समिति की बैठक में रंजन गोगोई ने अपनी राय रखी है, जो सरकार के रुख से अलग है।

जस्टिस गोगोई ने कहा कि चुनाव आयोग को किसी राज्य के विधानसभा के कार्यकाल का निर्णय करने के लिए अनियंत्रित शक्तियां नहीं दी जा सकतीं। गोगोई ने संसद की संयुक्त समिति के साथ तीन घंटे की चर्चा में एक साथ चुनावों पर बिल में खामियों की ओर इशारा किया। उन्होंने चेतावनी दी कि चुनाव आयोग (ईसी) को शेड्यूल तय करने के लिए अनियंत्रित शक्तियां देना उचित नहीं होगा। रिपोर्ट के मुताबिक भाजपा सांसद पीपी चौधरी की अध्यक्षता वाली संसदीय संयुक्त समिति संविधान (129वां संशोधन) विधेयक, 2024 की समीक्षा कर रही है, जिसे 17 दिसंबर, 2024 को लोकसभा में पेश किया गया था। यह विधेयक चुनाव आयोग को लोकसभा और सभी राज्य विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव कराने का अधिकार देने का प्रयास करता है।

सूत्रों के अनुसार, डीएमके राज्यसभा सदस्य पी। विल्सन ने बताया कि नए बिल की धारा 82 ए(5) में कहा गया है कि यदि ईसी की राय है कि किसी विधानसभा के चुनाव लोकसभा के आम चुनाव के साथ नहीं कराए जा सकते, तो वह राष्ट्रपति को सिफारिश कर सकता है कि उस विधानसभा के चुनाव बाद में कराए जाएं। चुनाव आयोग के लिए समय सीमा निर्दिष्ट न करके, क्या यह कानून उसे मनमानी और अनियंत्रित शक्तियां नहीं दे रहा है। जस्टिस गोगोई ने इस तर्क को स्वीकार किया और कहा कि यह उचित नहीं होगा और इस धारा को संशोधित करने की आवश्यकता है ताकि खामियों को दूर किया जा सके और यह कानूनी रूप से टिकाऊ नहीं है। उन्होंने कहा कि ईसी को राज्य विधानसभा के कार्यकाल को बढ़ाने या घटाने के लिए अनियंत्रित शक्तियां नहीं दी जा सकतीं। चर्चा के दौरान कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने 1991 के आम चुनावों का उदाहरण भी दिया, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री चंद्रशेखर ने पंजाब में कानून और व्यवस्था की स्थिति का हवाला देते हुए राज्य में आम चुनाव रोक दिए

थे। पंजाब की लोकसभा सीटों के चुनाव 1992 में विधानसभा चुनाव के साथ हुए थे। चुनाव आयोग के पास केंद्र सरकार के विपरीत ऐसे निर्णय लेने के लिए मशीनरी नहीं है। पिछली बैठक में भारत के पूर्व मुख्य जस्टिस यूयू ललित ने भी बिल में कई खामियों की ओर इशारा किया था और कहा था कि यह कानूनी चुनौती का सामना नहीं कर सकता।

अमेरिकी उप राष्ट्रपति वेंस और खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड आएंगे भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई अमेरिकी सरकार के दो बड़े अधिकारी भारत की यात्रा पर आने वाले हैं। अगले हफ्ते अमेरिकी खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड भारत आएंगी। इसके बाद मार्च के आखिरी सप्ताह में उप राष्ट्रपति जेडी वेंस पत्नी उषा वेंस के संग भारत आएंगे। अमेरिका की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड एशिया की यात्रा पर जा रही हैं। अगले सप्ताह भारत में एक सुरक्षा सम्मेलन में वह शामिल होंगी। सोमवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में गबार्ड ने घोषणा की कि वह जापान, थाईलैंड और भारत की यात्रा कर रही हैं और वापस अमेरिका लौटते समय फ्रांस जाएंगी। ट्रंप प्रशासन में शामिल होने के बाद यह उनकी दूसरी यात्रा है।

नेशनल इंटेलिजेंस की डायरेक्टर बनने के बाद उन्होंने जर्मनी के म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में हिस्सा लिया था। नई दिल्ली में रायसीना डायलॉग में तुलसी का भाषण भी होगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक ब्रिटेन के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जोनाथन पॉवेल और कनाडाई सुरक्षा खुफिया सेवा सीएसआईएस के डायरेक्टर डेनियल रॉर्स के भी सुरक्षा सम्मेलन में हिस्सा लेने की उम्मीद है। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय ने 2022 से भू-राजनीति और भू-अर्थशास्त्र पर देश के प्रमुख सम्मेलन रायसीना डायलॉग के मौके पर सुरक्षा सम्मेलन की मेजबानी की है। उनके अलावा अमेरिका में ट्रंप के नंबर दो यानी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भी इसी महीने के अंत में भारत की यात्रा करेंगे। अमेरिका का उपराष्ट्रपति बनने के बाद जेडी वेंस की यह दूसरी विदेश यात्रा होगी। पोलिटिको की एक रिपोर्ट के मुताबिक जेडी वेंस के साथ उनकी पत्नी उषा वेंस भी होंगी। वेंस ने पिछले महीने फ्रांस और जर्मनी की अपनी पहली विदेश यात्रा की थी। अपनी पहली विदेश यात्रा के दौरान जर्मनी के म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में एक उग्र भाषण दिया था, जहां उन्होंने अवैध प्रवासन से निपटने, धार्मिक स्वतंत्रता की अनदेखी करने और चुनावों को पलटने के लिए यूरोपीय सरकारों की आलोचना की।

शुभेंदु के बयान पर ममता का पलटवार, मैं एक हिंदू हूं और मुझे भाजपा से सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी की टिप्पणी की आलोचना की। सीएम ममता ने भाजपा पर आरोप लगाया कि वह रमजान के पवित्र महीने में मुसलमानों को निशाना बनाया जा रहा हैं ताकि आर्थिक और व्यापारिक मुद्दों से ध्यान भटकाया जा सके। विधानसभा में सीएम बनर्जी ने कहा, लोकतंत्र स्थायी है, लेकिन कुर्सी नहीं। कुर्सी का सम्मान करें। वे सांप्रदायिक बयान देकर देश का ध्यान आर्थिक और व्यापारिक पतन से भटकाने की कोशिश कर रहे हैं। मैं एक हिंदू हूं और मुझे भाजपा से सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं है।

बीजेपी नेता अधिकारी के बयान पर प्रतिक्रिया देकर कहा, हमें संकल्प लेना चाहिए और एक धर्म को नीचा दिखाने वाले बयान की निंदा करनी चाहिए। ममता ने कहा, हिंदुओं की सुरक्षा हमारी जिम्मेदारी है, सिर्फ आपकी नहीं। यह इस कुर्सी की जिम्मेदारी है। यह टिप्पणी राज्य में चल रहे राजनीतिक तनाव के बीच आई है, जिसमें भाजपा

और टीएमसी धार्मिक और शासन के मुद्दों पर तीखी नोकझोंक कर रहे हैं। भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने कहा था, सबसे पहले मैं बिमान बंधोपाध्याय (स्पीकर) को हराऊंगा, फिर ममता को। इसके बाद, जब बंगाल में भाजपा सरकार आएगी तब टीएमसी के उन मुस्लिम विधायकों को सड़क पर फेंक दिया जाएगा।'

ममता सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए बीजेपी अधिकारी ने कहा, ममता ने समाज को बांट दिया है... राम मंदिर उद्घाटन के दिन ममता ने बंगाल में मार्च निकाला... टीएमसी हिंदू विरोधी सरकार है। हिंदू हितों के लिए जो भी जरूरी होगा, मैं करूंगा। ममता हटाओ... चोर ममता हटाओ! इससे पहले मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल के हर जिले में मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं की जांच के लिए एक समिति बनाई थी।

फसल पर फिर मंडराया संकट, कई राज्यों में बारिश के अलर्ट ने किसानों की बढ़ाई चिंता

नई दिल्ली (एजेंसी)। साल पर तक कठिन परिश्रम करने के बाद तैयार हुई फसल पर संकट के बादल घिरते नजर आ रहे हैं। इसी बीच मौसम ने ऐसी करवट बदली है, जिसने किसानों की टेंशन बढ़ा दी है। मौसम विभाग के मुताबिक एक पश्चिमी विक्षोभ यानी वेस्टर्न डिस्टर्बेंस का छोटा स्पेल इस वक्त उत्तर भारत में सक्रिय हो चुका है। पंजाब-हरियाणा सहित राजस्थान-यूपी में गुरुवार से बारिश का दौर शुरू होने वाला है। बारिश के साथ ओले पड़ने की भी आशंका जताई जा रही है, जिसे लेकर किसान चिंतित हैं। बताया गया कि 13 से 15 मार्च तक मौजूदा वेस्टर्न डिस्टर्बेंस का यह स्पेल सक्रिय रहेगा। इसके कारण पहाड़ी क्षेत्र जैसे जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बर्फबारी हो सकती है। उधर, पाकिस्तान के अलावा उत्तर पश्चिमी राजस्थान सहित पंजाब, दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा व उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों

में में चक्रवाती परिसंचरण के कारण बारिश हो सकती है। दावा किया जा रहा है कि कुछ स्थानों पर बारिश के साथ-साथ ओले भी पड़ने की संभावना है। पिछले साल भी इस मौसम में देश के कुछ हिस्सों में ओलावृष्टि के कारण किसानों को नुकसान उठाना पड़ा था। कहा गया कि एक ओर इस बारिश और ओलावृष्टि से हिमालयी राज्यों में बर्फबारी की कमी दूर होगी। वहीं दूसरी ओर उत्तर भारत के किसान आसमान से आ रही आफत को देखते हुए सावधान रहने की जरूरत है। फसल कटने के वक्त से ठीक पहले तेज बारिश और ओले पड़ने के कारण गेहूं की फसल पर इसका भारी नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है। किसानों को उम्मीद है कि इस साल अच्छी फसल होगी। लेकिन कटाई के वक्त मौसम में यह बदलाव देश के अन्नदाताओं पर कहर ढहा सकता है। स्काईमेट वेदर की रिपोर्ट के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ भूमध्यसागर से उठने वाले तूफान हैं, जो सर्दियों में पश्चिमी हिमालय में बारिश और बर्फबारी का कारण बनते हैं। मार्च आते-आते इनकी सक्रियता अमूमन कम होने लगती है लेकिन इस बार मौसम का मिजाज कुछ अलग है।

भारत के बड़े मंदिर करते हैं जमकर कमाई, सरकार को देते हैं भारी भरकम टैक्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में लाखों मंदिर हैं और इनसे होने वाले करोड़ों की कमाई और उस पर टैक्स को लेकर इन दिनों एक बहस छिड़ी हुई है। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि बीजेपी सरकार मंदिरों को जीएसटी बकाया का नोटिस भेज रही है। उधर, बीजेपी ने इस मामले में कांग्रेस पर हमला बोला है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एक विश्लेषण के बाद पता चला है कि भारत का सबसे अमीर मंदिर ट्रस्ट तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम है, जो वित्त वर्ष 2025 में अपनी 4,774 करोड़ रुपए की वार्षिक आय पर 1.5 फीसदी से कम जीएसटी का भुगतान करेगा। नवंबर 2024 में, देश के सबसे धनी मंदिरों में से एक तिरुवनंतपुरम के श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर को बकाया टैक्स भुगतान के लिए नोटिस भेजा था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक साल साल की अवधि के लिए मांग केवल 1.57 करोड़ रुपए की थी, जबकि मंदिर ने अकेले 2014 में 700 करोड़ रुपए कमाए थे।

वहीं वैष्णो देवी मंदिर ने वित्त वर्ष 2024 में 683 करोड़ रुपए कमाए, जिसमें से 255 करोड़ रुपए चढ़ावे से आए, जो टैक्स-फ्री हैं और 133.3 करोड़ रुपए ब्याज से आए। टीटीडी के मामले में 4,800 करोड़ रुपए की कमाई में से एक तिहाई से ज्यादा हुंडी संग्रह से आए हैं। इस मामले में जीएसटी के तहत टैक्स लायबिलिटी वित्त वर्ष 2021 से पांच सालों में करीब 130 करोड़ रुपए रही है। हालांकि, इस मामले में मंदिरों के आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन भारत के दो सबसे बड़े मंदिर ट्रस्टों की आय पिछले सात सालों में दोगुनी हो गई है।

साल दर साल मंदिरों की आय बढ़ रही है जिसमें तिरुपति ट्रस्ट का वित्त वर्ष 2017 में बजट 2,678 करोड़ था, जो इसकी वेबसाइट के मुताबिक वित्त वर्ष 2025 में बढ़कर 5,145 करोड़ रुपए हो गया। वैष्णो देवी ट्रस्ट की आय वित्त वर्ष 2017 में 380 करोड़ रुपए से बढ़कर वित्त वर्ष 2024 में 683 करोड़ रुपए हो गई है। संसद में दी गई जानकारी के मुताबिक तिरुपति मंदिर ने वित्त वर्ष 2017 में 14.7 करोड़ रुपए, वित्त वर्ष 2022 में 15.58 करोड़ रुपए, वित्त वर्ष 2023 में 32.15 करोड़ रुपए और वित्त वर्ष 2024 में 32.95 करोड़ रुपए का जीएसटी भुगतान किया गया।

वहीं प्रसाद और धार्मिक समारोह जीएसटी संग्रह से मुक्त होते हैं। टीटीडी और वैष्णो देवी के मामले में यह आय एक तिहाई से ज्यादा थी। वित्त वर्ष 2024 में वैष्णो देवी मंदिर ट्रस्ट ने अपनी आय का 37 फीसदी दान से अर्जित किया। वहीं, वित्त वर्ष 2025 में टीटीडी को दान से करीब 4,800 करोड़ रुपए अर्जित करने की उम्मीद है। यदि कमरे का शुल्क एक हजार रुपए से ज्यादा है और यदि सामुदायिक हॉल या खुले क्षेत्र का शुल्क 10 हजार रुपए से ज्यादा है, तो परिसर के किराए पर जीएसटी

लगाया जाता है। व्यवसाय के लिए किराए पर दी गई दुकानों और अन्य स्थानों पर भी जीएसटी नहीं लगता है, यदि मासिक किराया 10 हजार रुपए से कम है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

भारत आएंगी अमेरिकी राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड ने सोमवार को कहा कि वह इंडो-पैसिफिक की बहु-राष्ट्र यात्रा के तहत भारत आएंगी, जिसका उद्देश्य राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शांति और स्वतंत्रता के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए मजबूत संबंध और खुले संचार मार्ग बनाना है। तुलसी गबार्ड ने एक हवाई जहाज में सवार होने की अपनी तस्वीर के साथ एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मैं इंडो-पैसिफिक की बहु-राष्ट्र यात्रा पर म्हील्सअप हूं, एक ऐसा क्षेत्र जिसे मैं बहुत अच्छी तरह से जानती हूं क्योंकि मैं प्रशांत क्षेत्र में पली-बढ़ी हूं। मैं जापान, थाईलैंड और भारत जाऊंगी, डीसी वापस आने के दौरान फ्रांस में एक संक्षिप्त ठहराव के साथ। उन्होंने आगे कहा, राष्ट्रपति ट्रंप के शांति, स्वतंत्रता और समृद्धि के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए मजबूत संबंध, समझ और खुले संचार मार्ग बनाना महत्वपूर्ण है। उनका पहला पड़ाव होनोलुलु होगा, जहां वह आईसी भागीदारों और इंडोपैकोम (यूएस इंडो-पैसिफिक कमांड) नेताओं और प्रशिक्षण में लगे हमारे सैनिकों से मिलेंगी। दूसरे ट्रंप प्रशासन में सीनेट की तरफ से पुष्टि की गई आठवीं और पहली महिला लड़ाकू अनुभवी राष्ट्रीय खुफिया निदेशक (डीएनआई) के रूप में कार्यभार संभालने के बाद यह तुलसी गबार्ड की भारत की पहली यात्रा होगी।

मिसिसिपी में मेडिकल हेलीकॉप्टर दुर्घटना में तीन की मौत

न्यू ऑर्लेअंस, एजेंसी। मिसिसिपी में सोमवार को एक मेडिकल ट्रांसपोर्ट हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें पायलट और दो अस्पताल कर्मियों की मौत हो गई। यूनिवर्सिटी ऑफ मिसिसिपी मेडिकल सेंटर के प्रवक्ता ने सभी की मौत की पुष्टि की। यूनिवर्सिटी ने बताया कि हेलीकॉप्टर उस समय किसी मरीज को नहीं ले जा रहा था, जब यह राजधानी जैक्सन के उत्तर में मैडिसन काउंटी में दुर्घटनाग्रस्त हुआ। अधिकारियों ने मृतकों के परिवारों को सूचित कर दिया है, लेकिन उनकी पहचान गोपनीय रखी गई है। दुर्घटना के कारण का पता नहीं चला है, जबकि संघीय विमानन प्रशासन के अधिकारी जांच के लिए घटनास्थल पर पहुंचे हैं। मिसिसिपी के गवर्नर टेट रीव्स ने इस हादसे पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि यह घटना हमें यह याद दिलाती है कि हमारे प्रथम प्रतिक्रियाकर्ता रोजाना हमारी सुरक्षा के लिए कितना जोखिम उठाते हैं।

जून में हो सकती है ट्रंप व शी की मुलाकात

वाशिंगटन, एजेंसी। टैरिफ युद्ध की छाया में चीन और अमेरिका के शीर्ष नेतृत्व के बीच अगले कुछ महीने में आमने-सामने की मुलाकात हो सकती है। अमेरिकी अखबार वॉल स्ट्रीट जर्नल ने सोमवार को सूत्रों के हवाले से बताया कि अमेरिका और चीन जून में अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच संभावित शिखर सम्मेलन आयोजित करने की वार्ता कर रहे हैं। यह बातचीत अभी प्रारंभिक चरण में है।

भविष्य में मेक्सिको व कनाडा के खिलाफ शुल्क में हो सकता है इजाफा : ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चुटकी लेते हुए कहा कि पड़ोसी देशों मेक्सिको व कनाडा के खिलाफ शुल्क भविष्य में और बढ़ सकता है। फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने कहा कि वैश्विक समुदाय अमेरिका को हमेशा से ठगता रहा है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि कारोबारी समुदाय शुल्क में स्पष्टता को देख सकता है। वैश्विक समुदाय हमेशा से अमेरिका को ठगता रहा है। वे अमेरिका से धन ले जाते रहे हैं और अहम उसमें से कुछ वापस लेते रहे हैं। हम अपने देश के साथ निष्पक्ष व्यवहार करेंगे। हम देशों के साथ उनके जैसा ही व्यवहार करेंगे। मालूम हो कि राष्ट्रपति का पद संभालने के बाद से ही ट्रंप ने टैरिफ वार छेड़ रखा है। इससे वैश्विक तौर पर अनिश्चितता की स्थिति भी बनी हुई है।

पेरू के पूर्व राष्ट्रपति कैस्टिलो ने जेल में शुरू की भूख हड़ताल

लीमा, एजेंसी। पेरू के पूर्व राष्ट्रपति पेड्रो कैस्टिलो ने सोमवार को यह घोषणा की कि वह अपने खिलाफ विद्रोह के आरोपों के लिए शुरू हुए मुकदमे का विरोध करने के लिए भूख हड़ताल शुरू कर रहे हैं। अभियोजन पक्ष ने उनके लिए 34 साल की सजा की मांग की है। बता दें कि कैस्टिलो, जो 7 दिसंबर 2022 से हिरासत में हैं तब जेल भेजे गए थे जब उन्होंने एक टेलीविजन भाषण में कांग्रेस को भंग करने और डिक्री द्वारा शासन करने का इरादा व्यक्त किया था। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कहा कि वे अपने खिलाफ किए गए अन्याय का विरोध करने के लिए भूख हड़ताल कर रहे हैं। कैस्टिलो ने आरोप लगाया कि न्यायाधीश नोर्मा कार्बाजल ने उनके मामले में पक्षपाती रवैया अपनाया। साथ ही विद्रोह के आरोप को शारीरिक हिंसा के बिना लागू किया। 55 वर्षीय कैस्टिलो ने अपने मुकदमे को राजनीतिक व नाटक करार दिया और न्यायिक सलाह को ठुकरा दिया। साथ ही कैस्टिलो ने यह भी कहा कि उन्होंने कभी विद्रोह की कोशिश नहीं की, बल्कि उन्होंने केवल एक राजनीतिक भाषण के जरिए लोगों की इच्छाओं को व्यक्त किया था। उनके खिलाफ 7 दिसंबर, 2022 को संसद को भंग करने का आरोप लगाया गया था, ताकि उन्हें सत्ता से हटाए जाने से बचा जा सके। हालांकि, कांग्रेस ने उन्हें हटाकर जेल भेज दिया और उनके उपाध्यक्ष दीना बोलुआर्टे ने राष्ट्रपति पद संभाला। इसके बाद पेरू में तीन महीने तक हिंसक विरोध प्रदर्शन हुए, जिनमें 50 से अधिक लोग मारे गए।

अमेरिकी विदेश मंत्री बोले- यूक्रेन को अपनी जमीन छोड़नी होगी

कहा- कड़े फैसले लेने के लिए तैयार रहें ; बातचीत के लिए रुबियो सऊदी पहुंचे

जेद्दाह, एजेंसी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने यूक्रेन से जंग के समाधान के लिए जमीन छोड़ने को कहा है। रुबियो ने सोमवार को कहा कि यूक्रेन के जिस इलाके पर रूस का 2014 से कब्जा है, उसमें यूक्रेन को रियायत देनी होगी।

उन्होंने कहा- मुझे लगता है कि दोनों पक्षों को यह समझने की जरूरत है कि इस संघर्ष का कोई सैन्य समाधान नहीं है। रूस पूरे यूक्रेन पर कब्जा नहीं कर सकता है और यूक्रेन के लिए भी यह बेहद कठिन होगा कि वह रूस को 2014 से पहले की स्थिति में वापस धकेल सके। रुबियो ने रूस और यूक्रेन से कड़े फैसले लेने के लिए तैयार रहने को कहा। रुबियो सऊदी अरब पहुंचे हैं। वे यहां यूक्रेन के सीनियर अधिकारियों के साथ मुलाकात करेंगे।

जेलेंस्की भी सऊदी पहुंचे, बातचीत में शामिल नहीं होंगे : यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की भी सोमवार को सऊदी अरब पहुंचे। हालांकि, जेलेंस्की अमेरिकी विदेश मंत्री रुबियो के साथ बैठक में शामिल नहीं होंगे। उनकी टीम इस बैठक में मौजूद रहेगी। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक इस बैठक का मकसद 27 फरवरी को ट्रम्प और जेलेंस्की के बीच हुई तीखी बहस की भरपाई करना है। इसमें यूक्रेन को मिलने वाली अमेरिकी सैन्य मदद और खुफिया जानकारी पर भी चर्चा होगी। जेलेंस्की और रुबियो सऊदी के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से मुलाकात करेंगे। हालांकि, दोनों के बीच आपस में कोई मुलाकात नहीं होगी।

अमेरिका ने यूक्रेन को 8.7 हजार करोड़ रुपए की सैन्य मदद रोकी : अमेरिका ने यूक्रेन को दी जाने वाली सैन्य मदद पर रोक लगा दी है। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक इससे एक अरब डॉलर (8.7 हजार करोड़ रुपए) के हथियार और गोला-बारूद संबंधी मदद पर असर पड़ सकता है। इन्हें जल्द ही यूक्रेन को डिलीवर किया जाना था। ट्रम्प के आदेश के बाद उस मदद को भी रोक दिया गया है, जिसका इस्तेमाल यूक्रेन सिर्फ अमेरिकी डिफेंस कंपनियों से सीधे नए सैन्य हार्डवेयर खरीदने के लिए कर सकता है। अमेरिकी सहायता रोके जाने पर राष्ट्रपति जेलेंस्की की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने सीएनएन से कहा कि यह साफ है कि फैसला जेलेंस्की के बुरे बर्ताव की वजह से उठाया गया। उन्होंने कहा कि अगर जेलेंस्की जंग को खत्म करने के लिए बातचीत की कोशिश करते हैं, तब शायद ये रोक हटाई जा सकती है।

यूक्रेन से खुफिया जानकारी शेयर नहीं करेगा अमेरिका : अमेरिका ने 5 मार्च से यूक्रेन के साथ सीक्रेट जानकारी शेयर करके पर रोक लगाई। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइक वाल्ट्ज का कहना है कि हमने यूक्रेन के साथ खुफिया जानकारी साझा करने के मामले में एक कदम पीछे ले लिया है। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि हम इस मामले के सभी पहलुओं पर विचार कर रहे हैं और इसकी समीक्षा कर रहे हैं। वाल्ट्ज ने यूक्रेन के एनएसए से फोन पर बात की।

यूक्रेन पर 2 से 4 महीने में दिखेगा मदद रुकने का असर : सेंटर फॉर स्ट्रेटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज के मार्क कैन्सियन ने कहा कि अमेरिका के मदद रोकने के फैसले से यूक्रेन पर बहुत असर पड़ने वाला है। ट्रम्प के इस फैसले ने एक तरह से यूक्रेन को 'अपंग' कर दिया है। कैन्सियन ने कहा कि अमेरिकी मदद रुकने का मतलब है कि अब यूक्रेन की ताकत आधी हो गई है। इसका असर दो से चार महीने में दिखने लगेगा। फिलहाल यूरोपीय देशों से मिलने वाली सहायता से यूक्रेन कुछ समय तक लड़ाई में बना रहेगा।

यूक्रेन की सैन्य मदद रोकने के फैसले से क्या असर पड़ेगा : अमेरिका यूक्रेन का एक प्रमुख समर्थक रहा है। पिछले 3 साल में अमेरिका ने यूक्रेन को रूस के खिलाफ संघर्ष में हथियार, गोला-बारूद और वित्तीय सहायता दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस मदद के बंद होने से यूक्रेन की रक्षा क्षमता पर असर पड़ेगा। यूक्रेन को अपने इलाके पर पकड़ बनाए रखने में मुश्किलें आ सकती हैं। यूक्रेन की सेना अमेरिका से मिले हथियारों खासकर तोप, ड्रोन और मिसाइल सिस्टम पर बहुत निर्भर रहा है। इसके बंद होने के बाद यूक्रेन का रूसी हमलों का जवाब देना मुश्किल हो जाएगा। इससे रूस, यूक्रेन के कुछ और इलाकों पर कब्जा कर सकता है।

अमेरिका के मिसिसिपी में मेडिकल हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त, तीन लोगों की मौत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में विमान हादसों का सिलसिला जारी है। इस बार मिसिसिपी में एक हेलीकॉप्टर हादसे का शिकार हो गया है। हादसा सोमवार को उस वक्त हुआ, जब एक मेडिकल परिवहन हेलीकॉप्टर दुर्घटना का शिकार हो गया। इस दौरान हेलीकॉप्टर के एक पायलट और दो अस्पताल कर्मियों की मौत हो गई।

विमान में सवार सभी लोगों की मौत की पुष्टि : 'यूनिवर्सिटी ऑफ मिसिसिपी मेडिकल सेंटर' के प्रवक्ता ने विमान में सवार सभी लोगों की मौत की पुष्टि कर दी है। यूनिवर्सिटी ने पहले दिए गए एक बयान में कहा कि मेडिसन काउंटी में जिस समय यह दुर्घटना हुई, उस वक्त एयरकेयर हेलीकॉप्टर यानी चिकित्सा के कार्य में इस्तेमाल होने वाला हेलीकॉप्टर में किसी मरीज को नहीं ले जाया जा रहा था।

दुर्घटना का कोई कारण नहीं बताया गया : हादसे में जान गंवाने वाले तीनों लोगों के परिवारों को सूचित कर दिया गया है, लेकिन अधिकारियों ने गोपनीयता के कारण नाम जारी नहीं किए। यूनिवर्सिटी ने दुर्घटना का कोई कारण नहीं बताया। टेलीविजन स्टेशन 'डब्ल्यूएपीटी' ने बताया कि संघीय विमानन प्रशासन के अधिकारी दुर्घटनास्थल के लिए रवाना हो गए हैं।

नायकों के बलिदान को कभी नहीं भूलेगा : मिसिसिपी के गवर्नर टेट रीव्स ने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा, यह दुखद घटना मिसिसिपी के चिकित्सा से जुड़े कर्मियों की ओर से उठाए जाने वाले जोखिमों की याद दिलाती है। हमारा राज्य इन नायकों के बलिदान को कभी नहीं भूलेगा।

फिलीपींस के पूर्व राष्ट्रपति रोड्रिगो दुतेर्ते गिरफ्तार, आईसीसी के वारंट पर हुई कार्रवाई

मनीला, एजेंसी। फिलीपींस के पूर्व राष्ट्रपति रोड्रिगो दुतेर्ते को मंगलवार को मनीला इंटरनेशनल एयरपोर्ट से गिरफ्तार कर लिया गया। अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय के आदेश पर यह कार्रवाई की गई। दरअसल अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय ने दुतेर्ते के खिलाफ मानवता के खिलाफ अपराध के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। दुतेर्ते मंगलवार को हॉन्ग-कॉन्ग से फिलीपींस की राजधानी मनीला पहुंचे थे, जहां एयरपोर्ट पर ही उन्हें हिरासत में ले लिया गया। दुतेर्ते पर आरोप है कि उनके राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान ड्रग्स के कारोबार के खिलाफ कार्रवाई की गई थी, जिसमें बड़े पैमाने पर लोगों की हत्याएं हुईं। अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय ने 1 नवंबर 2011 को दुतेर्ते के खिलाफ जांच शुरू की। उस वक्त दुर्तेते फिलीपींस के दावाओ शहर के मेयर थे। आईसीसी की जांच 16 मार्च 2019 तक चली। दुतेर्ते के राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान आईसीसी की जांच को निरस्त कराने की कोशिश की गई। हालांकि आईसीसी ने दुतेर्ते की मांग खारिज कर दी। दुतेर्ते साल 2022 में फिलीपींस की सत्ता से हटे।

पाकिस्तान की किरकिरी, राजदूत को अमेरिका में नहीं मिली एंट्री, एयरपोर्ट से वापस भेजे गए

इस्लामाबाद, एजेंसी। अमेरिका ने तुर्कमेनिस्तान में पाकिस्तान के राजदूत को अपने देश में प्रवेश करने से रोक दिया और लॉस एंजिल्स से निर्वासित कर दिया गया. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पाकिसातनी राजदूत केके अहसान वगान निजी यात्रा पर लॉस एंजिल्स पहुंचे थे, जब अमेरिकी आव्रजन अधिकारियों ने उन्हें हवाई अड्डे पर रोक लिया. हालांकि, उनके पास वैध वीजा और सभी कानूनी यात्रा दस्तावेज मौजूद थे, फिर भी उन्हें लॉस एंजिल्स एयरपोर्ट से वापस भेज दिया गया है. पाकिस्तान के न्यूज पोर्टल द न्यूज ने विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के हवाले से कहा कि राजदूत केके वगान को अमेरिका से निर्वासित कर दिया गया. अधिकारियों को आव्रजन संबंधी आपत्ति थी, जिसके कारण उन्हें निर्वासित किया गया. रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी आव्रजन अधिकारियों ने वगान को विवादास्पद वीजा संदर्भ के रूप में पहचाना, जिसके कारण उन्हें तत्काल निर्वासित कर दिया गया.

अनुभवी राजनयिक हैं वगान : केके अहसान वगान पाकिस्तान के अनुभवी राजनयिक हैं. वह लंबे समय से पाकिस्तान की विदेश सेवा में हैं. पिछले कुछ वर्षों में, उन्होंने कई प्रमुख कार्यभार संभाले हैं, जिनमें काठमांडू में पाकिस्तान के दूतावास में द्वितीय सचिव, लॉस एंजिल्स में पाकिस्तान के महावाणिज्य दूतावास में उप महावाणिज्यदूत, ओमान के मस्कट में पाकिस्तान मिशन के उप प्रमुख और नाइजर में पाकिस्तान के राजदूत रह चुके हैं.

पाकिस्तानी नागरिकों पर यात्रा प्रतिबंध : इस बीच, पाकिस्तान के विधि एवं न्याय राज्य मंत्री बैरिस्टर अकील मलिक ने सोमवार को स्वीकार किया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में नए अमेरिकी प्रशासन द्वारा पाकिस्तानी नागरिकों पर कुछ यात्रा प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं. मलिक

ने कहा कि अमेरिका ने पाकिस्तान में आतंकवाद से संबंधित घटनाओं में वृद्धि पर चिंता जताई है, लेकिन ट्रंप प्रशासन ने अब तक पाकिस्तानी नागरिकों पर सीधे यात्रा प्रतिबंध नहीं लगाया है. पाकिस्तान को डर है कि सुरक्षा और जोखिम की जांच के आधार पर नए यात्रा प्रतिबंध लगाने के लिए ट्रंप प्रशासन द्वारा तैयार की जा रही सूची में अफगानिस्तान के साथ-साथ पाकिस्तान भी निश्चित रूप से शामिल होगा.

अमेरिका ने पाकिस्तान के लिए जारी किया था यात्रा परामर्श : इस महीने की शुरुआत में, अमेरिकी विदेश विभाग ने अपने नागरिकों को यात्रा परामर्श जारी किया था, जिसमें सलाह दी गई है कि आतंकवाद और सशस्त्र संघर्ष की संभावना के कारण पाकिस्तान की यात्रा सोच-समझ कर करें. साथ ही अमेरिकी नागरिकों को आतंकवाद के कारण बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा प्रांतों की यात्रा नहीं करने की सलाह दी गई है. यात्रा परामर्श में कहा गया कि हाल के दिनों में पाकिस्तान में आतंकवादी और चरमपंथी घटनाएं बढ़ी हैं और सैन्य और पुलिस चौकियों पर हमले हुए हैं. आतंकवादी बिना किसी चेतावनी के परिवहन केंद्रों, बाजारों, शॉपिंग मॉल, सैन्य प्रतिष्ठानों, हवाई अड्डों, विश्वविद्यालयों, पर्यटक स्थलों, स्कूलों, अस्पतालों, पूजा स्थलों और सरकारी सुविधाओं को निशाना बनाकर हमला कर सकते हैं. यह भी कहा गया कि आतंकवादियों ने पहले भी अमेरिकी राजनयिकों और राजनयिक सुविधाओं को निशाना बनाया है.

राजधानी मॉस्को पर बड़ा ड्रोन हमला, रूसी सुरक्षा बलों ने 337 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए : मॉस्को, एजेंसी। रूस की राजधानी मॉस्को पर मंगलवार सुबह बड़े पैमाने पर ड्रोन हमला हुआ। इसे लेकर मॉस्को के मेयर सर्गेई सोब्यानिन ने बताया कि रूसी सुरक्षा बलों ने 337 से ज्यादा यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए। उनके मुताबिक इस हमले के दौरान कम से कम 11 ड्रोन मॉस्को के आसपास के रामेंस्की और डोमोडेडोवो जिलों में गिराए गए। इस दौरान कई ड्रोन जो मॉस्को की ओर बढ़ रहे थे, उन्हें सुरक्षा बलों ने नष्ट कर दिया। मॉस्को के मेयर ने आगे बताया कि, डोमोडेडोवो, व्नुकोवो, शेरेमेत्येवो और झूकोवस्की हवाई अड्डों पर उड़ानों को अस्थायी रूप से रोक दिया गया। डोमोडेडोवो रेलवे स्टेशन पर ट्रेन सेवा भी अस्थायी रूप से बाधित रही। इस ड्रोन हमले में एक शख्स की मौत और तीन लोगों के घायल होने सूचना है।

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख सीरिया के तटीय क्षेत्र में सामूहिक हत्याओं से चिंतित : प्रवक्ता

न्यूयॉर्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने सीरिया के तटीय इलाकों में बढ़ती हिंसा पर गहरी चिंता जताई है, जहां बड़े पैमाने पर हत्याएं हुई हैं, जिनमें एक संयुक्त राष्ट्र कर्मचारी भी शामिल था। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने बताया कि महासचिव ने सीरियाई लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की है जो अपने प्रियजनों को खो चुके हैं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

गुटेरेस ने सभी पक्षों से अपील की है कि वे आम नागरिकों की सुरक्षा करें और हिंसा भड़काने वाली बयानबाजी व कार्रवाइयों को रोकें। सीरिया में 14 वर्षों से जारी संघर्ष के बीच उन्होंने समुदायों के बीच बढ़ते तनाव पर चिंता व्यक्त की है। प्रवक्ता ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने रक्तपात को तुरंत रोकने और हिंसा करने वालों को सजा दिलाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि सीरिया के लोगों की चिंताओं को गंभीरता से सुना जाना चाहिए। दुजारिक ने कहा, महासचिव ने कार्यवाहक अधिकारियों द्वारा एक जांच समिति और नागरिक शांति बनाए रखने के

लिए एक समिति की घोषणा का संज्ञान लिया है। उन्होंने कहा कि सीरिया में स्थायी शांति के लिए निष्पक्ष और पारदर्शी न्याय प्रक्रिया और सुलह अत्यंत आवश्यक हैं। सीरिया के लटाकिया और टार्टूस प्रांतों में बड़े पैमाने पर हत्याओं और झड़पों की खबरों के बीच यह बयान आया है। यहां सुरक्षा बल पूर्व सरकार के बचे हुए संदिग्ध लोगों के खिलाफ कार्रवाई कर रहे हैं। गुरुवार को इन तत्वों ने लटाकिया में कई हमले किए, जिनमें 16 सुरक्षा कर्मियों की मौत हो गई। सरकार ने इन हमलों को पहले से सुनियोजित बताया है। ब्रिटेन स्थित सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स के अनुसार, रविवार तक जारी झड़पों में 1,000 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं, जिनमें 830 नागरिक हैं। संयुक्त राष्ट्र प्रवक्ता दुजारिक ने बताया कि हिंसा के कारण आम नागरिकों और बुनियादी ढांचे पर गंभीर प्रभाव पड़ा है। रविवार तक सैकड़ों लोगों की मौत हो चुकी थी, जिनमें महिलाएं, बच्चे और चिकित्सा कर्मी शामिल हैं। हजारों लोग अपने घर छोड़ने को मजबूर हुए हैं, और कई लोग लेबनान चले गए हैं। उन्होंने कहा कि लटाकिया प्रांत में बिजली कटौती के कारण जल आपूर्ति बाधित हुई है। लटाकिया और टार्टूस में रविवार और सोमवार को स्कूल बंद रहे। हिंसा के चलते होम्स-लटाकिया राजमार्ग बंद है, जिससे मानवीय सहायता पहुंचाने में दिक्कत हो रही है। इलाके के छह प्रमुख अस्पताल और कई एंबुलेंस बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। अन्य चिकित्सा केंद्रों को तुरंत दवाइयों और सहायता की जरूरत है। गुटेरेस ने झूठी सूचनाओं के प्रसार और बढ़ते तनाव को देखते हुए स्वतंत्र मीडिया और मानवाधिकार संगठनों के लिए सुरक्षित माहौल बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया है, ताकि हालात की पारदर्शी जांच हो सके।

न्यूयॉर्क में हड़ताल के बाद काम पर न लौटने वाले 2,000 जेल प्रहरियों पर सख्ती, नौकरी से निकाला गया

न्यूयॉर्क, एजेंसी। न्यूयॉर्क में सप्ताह भर चली हड़ताल के बाद काम पर वापस नहीं लौटने पर प्रशासन ने सोमवार को 2,000 से अधिक जेल प्रहरियों को नौकरी से निकाल दिया है। प्रशासन ने कहा कि हड़ताल को समाप्त घोषित करने के लिए पर्याप्त अधिकारी काम पर वापस आ गए हैं। कमिश्नर डैनियल मार्टुसेलो ने एक वर्चुअल संवाददाता सम्मेलन में कहा, 22 दिनों की अवैध हड़ताल के बाद, गवर्नर और मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि अब हड़ताल समाप्त हो गई है।

अतिरिक्त कर्मचारियों के लिए तेजी से चलाया जाएगा भर्ती अभियान : राज्य और जेल के प्रहरियों की यूनियन ने इस सप्ताहांत हड़ताल समाप्त करने के लिए एक नया समझौता किया, लेकिन यह सोमवार की सुबह तक कम से कम 85 फीसदी कर्मचारियों के काम पर लौटने पर निर्भर था। यह संख्या समझौते को गति देने के लिए आवश्यक 85 फीसदी के लक्ष्य से कम थी। मार्टुसेलो ने कहा कि राज्य समझौते के ओवरटाइम और कुछ अन्य प्रावधानों का सम्मान करेगा। उन्होंने कहा कि नेशनल गार्ड जेलों में सहायक पद पर रहेंगे, जबकि विभाग अतिरिक्त कर्मचारियों के लिए तेजी से भर्ती अभियान चलाएगा। उन्होंने बताया कि राज्य भर की जेलों में काम करने के लिए लगभग 10,000 सुरक्षा कर्मचारी उपलब्ध हैं, जबकि हड़ताल से पहले यह संख्या

लगभग 13,500 थी।

2000 कर्मचारियों को भेजा गया बर्खास्तगी पत्र

उन्होंने कहा, हड़ताल कर रहे 2,000 से ज़्यादा अधिकारियों को बर्खास्तगी पत्र भेजे गए हैं। जिन अधिकारियों और सार्जेंटों के पास पहले से स्वीकृत चिकित्सा अवकाश नहीं था और जो आज सुबह 6:45 बजे तक वापस नहीं आए, उन्हें तत्काल प्रभाव से बर्खास्त कर दिया गया है। प्रहरियों की यूनियन न्यूयॉर्क स्टेट करेक्शनल ऑफिसर्स एंड पुलिस बेनेवोलेंट एसोसिएशन को प्रतिक्रिया के लिए एक ईमेल भेजा गया था। काम करने की स्थितियों पर असंतोष जताते हुए कई जेल प्रहरियों ने 17 फरवरी को हड़ताल शुरू कर दी, जिससे गवर्नर कैथी होचुल को संचालन बनाए रखने के लिए नेशनल गार्ड सैनिकों को भेजना पड़ा।

चीन ने स्ट्रोक और हार्ट अटैक के लिए वैक्सीन बनाने का किया बड़ा दावा

बीजिंग, एजेंसी। चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए चीन के वैज्ञानिकों ने स्ट्रोक और दिल के दौरे जैसी घातक बीमारियों की रोकथाम के लिए एक संभावित वैक्सीन विकसित करने का दावा किया है। यह वैक्सीन एथेरोस्क्लेरोसिस यानी धमनियों में फैटी प्लाक के निर्माण को रोकने में कारगर हो सकती है, जो रक्त के थक्के बनने, स्ट्रोक और हार्ट अटैक जैसी स्थितियों के लिए जिम्मेदार मानी जाती है।

क्या है एथेरोस्क्लेरोसिस : एथेरोस्क्लेरोसिस एक ऐसी स्थिति है जिसमें शरीर की धमनियों में वसा, कोलेस्ट्रॉल और अन्य पदार्थों के जमाव के कारण प्लाक बनता है। यह प्लाक धीरे-धीरे धमनियों को संकीर्ण कर देता है, जिससे रक्त का प्रवाह बाधित होता है। इसके कारण व्यक्ति को स्ट्रोक, एन्यूरिज्म और दिल के दौरे जैसी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। डॉक्टरों के अनुसार, यह एक सूजन संबंधी बीमारी है, जिसे शरीर की जन्मजात और अनुकूली प्रतिरक्षा प्रणाली नियंत्रित करने का प्रयास करती है। अब तक इस स्थिति का निदान स्कैनिंग के जरिए किया जाता था और इलाज के लिए एंजियोप्लास्टी जैसी जटिल सर्जिकल प्रक्रियाएं अपनाई जाती थीं, जिसमें स्टेंट के माध्यम से अवरुद्ध धमनियों को फिर से खोला जाता है। लेकिन चीन की नई वैक्सीन इस गंभीर बीमारी को रोकने के लिए एक गैर-आक्रामक विकल्प के रूप में सामने आई है।

वैश्विक स्तर पर हृदय रोगों की भयावह स्थिति : हृदय रोग आज के समय में दुनिया भर में मृत्यु के सबसे बड़े कारणों में से एक बन चुका है। अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के अनुसार, हर 34 सेकंड में एक व्यक्ति हृदय रोग के कारण

जान गंवा देता है। ऐसे में यदि दिल के दौरे और स्ट्रोक जैसी जानलेवा स्थितियों को रोकने के लिए कोई प्रभावी वैक्सीन विकसित हो जाती है, तो यह चिकित्सा क्षेत्र में एक क्रांतिकारी कदम होगा और लाखों जानें बचाई जा सकेंगी। चीन की नानजिंग यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित यह वैक्सीन नेचर कम्युनिकेशंस पत्रिका में प्रकाशित एक अध्ययन का हिस्सा है। इसमें बताया गया है कि यह वैक्सीन चूहों में एथेरोस्क्लेरोसिस के विकास को कम करने में सक्षम रही है। वैज्ञानिकों ने बताया कि यह वैक्सीन विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए नैनोकणों का उपयोग करती है। इनमें 'पी210' नामक एक एंटीजन को छोटे आयरन ऑक्साइड नैनोपार्टिकल्स पर चिपकाया जाता है। यह पी210 प्रोटीन पहले के अध्ययनों में एथेरोस्क्लेरोसिस के खिलाफ प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को सक्रिय करने में सहायक पाया गया है। इसके साथ ही, वैक्सीन में एक सहायक पदार्थ भी जोड़ा गया है, जो प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को और प्रभावी बनाने में मदद करता है। यह दो-आयामी (2डी) नैनो वैक्सीन डिज़ाइन चूहों की प्रतिरक्षा प्रणाली की डेंड्राइटिक कोशिकाओं को सक्रिय करता है, जो कि प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया की पहली पंक्ति होती हैं। इस प्रक्रिया से अंततः पी210 के खिलाफ एंटीबॉडीज का उत्पादन शुरू होता है, जो धमनियों में प्लाक बनने से रोकते हैं।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एसजी हाईवे पर गोता ब्रिज के पास भाजपा कार्यकर्ता के अवैध निर्माण पर बुलडोजर चला

अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉरपोरेशन (AMC) ने एसजी हाईवे के पास गोता ब्रिज क्षेत्र में स्थित नगर निगम की संपत्ति पर किए गए अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया। यह कार्रवाई उत्तर पश्चिम जोन के एस्टेट विभाग की टीम द्वारा की गई, जब यह सामने आया कि भाजपा के एक कार्यकर्ता ने सामान्य किराए पर लिए गए नगर निगम के प्लॉट पर अवैध निर्माण कर स्टॉल किराए पर देना शुरू कर दिया था।

कैसे हुआ खुलासा?

– नगर निगम के अधिकारियों को सूचना मिली कि एसजी हाईवे पर भाजपा के कार्यकर्ता ने नगर निगम के स्वामित्व वाले प्लॉट पर गैरकानूनी रूप से लोहे की एंगल और अन्य निर्माण कार्य कर स्टॉल बनाए थे।

– अवैध निर्माण को हटाने के लिए उत्तर पश्चिम जोन के एस्टेट विभाग ने बुधवार (12 मार्च 2025) को कड़ी कार्रवाई शुरू की।

बुलडोजर कार्रवाई: अवैध निर्माण ध्वस्त

– बुधवार सुबह AMC की टीम ने जेसीबी मशीन और मज़दूरों की मदद से अवैध निर्माण तोड़ने का काम शुरू किया।

– लोहे की बड़ी एंगल, दीवारें और अन्य अवैध संरचनाएं हटा दी गईं।

– यह कार्रवाई नगर निगम की ज़मीन पर अवैध अतिक्रमण को हटाने की सख्त नीति के तहत की गई।

नगर निगम की सख्त चेतावनी

– AMC ने स्पष्ट किया कि भविष्य में भी इस तरह के अवैध निर्माण पर सख्त कार्रवाई होगी।

– नगर निगम की जमीन पर अतिक्रमण करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा, चाहे वे किसी भी राजनीतिक दल से जुड़े हों।

यह मामला दिखाता है कि नगर निगम अब अवैध निर्माणों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर रहा है, भले ही वह किसी भी राजनीतिक दल के व्यक्ति ने किया हो।

दक्षिण गुजरात में 3 घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित

उद्योग ठप, लोग गर्मी से परेशान, टोरेंट पावर-DGVCL की आपूर्ति बहाल

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

दक्षिण गुजरात में बुधवार को अचानक बिजली आपूर्ति बाधित हो गई, जिससे चार घंटे तक व्यापार और उद्योग ठप पड़ गए। बिजली गुल होने से छोटे-बड़े उद्योगों को भारी नुकसान हुआ, जबकि आम लोग गर्मी से बेहाल हो गए। टोरेंट पावर और DGVCL (दक्षिण गुजरात विज कंपनी लिमिटेड) की पूरी आपूर्ति प्रभावित हुई थी, लेकिन अधिकारियों ने तत्परता दिखाते हुए शाम तक स्थिति सामान्य कर दी।

बिजली कटौती से उद्योगों को भारी नुकसान

बिजली आपूर्ति अचानक बाधित हो गई, जिससे सूरत, नवसारी, वलसाड और आसपास के औद्योगिक क्षेत्रों में कामकाज ठप हो गया। कपड़ा, डायमंड और अन्य औद्योगिक इकाइयों में मशीनें बंद होने से उत्पादन प्रभावित हुआ, जिससे उद्यमियों और श्रमिकों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

गर्मी से लोग बेहाल

बिजली कटौती के कारण एयर कंडीशनर और पंखे बंद हो गए, जिससे गर्मी और उमस में लोगों की मुश्किलें बढ़ गईं। खासकर अस्पतालों, कार्यालयों और घरों में बिजली गुल होने से लोग परेशान रहे।

DGVCL और टोरेंट पावर ने बहाल की आपूर्ति

बिजली कंपनी DGVCL और टोरेंट पावर की टीमों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए फॉल्ट को ठीक किया और शाम तक बिजली आपूर्ति पूरी तरह से बहाल कर दी गई। अधिकारियों ने बताया कि तकनीकी खराबी के कारण यह समस्या उत्पन्न हुई थी, लेकिन अब स्थिति नियंत्रण में है।

यह घटना 12 मार्च 2025 को दोपहर 2:50 बजे हुई, जब बिजली की खराबी के कारण सूरत समेत दक्षिण गुजरात के कई हिस्सों में बिजली गुल हो गई। इस वजह से सूरत के कारखानों में कामकाज बंद करना पड़ा, और बड़ी संख्या में लोग टोरेंट पावर के कार्यालय पहुंचकर विरोध करने लगे। हालाँकि, शाम 7 बजे तक टोरेंट पावर और DGVCL ने 100% क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बहाल कर दी।

बिजली संकट का प्रभाव:

–7 जिले, 45 तहसील, 23 शहर और 3461 गांव प्रभावित** हुए।

–32.37 लाख से अधिक ग्राहक प्रभावित हुए।

– 5200 मेगावाट की मांग के मुकाबले आपूर्ति केवल 700 मेगावाट रह गई।

बिजली कटौती के कारण:

DGVCL के एमडी योगेश चौधरी के अनुसार, 400 KV हाई वोल्टेज लाइन ट्रिप हो गई थी। स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर (जांबुआ) में इसे बहाल करने का प्रयास किया गया, लेकिन इस बीच तापी, भरूच, राजपीपला, सूरत और नवसारी के कई हिस्से प्रभावित हुए। उकाई थर्मल पावर स्टेशन के 4 यूनिट ट्रिप होने के कारण दक्षिण गुजरात के कई इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। इससे 500 मेगावाट बिजली उत्पादन बंद हो गया।

उद्योगों पर प्रभाव:

– हीरा उद्योग:

– डायमंड जॉबवर्क एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश घेटिया के अनुसार, इस कटौती से हीरा कटिंग और लेजर मशीनों को नुकसान हुआ।

– नुकसान80,000 से 1,50,000 तक हो सकता है।

– व्यापारी सुरेश वानिया ने बताया कि सॉफ्टवेयर क्रैश होने से मजदूरों की सैलरी प्रक्रिया प्रभावित होगी।

– कुछ व्यापारियों ने 65 लाख तक के नुकसान का अनुमान लगाया।

–कपड़ा उद्योग:

– अचानक बिजली कटने से महंगे मशीनों के हेड डैमेज हो सकते हैं।

– इज़रायल से आने वाले हेड्स की कमी के कारण रिपेयरिंग में 15 दिन तक लग सकते हैं।

– व्यापारी महेश धामेलिया के अनुसार, कई लेजर, शरीन और गैलेक्सी मशीनें खराब हो गईं।

अन्य क्षेत्रों पर प्रभाव:

– CNG पंप:

– बिजली न होने के कारण कई CNG पंप बंद हो गए, जिससे रिक्शा चालकों की लंबी कतारें लग गईं।

– हीरा कारखाने:

– पावर सप्लाई बहाल न होने के कारण कई कारखाने बंदकर दिए गए और श्रमिकों को छुट्टी देनी पड़ी।

– इस वजह से हीराबाग क्षेत्र में भारी ट्रैफिक जाम लग गया।

–रेलवे और अस्पताल:

– रेलवे सेवाओं पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा क्योंकि उनके पास बैकअप पावर मौजूद थी।

– सिविल अस्पताल में जनरेटर बैकअप के कारण सभी सेवाएं सुचारू रूप से चलती रहीं, केवल लिफ्ट बंद रखी गई।

एसएमसी की सिटी बस में बिना टिकट यात्रा

60 यात्री पकड़े गए विजिलेंस टीम ने कंडक्टर को रंगेहाथ पकड़ा

सिटी बस के कंडक्टर बिना टिकट यात्रियों से पैसे वसूलते

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत महानगरपालिका हर साल करोड़ों रुपये पब्लिक ट्रांसपोर्ट पर खर्च कर रही है। शहर में चलने वाली सिटी बस और BRTS को लेकर लगातार विवाद सामने आते रहते हैं, जिससे यह स्पष्ट हो गया है कि सिटी लिंक प्रोजेक्ट हर साल निगम को कितना नुकसान पहुंचा रहा है। जब करोड़ों रुपये के नुकसान की बात आती है, तो अधिकारी और नेता यह तर्क देते हैं कि मास ट्रांसपोर्टेशन में हर जगह नुकसान होता है। लेकिन इस निष्क्रिय रवैये के कारण टैक्स का पैसा भ्रष्टाचार में बर्बाद हो रहा है।

सिटी बस के कंडक्टर बिना टिकट यात्रियों से पैसे वसूलते हैं

एसएमसी की मास ट्रांसपोर्ट सेवा का उपयोग प्रतिदिन 2 लाख से अधिक यात्री कर रहे हैं। त्योहारों और छुट्टियों पर यह संख्या और बढ़ जाती है, इसके बावजूद सिटी लिंक विभाग करोड़ों रुपये का नुकसान कर रहा है। इसकी एक बड़ी वजह यह सामने आई है कि सिटी बस के कंडक्टर यात्रियों से पैसे लेकर भी उन्हें टिकट नहीं देते। कुछ यात्रियों से आधा किराया लेकर टिकट दिया जाता है, जबकि कुछ से पूरा किराया लेने के बावजूद टिकट नहीं दी जाती। इस भ्रष्टाचार को अधिकारी और नेता चुपचाप सहन कर रहे हैं।

एसएमसी को हो रहे लाखों के नुकसान पर मामूली पेनल्टी लगाई जाती है

कल इस घोटाले का पर्दाफाश करने के लिए ट्रांसपोर्ट कमेटी के चेयरमैन और विजिलेंस टीम ने मिलकर सिटी बसों में जांच अभियान चलाया। एक पूरी बस में 60 यात्री सफर कर रहे थे, लेकिन किसी को भी कंडक्टर ने टिकट नहीं दिया था। इससे सूरत महानगरपालिका को लाखों रुपये का नुकसान हो रहा है, इसके बावजूद अधिकारियों द्वारा संबंधित एजेंसी पर सख्त कार्रवाई करने के बजाय सिर्फ मामूली पेनल्टी लगाकर मामला खत्म कर दिया जाता है।

जांच का मैसेज वायरल हो गया था

ट्रांसपोर्ट कमेटी के अध्यक्ष सोमनाथ मराठे ने बताया कि जब उन्होंने और विजिलेंस टीम ने अलग-अलग स्थानों पर बसों की जांच शुरू की, तो उन्हें पता चला कि उनके आने की जानकारी पहले ही कंडक्टरों तक पहुंच गई थी। भाविन सुकानी कंपनी की मैनेजर ने कंडक्टरों को जांच के बारे में अलर्ट कर दिया था। हालांकि, टीम ने चेकिंग प्वाइंट बदलकर पांडेसरा इलाके में जांच शुरू की, जहां बड़ा घोटाला सामने आया।

टिकट न देने पर पूछा गया तो "मशीन खराब है" बहाना बनाया

जांच के दौरान एक बस में 60 यात्री सफर कर रहे थे, लेकिन किसी को भी टिकट नहीं मिला था। जब कंडक्टर से पूछा गया तो उसने कहा कि मशीन खराब है। मगर जांच करने पर मशीन ठीक पाई गई, जिससे साफ हुआ कि कंडक्टर जानबूझकर यात्रियों से पैसे लेकर टिकट नहीं दे रहे थे। कंडक्टर को तुरंत सस्पेंड कर दिया गया और इस मामले की सूचना उच्च अधिकारियों को भी दी गई। साथ ही भाविन सुकानी कंपनी के मैनेजर महेंद्र के खिलाफ भी जांच और पुलिस कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

सिटी लिंक भ्रष्टाचार का पर्याय बन चुका है

सूरत महानगरपालिका द्वारा चलाई जा रही मास ट्रांसपोर्टेशन बसों में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हो रहा है। पहले भी बिना टिकट यात्रियों के सफर करने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं, लेकिन कंडक्टरों या एजेंसी पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। करोड़ों रुपये के नुकसान के बावजूद सिर्फ 2 लाख रुपये का जुर्माना लगाकर मामले को रफा-दफा कर दिया जाता है।

बरसों से यही सिस्टम चला आ रहा है—कंडक्टर पकड़े जाते हैं, छोटी-मोटी पेनल्टी लगाई जाती है और फिर मामला दबा दिया जाता है। राज्य सरकार को इस मामले में गंभीरता दिखानी चाहिए और तुरंत जांच करवाकर महानगरपालिका में हो रहे इस भ्रष्टाचार को उजागर करना चाहिए।

कान्हा संग होली का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,फाल्गुन माह के उपलक्ष में सिटी लाइट स्थित देवप्रयाग अपार्टमेंट में कान्हा संग होली का आयोजन बुधवार को किया गया। इस अवसर पर बिल्डिंग की सभी महिलायें अपने-अपने घर के लड्डू गोपाल को लेकर आई। सभी ने लड्डू गोपाल के साथ फूलों की होली खेली एवं उसको रंग गुलाल लगाया। लड्डू गोपाल के लिए स्विमिंग पूल भी बनाया गया। आयोजन में महिलाओं ने होली के लोकगीतों की प्रस्तुति भी दी। अंत में सभी महिलाओं में एक दूसरे को होली की बधाई दी।

सूरत गैंगरेप और लूट मामला 26 दिनों में 2053 पन्नों की चार्जशीट दाखिल

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के पुना क्षेत्र में सामूहिक बलात्कार और लूट की जघन्य घटना में पुना पुलिस ने केवल 26 दिनों में 2053 पन्नों की चार्जशीट अदालत में पेश की है। पुलिस ने मजबूत सबूतों के आधार पर आरोपियों को पकड़कर उनके खिलाफ ठोस मामला तैयार किया।

क्या है पूरा मामला?

13 फरवरी 2025 की रात सूरत के पुना क्षेत्र की एक सोसायटी में तीन अपराधी लूट के इरादे से एक दंपत्ति के घर में घुसे उन्होंने पति को चाकू दिखाकर बंधक बना लिया और पत्नी को छत पर ले जाकर दो आरोपियों ने उसके साथ बारी-बारी से दुष्कर्म किया। इस दौरान आरोपियों ने वीडियो भी रिकॉर्ड किया और जाते समय 37,000 नकद और दो ब्रेसलेट मिलाकर कुल 60,000 की लूट की।

पुलिस जांच और चार्जशीट

पुलिस ने इस मामले में सीसीटीवी फुटेज, गेट एनालिसिस रिपोर्ट, साइबर फॉरेंसिक, मेडिकल रिपोर्ट, वैज्ञानिक साक्ष्य, फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट की राय, मोबाइल लोकेशन और परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर अपराध को साबित किया।

पुलिस ने जुटाए मजबूत सबूत

चार्जशीट में पुलिस ने कई महत्वपूर्ण सबूत शामिल किए हैं, जिनमें शामिल हैं:

सीसीटीवी फुटेज – घटनास्थल के आसपास के वीडियो सबूत।

मेडिकल रिपोर्ट – पीड़िता की मेडिकल जांच रिपोर्ट से अपराध की पुष्टि हुई।

फॉरेंसिक सबूत– वैज्ञानिक विश्लेषण के आधार पर अपराधियों के खिलाफ ठोस प्रमाण।

गवाहों के बयान – पीड़िता और अन्य चश्मदीदों के बयान।

आरोपियों की गिरफ्तारी:

1. दिनेश उर्फ छोटू राम खिलाड़ी यादव – भावनगर से पकड़ा गया।

2.निकुंज उर्फ बुलेट चकुरभाई भिंगरालिया – भावनगर से पकड़ा गया।

3. अमित उर्फ रघु रोकड़ा नसीरभाई वाला – अमरेली जिले के खांभा तालुका से पकड़ा गया।

पुलिस ने आरोपियों को पकड़कर रिमांड लिया और सबूत जुटाने के बाद 26 दिनों में 2053 पन्नों की चार्जशीट अदालत में दाखिल की।अब न्यायिक प्रक्रिया के तहत अदालत में सुनवाई शुरू होगी।